मौसम		
शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.3	27.2
जमशेदपुर	33.5	25.0
डालटनगंज	29.0	24.0

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, बुधवार 07 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 03 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 120

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

हसीना अभी भारत में ही रहेंगी...

बांग्लादेश में तेजी से बदलते घटनाक्रम के बीच अंतरिम सरकार के लिए प्रकिया शुरू हो गई है. संभावना है कि बुधवार से नई सरकार कामकाज शुरू हो जाएगा. देश में तख्तापलट के बाद स्थिति सामान्य होने लगी है. हालांकि प्रदर्शनकारी चुन-चुन कर शेख हसीना के करीबियों और उनकी अवामी लीग के नेताओं को निशाना बना रहे हैं. बांग्लादेश के 27 जिलों में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों को भी निशाना बनाया गया है. कई मंदिरों को तोड़ दिया गया है. उधर, सोमवार को इस्तीफा देकर देश छोड़ने वाली शेख हसीना अभी भारत में हैं. शरण देने से ब्रिटेन के इन्कार के बाद कयास लगाया जा रहा है कि हसीना अभी भारत में ही रहेंगी. हालांकि एक चर्चा ये भी है कि हसीना अगले 48 घंटों में किसी दूसरे देश के लिए प्रस्थान कर सकती हैं. हालात पर भारत सरकार भी करीबी नजर रख रही है. मंगलवार को सर्वदलीय बैठक में पक्ष-विपक्ष ने एक सुर में कहा, पूरा देश सरकार के साथ हैं. भारत के करीब 19 हजार लोग अभी भी बांग्लादेश में फंसे हुए हैं, जिनमें 9000 छात्र हैं. बांग्लादेश में संसद भंग होने के बाद जल्द नए सिरे से चुनाव कराए जाने के आसार हैं.

बांग्लादेश में संसद भंग आज से अंतरिम सरकार

नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस को बनाया गया अंतरिम सरकार का मुखिया

नया चुनाव होने तक सेना ही चलाएगी सरकार, खालिदा जिया जेल से रिहा

एक चर्चा ये भी : आईएसआई से मिला था खालिदा जिया का बेटा, लंदन में रची गई हसीना सरकार गिराने की साजिश, चीन–पाक ने रचा खूनी खेल

एजेंसियां। ढाका

बांग्लादेश सियासी उठापटक के बाद अंतरिम सरकार का गठन होने वाला है. नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को देश में अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए चुना गया है. राष्ट्रपति शहाबुद्दीन की अध्यक्षता में बंगा भवन में मीटिंग में यह फैसला हुआ. प्रदर्शनकारी छात्रों ने यूनुस को अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है. मीटिंग में आरक्षण आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्र नेताओं के साथ-साथ तीनों सेनाओं के प्रमुख भी शामिल हुए. राष्ट्रपति के प्रेस सचिव ने मंगलवार देर रात को यह जानकारी दी.

इससे पहले राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने संसद भंग कर दी. बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया रिहा हो गई हैं. इसके अलावा, प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार लोगों को रिहा करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और कई लोग पहले ही रिहा हो चुके हैं. देश में अंतरिम सरकार का गठन बुधवार को हो जाने की संभावना है. माना जा रहा है कि नोबल विजेता मो. यूनुस के नेतृत्व में सरकार का गठन होगा. संसद को भंग करने के राष्ट्रपति के कदम ने देश में नए चुनाव कराये जाने का रास्ता साफ कर दिया है. – शेष पेज 07 पर

वो तीन छात्र नेता, जिन्होंने आंदोलन को तख्तापलट तक पहुंचाया

नाहिद इस्लाम

छात्र आंदोलन का सबसे बड़ा चेहरा नाहिद इस्लाम हैं. ढाका यूनिवर्सिटी के छात्र नाहिद ने ही सबसे पहले कहा था– शेख हसीना को पीएम पद से इस्तीफा देना होगा. 26 जुलाई को पुलिस ने नाहिद को पकड़ लिया था. उनसे मारपीट की गई. जब वह पुलिस के पकड़ से बाहर आए, तो लोगों ने उनके चेहरे पर चोट देखी, जिसके बाद हिंसा भड़क गई.

आसिफ महमूद

ढाका यूनिवर्सिटी में लैंग्वेज स्टडीज की पढ़ाई करने वाले आसिफ महमूद भी इस छात्र आंदोलन के दूसरे बड़े चेहरा हैं. आसिफ को भी पुलिस ने नाहिद को साथ पकड़ा था. एक अगस्त को जब विरोध तेज हुआ, तो सरकार ने उन्हें मुक्त किया. जिसके बाद तीन अगस्त को उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर छात्रों से अपील की थी कि सभी प्रदर्शनों में शामिल हों.

अबु बकेर मजूमदार

ढाका विश्वविद्यालय के ही भूगोल विषय के छात्र अबु बकेर मजूमदार पढ़ाई के साथ–साथ मानवाधिकारों की रक्षा के लिए भी काम किया करता है. उसने शेख हसीना के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन को तेजी से फैलाने का काम किया. अबू बकेर ने ही अपने दोस्तों के साथ मिल कर स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन मूवमेंट की शुरुआत की थी.

ब्रिटेन का शरण देने से इन्कार, अब कहां जाएंगी शेख हसीना

बांग्लादेश की पीएम रहीं शेख हसीना अब शरण की मोहताज हैं. वह सोमवार को भारत आ गई थीं और फिलहाल यहीं हैं. कहा जा रहा हैकि वह ब्रिटेन में शरण लेना चाहती हैं, जहां उनकी बहन और बेटे रहते हैं, लेकिन ब्रिटेन से शरण की उम्मीद लगाए हसीना को झटका लगा है. ब्रिटेन ने कहा है कि हमारे इमिग्रेशन रूल्स किसी को शरण के लिए आने या फिर अस्थाई तौर पर रहने की इजाजत नहीं देते. ब्रिटेन ने यह भी कहा कि इस तरह की शरण तो किसी को भी उस देश में ही मांगनी चाहिए, जहां वह सबसे पहले पहुंचा हो. इस तरह ब्रिटेन ने शेख हसीना को भारत में ही शरण मांगने का सुझाव दिया है. सर कीर स्टार्मर के नेतृत्व वाले ब्रिटेन से विकल्प खारिज होने की सूरत में हसीना को नए विकल्प पर सोचना होगा. अब तक भारत सरकार की ओर से उनके ठहरने पर कुछ कहा नहीं गया है. लेकिन बांग्लादेशी मीडिया का कहना है कि हसीना अंतरिम ठहराव के लिए ही भारत पहुंची थीं और वह अगले 48 घंटों में किसी और देश जा सकती हैं. भारतीय एजेंसियां भी नहीं चाहतीं कि हसीना भारत में रहें. उनके रहने से बांग्लादेश से संबंध खराब होने का खतरा है. ऐसे में अब हसीना को नया ठिकाना तलाशना होगा. लेकिन जब तक कहीं और ठिकाना नहीं मिलता, तब तक शेख हसीना के भारत में ही रहने की संभावना है.

दिल्ली में बड़ी बैठकें शाह से मिले डोभाल

शेख हसीना सदमे में, सरकार उनसे बात करने से पहले उन्हें समय दे रही

बांग्लादेश के हालात पर सरकार की नजर, सीमा पर सुरक्षा बलों को सतर्क रहने को कहा गया

हिंसा के दौरान अल्पसंख्यकों व हिंदुओं के घर तोड़ गए, हमले भी हुए, सरकार पड़ोसी देश से लगातार संपर्क में

एजेंसी। नयी दिल्ली

बांग्लादेश में राजनीतिक उठापटक के बीच भारत में भी हलचल है. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जहां मंगलवार को संसद में इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी, तो वहीं नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर भी अजीत डोभाल भी संसद पहुंचे. बताया जा रहा है कि यहां गृह सचिव समेत कई बड़े अधिकारी मौजूद थे, जिसमें बांग्लादेश के हालात और सीमा सुरक्षा पर चर्चा हुई. पूर्व एसडीजी बीएसएफ वाईबी खुरानिया ने भी गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की. गृह मंत्री अमित शाह ने भी बांग्लादेश के हालात पर विदेश मंत्री से मुलाकात की. दोनों मंत्रियों ने पड़ोसी देश के मौजूदा हालात पर चर्चा की. पूरा दिन दिल्ली में बैठकों दौर जारी रहा.

विदेश मंत्री ने दिन में संसद में बांग्लादेश के राजनीतिक संकट पर विस्तार से जानकारी दी. उन्होंने पर जोर दिया कि हालात बहुत ही खराब है, जनवरी 2024 से ही तनाव व हिंसा की स्थिति बनी हुई है, खासकर जून और जुलाई में सरकारी नीतियों के खिलाफ बढ़ते छात्र आंदोलन की वजह से हालात और भी खराब हो गए. विदेश मंत्री ने कहा कि भारत सरकार हालात पर बारीकी से नजर रख रही है, खासकर अल्पसंख्यक समूहों की सुरक्षा पर सरकार पर नजर बनाए हुई है. जयशंकर ने प्रभावित अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए विभिन्न संगठनों द्वारा की जा रही पहलों की सराहना भी की.

उन्होंने बताया कि बांग्लादेश के अधिकारियों के साथ भारत संपर्क में है. विदेश मंत्री ने बताया, भारतीय दूतावास की सुरक्षा सुनिश्चित करने अपील की गई है. जयशंकर ने बताया कि पता चला है कि बांग्लादेश के पूर्व दूरसंचार और आईसीटी राज्य मंत्री जुनैद अहमद पलक को हवाई अड्डे पर अधिकारियों ने हिरासत में लिया गया है. पूर्व मंत्री अपने दो सहयोगियों के साथ दोपहर में दिल्ली आने के लिए हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे थे. जहां उन्हें विमान में चढ़ने से रोक दिया गया और बाद में अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया.

सर्वदलीय बैठक में पक्ष-विपक्ष दिखे साथ-साथ

संसद के दोनों सदनों में दिए गए बयान से पूर्व विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सर्वदलीय बैठक में पूर्व पीएम शेख हसीना के बहुत कम समय के नोटिस पर फिलहाल भारत आने के अनुरोध के बारे में जानकारी दी. उन्होंने कहा कि भारत ने पड़ोसी देश में इस जटिल और अभी भी अस्थिर बने हुए हालात को देखते हुए अपने सीमा सुरक्षा बलों को अत्यधिक सतर्क रहने का निर्देश दिया है. जयशंकर ने बताया, अनुमान है कि पड़ोसी देश में 19,000 भारतीय नागरिक हैं, जिनमें से लगभग 9,000 छात्र हैं. हालांकि, ज्यादातर छात्र जुलाई के महीने में ही भारत लौट आए. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सर्वदलीय बैठक में नेताओं को सूचित किया कि भारत ने बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को मदद का भरोसा दिलाते हुए उन्हें भविष्य की रणनीति तय करने के लिए समय दिया है. जयशंकर ने कहा कि शेख हसीना अभी सदमे में हैं. उनसे अभी सरकार ने कोई बात नहीं की है. जयशंकर ने कहा, सरकार हसीना को सदमे से उबरने के लिए समय दे रही है और इसके बाद वह उनकी भविष्य की योजनाओं सहित अन्य मुद्दों पर उनसे बात करेगी. सरकार स्थिति पर नजर रख रही है.

राहुल गांधी के सवालों का दिया जवाब

बांग्लादेश संकट पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तीन सवाल उठाए. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इन तीनों सवालों का जवाब दिया. इस दौरान राहुल गांधी ने बांग्लादेश में तेजी से बिगड़ते हालात में पाकिस्तान का हाथ होने को लेकर भी सवाल उठाया. इसके अलावा राहुल गांधी ने पूछा कि ढाका में सत्ता हस्तांतरण को लेकर हमारी शॉर्ट–टर्म और लांग–टर्म स्ट्रेटजी क्या है? इसके जवाब में विदेश मंत्री ने कहा कि अभी यह डेवलपिंग सिचुएशन है. केंद्र सरकार इस पर करीबी नजर बनाए हुए है. इसी के हिसाब से रणनीति बनाई जा रही है और फिर जो भी सही होगा, उसके हिसाब से अगला कदम उठाया जाएगा. केंद्र सरकार की तरफ से बताया गया कि पाकिस्तान के एंगल से भी जांच की जा रही है. एनडीटीवी के मुताबिक एक पाकिस्तानी डिप्लोमेट बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शनों के हिसाब से लगातार अपनी डीपी बदल रहा है. भारत सरकार इसको लेकर भी जांच में जुटी हुई है कि कहीं इसमें कोई बड़ा संकेत तो नहीं छिपा है? राहुल गांधी ने यह भी पूछा कि क्या नई दिल्ली ने बांग्लादेश में घटनाओं के नाटकीय मोड़ को भांप लिया था? इसके जवाब में विदेश मंत्री ने बताया कि भारत हालात की निगरानी कर रहा है. जयशंकर ने कहा कि बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों ने अल्पसंख्यकों के घरों और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया. – शेष पेज 07 पर

सर्राफा

सोना (बिक्री)	64,900
चांदी (किलो)	81,000

ब्रीफ खबरें

जैवलिन: नीरज चोपड़ा से लगी गोल्ड की आस

पेरिस। गत चैंपियन भारत के नीरज चोपड़ा ने मंगलवार को यहां ग्रुप बी क्वालीफिकेशन में अपने पहले ही प्रयास में 89.34 मीटर के थ्रो के साथ पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई, लेकिन किशोर जेना बाहर हो गए. नीरज से देश गोल्ड मेडल की उम्मीद कर रहा है.

- पेज 10 भी देखें

आडवाणी की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में

नयी दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को मंगलवार को दिल्ली के एक प्रमुख निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. सूत्रों ने बताया कि आडवाणी की हालत स्थिर है. अस्पताल ने बताया कि आडवाणी (96) को अपोलो अस्पताल में भर्ती किया गया. जुलाई के पहले हफ्ते में भी, आडवाणी को इस अस्पताल में भर्ती किया गया था और दो दिन चिकित्सकीय देखरेख में रखने के बाद (अस्पताल से) छुट्टी दे दी गई थी. उन्हें न्यूरोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में रखा गया था.

एक करोड़ केंद्रीय कर्मियों पेंशनरों को तगड़ा झटका

▪ सरकार नहीं देगी 18 माह के 'डीए' का एरियर

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्र सरकार ने अपने एक करोड़ से अधिक कर्मियों और पेंशनरों को तगड़ा झटका दिया है. वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने मंगलवार को राज्यसभा में स्पष्ट बता दिया है कि कोरोनाकाल में सरकारी कर्मियों का जो 18% डीए/डीआर रोका गया, अब उसका एरियर नहीं मिलेगा. राष्ट्रीय परिषद स्टाफ साइड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न संगठनों ने डीओपीटी के सचिव (पी) से आग्रह किया था कि 18 माह का डीए एरियर, उनका हक है. राज्यसभा सदस्य, जावेद अली खान और रामजी लाल शर्मा ने सदन में यह सवाल पूछा था कि क्या सरकार, कर्मचारियों को कोरोना काल के दौरान रोके गए डीए/डीआर के एरियर का भुगतान जारी करने के लिए सक्रिय है या नहीं. दोनों सांसदों ने पूछा, अगर सरकार यह भुगतान जारी नहीं कर रही, तो उसका क्या कारण है. भारतीय अर्थव्यवस्था, विश्व में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है. – शेष पेज 07 पर

इंडिया ब्लॉक ने स्वास्थ्य, जीवन बीमा पर जीएसटी हटाने की मांग की

संसद भवन पर प्रदर्शन, लगाए नारे

एजेंसी। नयी दिल्ली

विपक्षी इंडिया गठबंधन के के नेताओं ने जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर से 18% जीएसटी को वापस लेने की मांग करते हुए मंगलवार को संसद भवन परिसर में विरोध प्रदर्शन किया.

विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार के सामने प्रदर्शन किया. उन्होंने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं जिन पर स्वास्थ्य बीमा एवं जीवन बीमा से जीएटी खत्म करने की मांग लिखी हुई थी. जीएसटी खत्म करो के नारे भी लगाए. लोस में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार तथा सपा, टीएमसी, शिवसेना (यूबीटी), झामुमो तथा कुछ अन्य दलों के सांसद विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए. – शेष पेज 07 पर

संसद परिसर में तख्तियां लेकर प्रदर्शन करते इंडिया गठबंधन के नेता.

भाजपा सांसद ने लोकसभा में फाइनांस बिल पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पर जमकर हमला बोला

किया दावा: अंबानी की शादी में शामिल होने गई थीं प्रियंका गांधी: निशिकांत दुबे

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को लोकसभा में फाइनांस बिल पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पर जम कर हमला बोला. उन्होंने कहा कि आप क्या चाहते हैं कि आप चंदा भी खाओ और उनकी शादी (मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की शादी) में भी जाओ और उसके बाद गाली देते रहो.

उन्होंने आगे कहा, इस देश का कौन ऐसा राजनेता है, जो अंबानी के बेटे की शादी में नहीं गया. इनकी पार्टी की जो राष्ट्रीय महासचिव हैं प्रियंका गांधी क्या वो शादी में नहीं गईं थीं? क्या बात कर रहे हो आप. इस पर सदन में हंगामा होने लगा, तो उन्होंने कहा, तोते की बहन शादी में गई, आप इतना ही मान लीजिए. लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर पीएम नरेंद्र मोदी और देश के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश का आरोप लगाया. उन्होंने हमला बोलते हुए कहा कि उनकी इस कोशिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा. दुबे ने लोकसभा में वित्त विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि कांग्रेस के समय पीएमएलए और इनकम टैक्स से जुड़े कानूनों को सख्त किया गया था, जिन्हें पीएम मोदी की सरकार में ईमानदारी से लागू किया जा रहा है.

कांग्रेस का पलटवार- झूठ बोलते हैं भाजपा सांसद, प्रियंका नहीं गई थीं

कांग्रेस ने कहा- प्रियंका विदेश में थीं: कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा में दावा किया कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे सदन में झूठ बोलते हैं और उन्हें ऐसा करने की अनुमति भी मिल जाती है. उन्होंने कहा कि देश के प्रमुख उद्योगपति अंबानी के परिवार के वैवाहिक समारोह में कांग्रेस महासचिव शामिल नहीं हुई थीं. वेणुगोपाल ने कहा, अंबानी के यहां शादी के दौरान प्रियंका गांधी विदेश में अपने बच्चों के पास गई थीं. यह सरासर गलत बात है. सांसद को इसके लिए पूरे सदन से माफी मांगनी चाहिए.

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर कहा, निशिकांत दुबे को झूठ बोलनेकी लत है. मंगलवार को उन्होंने लोकसभा में कहा कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी जी अंबानी परिवार के शादी समारोह में शामिल हुई थीं. ये सरासर झूठ है. निशिकांत दुबे जी, झूठ बोलने की ये बुरी आदत छोड़ दीजिए और कान पकड़ कर माफी मांगिए.

कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि उस समय प्रियंका विदेश में थीं. कांग्रेस पार्टी ने भी एक्स पर लिखा, प्रियंका गांधी जी अंबानी की शादी में गईं ही नहीं, वे उस समय विदेश में थीं. निशिकांत दुबे ने जो बोला, उससे बड़ा झूठ कुछ हो ही नहीं सकता और जो शादी में गए थे, वो तो सबको पता है.

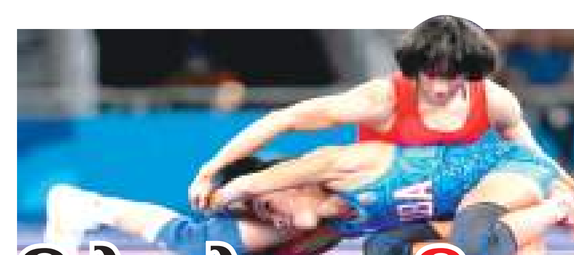

विनेश ने रचा इतिहास

आज गोल्डन गर्ल बनने का मौका

पेरिस। पेरिस ओलंपिक भारतीय स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने इतिहास रच दिया है. उन्होंने फाइनल में एंट्री करते हुए मेडल पक्का कर दिया है. उन्होंने मंगलवार को महिला 50 किग्रा फ्रीस्टाइल इवेंट के सेमीफाइनल में क्यूबा की रेसलर युसनेइलिस गुजमैन को 5-0 से करारी शिकस्त दी. अब विनेश का फाइनल बुधवार को होगा. अब उन्होंने ओलंपिक में भी अपना एक मेडल पक्का कर लिया है. उम्मीद है यह गोल्ड होगा.

विनेश फोगाट ओलंपिक की महिला कुश्ती के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला रेसलर भी बन गई हैं. उन्होंने देश के लिए सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है. साथ ही उनके पास गोल्ड मेडल जीतने का भी सुनहरा मौका है. इस 29 साल की पहलवान ने पिछले साल भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृज भूषण सिंह शरण पर यौन दुर्व्यवहार का आरोप लगाने के बाद उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए काफी समय मैट से दूर बिताया था. मगर उन्होंने ओलंपिक में आते ही धमाल मचा दिया. विनेश पहली बार 50 किग्रा में चुनौती पेश कर रही हैं. इससे पहले वह 53 किग्रा में खेलती थीं.

बजरंग पुनिया ने विनेश को दिया इमोशनल बधाई

टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलावन बजरंग पुनिया ने भी विनेश फोगाट को बधाई देते हुए उन्हें देश की शेरनी कहा. बजरंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा– "मगर एक बात बताऊं, ये लड़की अपने देश में लातों से कुचली गई थी, ये लड़की अपने देश में सड़कों पर घसीटी गई थी. ये लड़की दुनिया जीतने वाली है, मगर इस देश में अपने 'सिस्टम' से हार गई थी."

***हॉकी :** सेमीफाइनल में जर्मनी से 3.2 से हारा भारत, कांस्य के लिए कल स्पेन से होगी जंग*

–पेज 10 भी देखें

महंगाई भत्ता बढ़ा, राज्य सरकार ने होटल, ट्रैवलिंग और फूड चार्ज में वृद्धि की, वित्त विभाग ने संकल्प जारी किया

क्लास वन अफसरों को होटल में ठहरने के लिए मिलेंगे 9350 रुपये

रवि भारती। रांची

- एक जनवरी 2024 के प्रभाव से महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत स्वीकृत
- भोजन के लिए प्रतिदिन के 1500 से 625 रुपये मिलेंगे
- निजी सामग्रियों के परिवहन के लिए निर्धारित दरों में 25% की वृद्धि का प्रावधान किया गया

झारखंड के वित्त मंत्रालय के आदेश के आलोक में महंगाई भत्ते में 50 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी होने की स्थिति में सरकारी कार्य के दौरान यात्रा करने पर होटल चार्ज, ट्रैवलिंग चार्ज और फूड चार्ज (खाना) की प्रतिपूर्ति तथा निजी सामग्रियों के परिवहन के लिए निर्धारित दरों में 25 प्रतिशत की वृद्धि होने का प्रावधान है. इसी के आलोक में राज्य सरकार ने होटल चार्ज, ट्रैवलिंग चार्ज और फूड चार्ज में वृद्धि कर दी है. वित्त विभाग ने इसका संकल्प भी जारी कर दिया है. राज्य सरकार के कर्मियों को एक जनवरी 2024 के प्रभाव से महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत स्वीकृत किया गया है. इसके तहत लेवल 14 या इससे अधिक वेतनमान वाले अफसरों को सरकारी कार्य के दौरान होटल के लिए प्रतिदिन 9350 रुपए दिए जाएंगे. शहर के अंदर 50 किलोमीटर यात्रा के लिए एसी कार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी. साथ ही 1500 रुपए प्रतिदिन खाने के लिए दिए जाएंगे.

लेवल 12 से 13 ए के वेतनमान वालों को होटल के लिए प्रतिदिन 5600 : इसी तरह लेवल 12 से 13 ए के वेतनमान वाले अफसरों को होटल के लिए प्रतिदिन 5600 रुपए दिए जाएंगे. शहर में 50 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए बिना एसी वाली टैक्सी उपलब्ध कराई जाएगी. खाने के लिए प्रतिदिन 1250 रुपए दिए जाएंगे. लेवल नौ से 11 तक के वेतनमान वाले अधिकारियों को प्रतिदिन 2800 रुपए होटल चार्ज के रूप में दिए जाएंगे. शहर में यात्रा के लिए प्रतिदिन 420 रुपए दिए जाएंगे. खाना के लिए प्रतिदिन 1125 रुपए दिए जाएंगे.

लेवल छह से आठ तक वेतनमान वालों को होटल के लिए प्रतिदिन 930 : राज्य सरकार के लेवल छह से आठ तक वेतनमान वालों को होटल के लिए प्रतिदिन 930 रुपए दिए जाएंगे. शहर में यात्रा के लिए प्रतिदिन 280 रुपए और प्रतिदिन खाना के लिए 1000 रुपए दिए जाएंगे. वहीं लेवल पांच या इससे कम वेतनमान वाले पदाधिकारियों को होटल के लिए प्रतिदिन 560 रुपए, शहर में यात्रा के लिए प्रतिदिन 140 रुपए और खाना के लिए प्रतिदिन 625 रुपए दिए जाएंगे.

सामानों के परिवहन के लिए 63 से 19 रुपए प्रति किलोमीटर : राज्य सरकार ने राज्यकर्मियों के परिवहन भत्ता की भी दर बढ़ा दी है. इसके तहत लेवल 12 या इससे अधिक वेतनमान वाले अफसरों और लेवल छह से 11 वेतनमान वाले अफसरों को 63 रुपए प्रति किलोमीटर की दर से परिवहन भत्ता दिया जाएगा. लेवल पांच वेतनमान वाले अफसरों को 31 रुपए प्रति किलोमीटर और लेवल चार से कम वेतनमान वाले अफसरों को 19 रुपए प्रति किलोमीटर परिवहन भत्ता मिलेगा. वहीं सामान को ट्रक में लाद कर भेजने में 12 रुपए प्रति किलोमीटर की दर से परिवहन भत्ता मिलेगा.

ये हैं शर्तें

- रेल मार्ग से निजी सामग्रियों की ढुलाई पर होने वाला वास्तविक खर्च अथवा संबंधित सरकारी सेवक को अनुमान्य अधिकतम सामग्री की दुलाई के लिए देय राशि दोनों में से जो कम हो अनुमान्य होगा.
- सड़क मार्ग से निजी सामग्रियों की ढुलाई पर सड़क द्वारा परिवहन के लिए निर्धारित उपर्युक्त संशोधित दर अथवा वास्तविक व्यय दोनों मे से जो कम ही अनुमन्य होगा.
- यह सुविधा वास्तविक रूप से स्थान परिवर्तन होने पर ही अनुमन्य होगी.

आईएएस सुनील कुमार 25 हजार रुपये मुआवजा दें : एनएचआरसी

संवाददाता। रांची

नेशनल ह्यूमन राइट कमीशन (एनएचआरसी) ने झारखंड सरकार को राज्य के वरीय आईएएस अधिकारी सुनील कुमार के मामले में आयोग द्वारा दिये गये निर्णय का अनुपालन हो, यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है.

दरअसल एनटीपीसी के अधिकारी राकेश नंदन सहाय ने उनके साथ हुई अभद्रता की शिकायत एनएचआरसी में की थी. इस पर आयोग ने आईएएस अधिकारी सुनील कुमार को राकेश नंदन सहाय को मुआवजे के तौर पर 25 हजार रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया था. आयोग ने यह आदेश काफी पहले दिया था. लेकिन अब तक इस आदेश का अनुपालन नहीं किया गया है.

एनटीपीसी के अधिकारी ने लगाया था मारपीट का आरोप

दरसल एनटीपीसी के अधिकारी राकेश नंदन सहाय ने वर्ष 2015 में आरोप लगाया था कि आईएएस अधिकारी सुनील कुमार ने उनके साथ मारपीट की है. कुमार उस वक्त हजारीबाग डीसी के पद पर थे. दोनों के बीच शुरू हुआ आरोप- प्रत्यारोप का मामला अदालत की दहलीज तक जा पहुंचा था. इसी वर्ष दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से हाईकोर्ट में समझौते के तहत केस खत्म तो हो गया, लेकिन आयोग के आदेश का अनुपालन आईएएस अधिकार सुनील कुमार ने अब तक नहीं किया है.

झामुमो ने मंईयां योजना की सफलता के लिए महिलाओं का जताया आभार

मंईयां सम्मान योजना से भाजपा सेट बैक में: सुप्रियो

- पहले दिन अधिक हिट्स के कारण सर्वर स्लो हो गया था
- झामुमो ने छपवाये हैं मंईयां योजना का लाखों फॉर्म
- विरोधी के कारण खत्म नहीं हो रहा पुलिसकर्मियों का आंदोलन

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने मुख्यमंत्री मंईयां महिला सम्मान योजना की सफलता और इसे महिलाओं द्वारा हाथों-हाथ लेने के लिए सरकार और महिलाओं के प्रति आभार जताया है.योजना को लेकर बाबूलाल मरांडी समेत अन्य भाजपा नेता अनर्गल आरोप लगा रहे हैं. झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि पहले दिन अधिक हिट्स होने के कारण सर्वर स्लो हो गया था, जिसका निराकरण किया जा रहा है. कहा, सरकार की अतिमहत्वाकांक्षी योजना से भाजपा सेट बैक में चली गयी है.

भाजपा मुद्दाविहीन हो गयी है : सुप्रियो ने निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा मुद्दाविहीन हो गयी है, तो उसे समझ ही नहीं आ रहा है कि वह कौन सा मुद्दा लेकर चुनाव और जनता के बीच जाए. लोकसभा चुनाव हारने के बाद भाजपा को कोई मुद्दा नहीं मिल रहा था, तो घुसपैठ का मुद्दा लाई. मगर, इसमें घुसपैठ कम और हिंदू-मुस्लिम अधिक था. जब यह भी हवा हो गया, तो अब सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पर ऊंगली उठा रहे हैं. सरकार ने महिलाओं, छात्रों, किसानों, कर्मचारियों, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, सहिया, रसोईया के लिए कई लाभ की घोषणा की है.

केंद्र हमारा बकाया लौटा दे, तो ऐसी कई योजनाएं लाएंगे : सुप्रियो ने कहा कि अगर केंद्र सरकार हमारा बकाया 1.36 लाख करोड़ लौटा दे, तो ऐसी कई योजनाएं हमारी सरकार ला सकती है. जीएसटी का भी बकाया केंद्र सरकार नहीं देती है. कहा सहायक पुलिसकर्मियों की अधिकांश मांगें सरकार ने मान ली हैं. पर कुछ विरोधी तत्वों के कारण आंदोलन खत्म नहीं हो रहा.कहा- भाजपा वालों को अपने पूर्व सीएम रघुवर दास से सवाल पूछना चाहिए कि नियुक्ति में कई ऐसी शर्तें क्यों डाल दी गयीं?

हिमंता सरमा मोदी से पूछें- 10 वर्षों में कहां गई 20 करोड़ नौकरियां: सुप्रियों ने कहा कि हिमंता सरमा को हमारी सरकार से हिसाब मांगने का हक नहीं है. उन्हें पीएम मोदी से पूछना चाहिए कि 2014 में हर साल दो करोड़ नौकरी देने का वादा किया था, तो 10 साल में 20 करोड़ नौकरियां कहां गयीं?

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने हेमंत सरकार पर फिर निशाना साधा

जीना है तो, डर के जियो... : बाबूलाल

- कहा- राज्य में चोरों का आतंक, ये हेमंत का लूटखंड
- बिल्डिंग में घुसते समय भी हेलमेट पहनना जरूरी है

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार के लिए राजकीय एंथम लिखा है. उन्होंने अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट कर एंथम में लिखा है, "जीना है तो डर के जियो, जीवन में एक पल भी हंसना न...". उन्होंने कहा है कि प्रदेश में आए दिन हो रही चोरी से एक बार तो स्पष्ट हो चुकी है कि चोरों को संरक्षण देने वाली हेमंत सरकार ने झारखंड में चोरी को राजकीय व्यवसाय मान लिया है. चोरों पर कार्यवाही करने के बजाए, उनको प्रोत्साहित किया जा रहा है.

चोरों का आतंक अंधेरे की गहराई से अधिक भयावह : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड में चोरों का आतंक अंधेरे की गहराई से अधिक भयावह हो चुका है. अब झारखंड का हाल ऐसा हो गया है कि लोगों को अंधेरों से ज्यादा, चोरों से डर लगने लगा है. अंधेरे की शिकायत तो फिर भी सूरज से की जा सकती है, लेकिन चोरी की शिकायत किससे की जाए? शासन- प्रशासन, तो चोरों और उनकी चोरी को बचाने में लगा हुआ है.

मंत्रियों का मन और सरकारी भवनों की नींव, सब डोल रही है : दूसरे पोस्ट में मरांडी ने लिखा है कि झारखंड में जैसे मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों का मन डोलता रहता है, ठीक वैसे ही सरकारी भवनों की नींव भी डोल रही है. कब, कैसे, किसके ऊपर ये गिर जाए, ज्योतिषी भी नहीं बता सकते हैं. ये हेमंत का लूटखंड है. यहां सिर्फ बाइक चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य नहीं है, बल्कि बिल्डिंग में घुसते समय हेलमेट की आवश्यकता और बढ़ जाती है. क्योंकि, न जाने कब कौन सी छत टूट कर आप पर गिर जाए.

781 करोड़ की जीएसटी चोरी के आरोपी को नहीं मिली बेल, झारखंड हाईकोर्ट ने कहा-

ऐसे सफेदपोश राष्ट्र के विकास में बाधक

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने फर्जी फर्मों और चालान से जुड़े 781.39 करोड़ की जीएसटी धोखाधड़ी मामले में आरोपी सुमित गुप्ता को जमानत देने से इनकार कर दिया है. जमानत याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुभाष चांद की कोर्ट में सुनवाई हुई. अदालत ने उसकी जमानत अर्जी खारिज करते हुए अपने आदेश में कहा है कि देश का एक साधारण व्यक्ति भी राष्ट्र व राज्य के निर्माण और विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार को सीजीएसटी और एसजीएसटी का भुगतान कर रहा है.

लेकिन, आरोपी सुमित गुप्ता जैसे व्यक्ति जो सफेदपोश अपराधी हैं, वे फर्जी कागज और फर्म बनाकर योजनाबद्ध तरीके से जालसाजी कर रहे हैं. व्यक्तिगत लाभ की गिद्ध दृष्टि रखकर सार्वजनिक धन की हानि कर राष्ट्र और राज्य की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं. इससे राष्ट्र और राज्य के विकास में बाधा आ रही है. समाज को ऐसे सफेदपोश अपराधियों को आंख खोलने वाला संदेश भेजने के लिए अलग दृष्टिकोण से निपटा जाना चाहिए. आरोपी की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुभाष चांद की कोर्ट में सुनवाई हुई. सुमित गुप्ता पर जमशेदपुर में जीएसटी चोरी का मामला दर्ज है. सेंट्रल जीएसटी विभाग की ओर से हाईकोर्ट के अधिवक्ता पीएस पति और अनुराग विजय ने पक्ष रखा. वहीं सुमित गुप्ता की ओर से अधिवक्ता नितिन कुमार पसारी ने बहस की.

हाईकोर्ट ने आईपीएस प्रिया दुबे के पति के प्री-मेच्योर रिटायरमेंट के आदेश के रद्द किया

रांची। झारखंड हाईकोर्ट से वरीय आईपीएस अधिकारी प्रिया दुबे के पति और धनबाद के तत्कालीन आरपीएफ सीनियर कमांडेंट संतोष कुमार दुबे को बड़ी राहत मिली है. हाईकोर्ट ने विभागीय कार्यवाही पर रोक के आदेश के बाद भी संतोष कुमार दुबे को प्रीमेच्योर रिटायरमेंट देने के आदेश को रद्द कर दिया है. साथ ही अदालत ने रेलवे बोर्ड को उनकी अविलंब जॉइनिंग करवाने को कहा है. मंगलवार को हाईकोर्ट के यह आदेश दिया है. संतोष दुबे फिलहाल लखनऊ में आरपीएफ के डीआईजी के पद पर पदस्थापित हैं.

सीबीआई ने संतोष दुबे के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया था : सीबीआई ने 10 जुलाई 2013 को दानापुर में संतोष कुमार दुबे के खिलाफ 1.48 करोड रुपए की आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया था. सीबीआई के मुताबिक, संतोष कुमार दुबे ने वर्ष 1998 से लेकर वर्ष 2013 के दौरान झारखंड के अलग-अलग जिलों में पोस्टिंग के दौरान यह धन अर्जित किया है. सीबीआई की कार्रवाई के बाद आरपीएफ नई दिल्ली ने संतोष कुमार दुबे के खिलाफ विभागीय कार्यवाही का आदेश दिया था.

जेपी पटेल की सदस्यता मामले में रोक से इनकार

रांची। हाईकोर्ट ने भाजपा छोड़ कर कांग्रेस से लोकसभा चुनाव लड़ने वाले जय प्रकाश भाई पटेल की सदस्यता रद्द करने के स्पीकर कोर्ट के फैसले पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है. पटेल ने स्पीकर द्वारा उनकी सदस्यता रद्द किए जाने के फैसले को चुनौती दी है. कहा है कि स्पीकर कोर्ट ने उनका पक्ष सुने बिना फैसला दिया, इसलिए उनकी सदस्यता बहाल हो. बता दें कि 25 जुलाई को स्पीकर कोर्ट ने उनकी सदस्यता रद्द कर दी थी. अदालत ने इस मामले में स्पीकर की कोर्ट के शिकायत करने वाले भाजपा विधायक दल के नेता अमर कुमार बाउरी को नोटिस भी जारी किया है.

561 बीमार पुलिसकर्मियों के इलाज के लिए 1.72 करोड़

- झारखंड पुलिस मुख्यालय ने झारखंड पुलिस सहायता कल्याण कोष से राशि आबंटित की

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने शारीरिक रूप से बीमार 561 पुलिसकर्मियों को बड़ी राहत दी है. पुलिस मुख्यालय ने झारखंड पुलिस सहायता कल्याण कोष से इन पुलिसकर्मियों और उनके आश्रितों के इलाज के लिए 1.72 करोड़ की राशि आबंटित की है. बता दें कि तत्कालीन डीजीपी अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में 16 जुलाई को हुई बैठक में राज्य के कई आला अधिकारी, पुलिस व मेंस एसोसिएशन के पदाधिकारी शामिल हुए थे. बैठक में राज्य भर से जितने भी आवेदन पुलिस सहायता कल्याण कोष में आये थे, उन पर सुनवाई हुई थी. इसके बाद पुलिसकर्मियों की बीमारी और उस पर हुए खर्च के आधार पर सहायता राशि आवंटित की गयी.

नक्सली हिंसा: आश्रितों और घायल जवानों की मुआवजा राशि आबंटित

संवाददाता। रांची

नक्सली हिंसा में मारे गये व्यक्तियों के आश्रितों और मुठभेड़ में घायल हुए सीआरपीएफ जवानों को मुआवजा के लिए राशि आवंटित कर दी गयी है. इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने आदेश जारी किया है. जारी आदेश के मुताबिक, नक्सली हिंसा में मरे चार व्यक्तियों के आश्रितों को मुआवजा के लिए चार लाख की राशि आवंटित की गयी है. वहीं नक्सली मुठभेड़ में घायल तीन सीआरपीएफ जवानों को मुआवजा के लिए 9.10 लाख की राशि का आवंटित किया गया है.

इनके आश्रितों को मिलेगा एक-एक लाख का मुआवजा : चाईबासा जिला निवासी डांगो डांगिल, खूंटी जिला के शीतल मुंडा, गुमला जिला के लक्ष्मण लोहरा, चतरा जिला की नागेश्वेरी देवी.

नक्सली हिंसा में घायल सीआरपीएफ जवान : चाईबासा में आईईडी ब्लास्ट में घायल सीआरपीएफ के जवान संजीव कुमार को 3.50 लाख का मुआवजा मिलेगा, वहीं सरायकेला जिला में नक्सली के साथ मुठभेड़ में घायल हुए सीआरपीएफ जवान दुलाल दास को 3.50 लाख और प्रदीप शर्मा को 2.10 लाख का मुआवजा मिलेगा.

आर्म्स एक्ट के दो आरोपियों को सजा

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार कयूम अंसारी और निजाउल अंसारी को दोषी करार देते हुए सात वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने दोषियों पर 13 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माने की राशि नहीं देने पर दोनों को अतिरिक्त नौ महीने जेल काटनी होगी. पहला दोषी क्यूम अंसारी नगड़ी थाना क्षेत्र के बरसा गांव निवासी और निजाउल अंसारी लोहरदगा के कुडू थाना के जोनरो गांव निवासी है. दोनों को पुलिस ने 7 सितंबर 2018 को लोडेड देसी पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया था. इनके खिलाफ नगड़ी थाना में प्राथमिकी (कांड संख्या 139/18) दर्ज कराई थी.

गुड न्यूज | एशिया के सबसे बड़े मिट्टी डैम के कायाकल्प की तैयारी

पर्यटन स्थल में विकसित होगा तेनुघाट डैम

- गौरव होम प्वाइंट को डीपीआर बनाने की मिली है जिम्मेवारी
- भवन निर्माण निगम और बोकारो जिला प्रशासन को भूमि चिह्नित करने का दिया निर्देश

प्रमुख संवाददाता। रांची

एशिया के सबसे बड़े मिट्टी के डैम तेनुघाट का जल्द ही कायाकल्प होगा. इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा. इसका डीपीआर बनाने की जिम्मेवारी गौरव होम प्वाइंट को सौंपी गयी है. साथ ही इसके लिए जरूरी भूमि चिह्नित करने के लिए झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम और बोकारो जिला प्रशासन को निर्देश दिया गया है. बताते चलें कि पेटरवार के तेनुघाट में दामोदर नदी के पार एक मिश्रित मिट्टी का बांध है. पंचेत, मैथन, कोनार और तिलैया चार मुख्य बहुउद्देशीय बांध 1953-1959 के दौरान चालू किए गए थे.

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के प्रस्ताव पर शुरू हुआ काम : प्रत्येक जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के प्रस्ताव पर, बोकारो जिला प्रशासन ने तेनुघाट बांध क्षेत्र को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया है. तेनुघाट बांध झारखंड सरकार द्वारा नियंत्रित है, जबकि पंचेत, मैथन, कोनार और तिलैया डीवीसी (दामोदर घाटी निगम) द्वारा नियंत्रित है. तेनुघाट डैम 6 किलोमीटर लंबा, 55 मीटर ऊंचा मिट्टी से भरा तटबंध है, जो बोकारो स्टील प्लांट और बोकारो इंडस्ट्रियल एरिया को पानी की आपूर्ति के लिए बनाया गया था.

224 क्यूसेक किया जाता है जल संचय : तेनुघाट डैम के जलाशय की गहराई 180 फीट और परिधि 16000 फीट है, जिसमें 224 क्यूसेक जल संचय एकसाथ किया जाता है. इस डैम का निर्माण बोकारो स्टील प्लांट और बोकारो शहर में जलापूर्ति के लिए किया गया था. वहीं, ललपनिया में तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन की स्थापना की गई, तो तेनु डैम का पानी विद्युत उत्पादन में सहायक सिद्ध हो रहा है.

क्लासिफाइड

लोहरदगा जिला के कुडू प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सलगी बाजार टांड़ के बगल पर दुर्गा बांध के समीप वर्षों से क्षेत्र की जनता की सहुलियत हेतु मोदी सीमेंट हाउस क्षेत्र की जनता को बेहतर सेवा दे रहे हैं। मोदी सीमेंट हाउस पर लोगों को उचित मूल्यों पर छड़, सीमेंट, पेंटिंग आदि सामग्रियों की उपलब्धता की गई है। सलगी पंचायत क्षेत्र के ग्राहक बेहतर क्वालिटी की सामग्रियों की खरीदारी कर समय और पैसा दोनों की बचत कर सकते हैं।
सेल्समैन
मोदी सीमेंट हाउस
सलगी बाजार टांड़, दुर्गा बांध, सलगी कुडू प्रखंड, लोहरदगा
संपर्क : 7992376863, 8340474667

ASMA Charitable Trust
Regd by Govt. Of Jharkhand
CERTIFICATE OF COMPLETION
Free DEMO 2 days
DANCE CLASSES
Enroll Now!
9334621159 / 6207234659
www.asma.org.in
4th Floor, Suman Tower, Above ICICI BANK, Near Shere Punjab chowk, Adityapur-1, Jamshedpur

- 22 वर्षों से लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन - झारखंड का प्रतिष्ठित संस्थान
14th JPSC PT & Mains
Foundation Batch in our Hazaribag Branch
Office Class (Hazaribag Branch)
Under Guidance of Pawan Jha
Mentor : Mr. Harsh Vardhan (Administrator, Jhumritilaiya Municipal Council)
Fee PT.-Rs. 1000/- Mains - Rs. 21000/- Time - 8 am
Mob - 9608711477 www.vijaystudycircle.com
Head Office : Shanti Bhawan, Albert Ekka Chowk, Ranchi
Branch Office : Bhawani Plaza, S.P. Rana Enclave 1st Floor, West of Banshi Lal Chowk Malviya Marg, Hazaribag-825301

TULSI PUBLIC SCHOOL
A Unit of Public Charitable Trust "LOKCHETNA"
ADMISSIONS OPEN
CLASS Nursery to V
CBSE PATTERN
CREATE THE BEST FUTURE YOUR CHILD

BAHARAGORA, NEAR : R.V.I.School
OXYRIVER Aqua
With Minerals
Swapan Kumar Paul Mob. : 70918 66623

PLEASE SEND YOUR RESUME FOR AN INDUSTRIAL AUTOMATION ORGANISATION, MOSTLY ENGAGED WITH PRESTIGIOUS PROJECTS IN
TATA STEEL, UCIL, ISRO, BARC ETC.
1. MARKETTING MANAGER : SALARY 2.4 LAKHS PA, ITI, DEE, BEE FOR JAMSHEDPUR, SALES PLC SCADA HMI KNOWLEDGE, experience 2 years
2. OFFICE ASSISTANT : SALARY 2.4 LAKHS PA, Graduate with 5 Years Work Experiance Computer Proficient, Knowledge About Tender and TATA STEEL PROCUREMENT
MAIL CV : pradeep_wk@yahoo.com

Anne Children Clinic
The Complete Shishu Care
Dr. Aman Urwar
M.B.B.S, D.C.H., P.G.P.N.
Child & Newborn Specialist
Sr. Cosultant
Aaash CHILDREN HOSPITAL (A Unit of ANHRC)

फाहिमा अकादमी एफीलिएटेड स्कूल
नामांकन जारी....
फैसिलिटी
निवेदक
मोहम्मद अली
स्कूल डायरेक्टर

जेडी स्कूल बड़कागांव रोड हजारीबाग
योग शिक्षक...
आधुनिक सुविधा ...
बेहतरीन शिक्षा की गारंटी....
निवेदक विनोद भगत
संपर्क करें 9835755523

GYAN JYOTI COLLEGE OF PHARMACY, PARAMEDICAL & NURSING
Paramedical
- B.Sc MLT
- DMLT
- OT Assistant
- X-Ray Technician
- Dresser
PHARMACY
NURSING ANM GNM
Add- Near PWD Chowk, Hazaribag, Jharkhand, India
9431505777, 7870145555, 8789274448
APPLY NOW!

तापमान
28.8° अधिकतम | 23.2° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 10

www.lagatar.in रांची, बुधवार 07 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 03 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 120 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

कैबिनेट की बैठक आज निर्णयों पर लगेगी मुहर

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक बुधवार शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी. इसमें पथ, निर्माण, कृषि, गृह कारा, ऊर्जा सहित अन्य विभागों के प्रस्तावों को हरी झंडी मिल सकती है. यह जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय ने दी.

खेत में करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत

रांची/पलामू। पांकी प्रखंड के हुरलौंग गांव में मंगलवार की सुबह करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत हो गयी. मृतक की पहचान गांव के ही नागेंद्र राम (55) और उनके पुत्र पिंटू चंद्रवंशी (30) के रूप में हुई है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि पिता-पुत्र दोनों सुबह करीब सात बजे बाप-बेटे खेत में सुबह-सुबह पटवन करने गये थे. खेत में तार टूटकर गिरा था, जिसके संपर्क में आने से दोनों गंभीर रूप से झुलस गये. ग्रामीणों की मदद से परिजनों ने दोनों को पांकी सीएचसी पहुंचाया, जहां से चिकित्सकों ने उन्हें मेदनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया. वहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गयी.

झारखंड के 10 जिलों में सड़क दुर्घटनाएं बढ़ीं

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय में मंगलवार को एडीजी अभियान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सड़क सुरक्षा की समीक्षा की. बैठक में जिलों के एसएसपी, एसपी, रेंज के डीआईजी और जोनल आईजी शामिल हुए. इस दौरान यह बात सामने आयी कि रांची, गुमला, खूंटी, चाईबासा, जमशेदपुर, गढ़वा, रामगढ़, पाकुड़, जामताड़ा और चतरा में सड़क दुर्घटना के मामलों में वृद्धि हुई है. इसे लेकर संबंधित जिलों के एसएसपी व एसपी के साथ चर्चा की गयी. कहा गया कि नशे में और बिना हेलमेट व बिना सीट बेल्ट के वाहन चलाना सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं. इस पर लगाम लगाएं.

आज और कल भारी बारिश का अनुमान

रांची। झारखंड के कुछ हिस्सों में अगले दो दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उसने बताया कि पूर्वी राज्य झारखंड के कई स्थानों पर सुबह से रुक-रुक कर बारिश हो रही है. रांची मौसम विज्ञान केंद्र के प्रभारी अभिषेक आनंद ने बताया कि मॉनसून के कारण मंगलवार और बुधवार को झारखंड के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है. उन्होंने कहा, पिछले हफ्ते की बारिश ने राज्य में सालाना होने वाली बारिश की कमी को घटा कर 19 फीसदी कर दिया है. धनबाद और रांची में क्रमशः पांच प्रतिशत और एक प्रतिशत की अधिशेष वर्षा दर्ज की गई. उन्होंने बताया कि तीन जिलों में अभी भी सामान्य से 40 फीसदी कम बारिश हुई है, जबकि पाकुड़ में सबसे कम 48 फीसदी बारिश दर्ज की गई है.

ट्रैफिक पुलिस भी इंसान हैं, उनके लिए पोस्ट पर करें समुचित व्यवस्था : हाईकोर्ट

संवाददाता। रांची

- ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई हुई
- अदालत ने ट्रैफिक एसपी को निर्देश दिया- जाम न लगे, इसे सुनिश्चित करें

रांची में ऑटो चालकों के लिए नियम बनाने और ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान रांची के ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली अदालत के समक्ष उपस्थित हुए. अदालत ने उन्हें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि शहर के अवैध ऑटो और ई-रिक्शा का परिचालन न हो. साथ ही अदालत ने ट्रैफिक एसपी को मौखिक रूप से कहा कि यातायात व्यवस्था संभालने में लगे जवान भी इंसान हैं, इसलिए उन्हें ट्रैफिक पोस्ट पर समुचित व्यवस्था दें. धूप और बरसात में ट्रैफिक कर्मी यातायात व्यवस्था संभालते हैं, लेकिन उनके लिए कोई व्यवस्था नहीं रहती. ट्रैफिक एसपी नेसुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए किये जा रहे कार्यों की जानकारी भी कोर्ट को दी. इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि शहर में यातायात व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है. इसे सुधारने की जरुरत है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई.

बेहतर ट्रैफिक व नियमों का पालन कराने के लिए स्पेशल क्यूआरटी तैनात

रांची। राजधानी में ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर बनाने और ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए स्पेशल क्विक रिस्पांस (एसक्यूआरटी) टीम तैनात की गई है. मंगलवार को सीसीआर से डीआईजी अनूप बिरथरे और एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने स्पेशल क्विक रिस्पांस टीम को ऑन किया. डीआईजी और एसएसपी ने स्पेशल क्विक रिस्पांस टीम को हरी झंडी दिखाकर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए रवाना किया. बाइक सवार ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को दिनभर भ्रमणशील रहते हुए रांची की ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है. 10 बाइक की एक स्पेशल टीम बनाई गई है.

ट्रैफिक क्विक रिस्पांस टीम के जवानों को निर्देश देते डीआईजी अनूप बिरथरे.

रांची डीआईजी अनूप बिरथरे ने कहा कि डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर 10 बाइक ट्रैफिक जवानों की एक स्पेशल टीम बनाई गई है. डीजीपी के आदेश पर रांची एसएसपी ने टीम गठित की है, जिसे स्पेशल क्विक रिस्पांस टीम का नाम दिया गया है. इसके लिए 20 पुलिस कर्मियों को चयनित किया गया है. चयनित पुलिस कर्मियों को वायरलेस और सायरन युक्त 10 बाइक दी गई है. एक बाइक पर दो पुलिसकर्मी बैठ कर ट्रैफिक नियंत्रण करेंगे. डीआईजी के अनुसार, शहर में यदि कहीं भी बहुत ज्यादा जाम की स्थिति होगी, तो वहां तुरंत स्पेशल टीम कूच करेगी और जाम हटाने का काम करेगी. क्विक रिस्पांस टीम पूरे शहर में घूम-घूम कर जहां-तहां अपने वाहन पार्क करने वाले लोगों पर कार्रवाई करेगी.

गुस्साए परिजनों ने देर शाम सैमफोर्ड अस्पताल के पास सड़क जाम की

कोकर चौक के पास अनियंत्रित क्रेन ने दो बच्चों को रौंदा, एक की मौत

संवाददाता। रांची

सदर थाना क्षेत्र के कोकर चौक से आगे सैमफोर्ड अस्पताल के पास सड़क दुर्घटना में घायल किशोर अजीत (16) की देर शाम इलाज के दौरान मौत हो गयी. अजीत की मौत की सूचना जैसे ही उसके परिवार के सदस्यों व आसपास के लोगों को मिली, तो गुस्साए लोग सैमफोर्ड अस्पताल के सामने सड़क पर जाम हंगामा करने लगे.

सड़क पर हंगामे के वजह से दोनों ओर लंबा जाम लग गया. जाम की सूचना पाकर पहुंची सदर थाना पुलिस ने जाम कर रहे लोगों को समजा-बुझा कर हटाने की कोशिश की, लेकिन लोग मानने को तैयार नहीं थे. फिर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर लोगों को हटा दिया और जाम हटवाने में जुट गयी.जाम की वजह से दोनों तरफ सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गयी थी. आने जाने वाले लोग काफी देर तक जाम में फंसे रहे.

अजीत (फाइल फोटो).

सड़क हादसे में घायल किशोर की मौत के बाद सड़क जाम करते आदर्श नगर के लोग.

अनियंत्रित क्रेन बिजली पोल से टकराया, दो बच्चे भी चपेट में आये

कोकर चौक और सैमफोर्ड हॉस्पिटल के बीच दोपहर करीब लगभग 12 बजे एक क्रेन बिजली के पोल से टकरा गया. टक्कर इतनी जोरदार थी कि आसपास के लोग सहम गये. क्रेन जहां पोल से टकराया, वहीं पास के दुकान के बाहर किनारे पर बैठे दो किशोर घायल हो गये. हादसे में घाटल अजीत को उसकी मां सुलोचना और अन्य परिजन पहले निरामया अस्पताल ले गये. वहां से उसे केसी राय अस्पताल, फिर सेवा सदन ले जाया गया. वहां डॉक्टरों ने सीटी स्कैन करने के बाद उसे वापस घर भेज दिया, लेकिन उसकी उल्टियां बंद नहीं हो रही थीं. शाम को उसे सैमफोर्ड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी. अजीत की मौत के बाद कोकर आदर्श नगर के लोग रोड जाम कर मुआवजे की मांग कर रहे थे. बता दें कि अजीत अपने चार-भाई बहनों में तीसरे नंबर पर था. घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

ट्रैफिक पुलिस पर पैसे लेकर नो-एंट्री में गाड़ियां पार कराने का आरोप

सड़क जाम कर रहे लोगों का आरोप था कि कोकर चौक पर तैनात ट्रैफिक पुलिस नो एंट्री के वक्त भी पैसे लेकर भारी वाहनों को पार कराते हैं, जिससे अक्सर जाम लगता और हादसे होते हैं. मंगलवार दोपहर भी क्रेन को पार होने दिया गया और जल्दबाजी के चक्कर में क्रेन चालक कोकर चौक से पार कर आगे बढ़ने के क्रम में संतुलन को बैठा और क्रेन बिजली खंभे से जा टकरायी. बिजली खंभे के पास ही डेढ़फुटा दुकान के सामने पंक्चर बनानेवाले के पास अजीत और उसका एक साथी बैठा था. क्रन ने उन दोनों को भी चपेट में ले लिया.

शहर में समय पर काम पूरा नहीं करने वाली एजेंसियों पर होगी कार्रवाई

ढिलाई व देरी बर्दाश्त नहीं : हफीजुल

प्रमुख संवाददाता। रांची

- नगर विकास मंत्री बोले- विभाग एवं जुडको के पूर्ण के बाद भी योजनाओं के पूरा होने में देरी बेमानी लगती है

नगर विकास मंत्री हफीजुल हसन ने कहा है कि नगरों के विकास से संबंधित चल रही परियोजनाओं मे ढिलाई और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. जो संवेदक या एजेंसियां काम करने में कोताही बरतेंगी, उनके खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी. मंत्री ने मंगलवार को जुडको के सभागार में जुडको एवं विभाग द्वारा क्रियान्वित करायी जा रही योजनाओं की समीक्षा के दौरान उक्त बातें कहीं. उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के पूरा करने में विभाग एवं जुडको का पूरा सहयोग कर रहा है, फिर भी योजनाओं के पूरा होने में देरी बेमानी लगती है. सभी एजेंसी काम मे तेजी लायें. काम में जमीन के अधिग्रहण, दूसरे विभागों की एनओसी या कोई अन्य अड़चन आ रही हो, तो बेझिझक उनसे अथवा विभागीय सचिव को बताएं. समस्या हर हाल में दूर होगी.

सभी निकाय सफाई पर विशेष ध्यान दें : मंत्री ने भरोसा दिलाया कि नगरों के विकास एवं आमजन के लिए बुनियादी सुविधाएं देने के लिए हर वाजिब प्रयास किया जाएगा. विभाग एवं जुडको के अधिकारी इस कार्य मे सहयोग करें. नगर निगम सहित सभी निकाय सफाई पर विशेष ध्यान दें. जल जमाव का स्थाई समाधान किया जाए.

इस माह के अंत तक कांटा टोली फ्लाइओवर का होगा उद्घाटनः अरवा राजकमल

नगर विकास सचिव अरवा राजकमल ने कहा कि जो भी परियोजनाएं 90 प्रतिशत पूरी होकर संचालित होने लायक हो गयीं है, उनके पूरी होने के इंतजार करने के बजाय उद्घाटन करा कर योजनाओं का लाभ लोगों को दिया जाए. सचिव ने कहा कि कांटाटोली फ्लाईओवर हर हर हाल में इस माह के अंत तक उद्घाटन कर परिवहन के लिए खोल दिया जाए. सुकरहुटू स्थित ट्रांसपोर्ट नगर और रवींद्र भवन का काम भी एक माह के भीतर पूरा कर उद्घाटन कराया जाए.

अलर्ट : अगले तीन दिन ऑनलाइन बिजली बिल जमा नहीं करें उपभोक्ता

रांची। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) ने तकनीकी वजहों से राज्य के शहरी क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं से अगले तीन दिन बिजली बिल का भुगतान आनलाइन नहीं करने की अपील की है. बिजली निगम के अधिकारियों ने बताया कि बिलिंग सिस्टम एचसीएल से फ्लूएंट ग्रिड में शिफ्ट करने का कार्य किया जा रहा है. इसमें तीन दिनों का समय लगेगा. इस कारण राज्य के शहरी क्षेत्र के बिजली उपभोक्ता अगले तीन दिन यानी सात, आठ और नौ अगस्त को बिजली बिल का ऑनलाइन भुगतान नहीं करें.

आजीवन जेल की सजा काट रहे 30 और कैदियों की होगी रिहाई

विशेष संवाददाता। रांची

- दूसरे दिन भी सीएम हेमंत ने की सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक
- 67 मामलों पर विचार, रिहा होने वाले कैदियों की संख्या अब 69

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लगातार दूसरे दिन झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक की. इस क्रम में उन 67 कैदियों के रिहाई से संबंधित मामलों पर पुनः विचार किया गया, जिन्हें झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की पिछली दो बैठकों में अस्वीकृत किया गया था.

मुख्यमंत्री ने न्यायालयों, संबंधित जिलों के एसपी, जेल अधीक्षक व प्रोबेशन पदाधिकारी के मंतव्य पर अधिकारियों के साथ बिंदुवार विचार-विमर्श के उपरांत 30 कैदियों को रिहा करने पर स्वीकृति दी. बताते चलें कि सोमवार को भी पर्षद की बैठक में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 39 कैदियों को रिहा करने पर सहमति बनी थी. इस प्रकार कुल 69 कैदी रिहा किए जाएंगे. बैठक में सीएम के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विधि परामर्शी नलिन कुमार, प्रधान सचिव वंदना दादेल समेत अन्य अधिकारी शामिल थे.

पुलिस ने शुरू की सेना के कब्जे वाली जमीन से जुड़े केस की जांच

अफसर अली से जेल में होगी पूछताछ

संवाददाता। रांची

- पुलिस ने पूछताछ के लिए दो दिनों की रिमांड देने का कोर्ट से आग्रह किया था
- फर्जी डीड बनाने के मास्टरमाइंड मो सद्दाम का सहयोगी है अफसर अली

रांची पुलिस ने भी लैंड स्कैम केस की जांच शुरू कर दी है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम के आरोपी जेल में बंद अफसर अली को रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया है. रांची पुलिस ने अफसर अली को उस केस में गिरफ्तार किया है, जो सेना की कब्जे वाली भूमि की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री से जुड़ा हुआ है. इस संबंध में बरियातू थाना में प्राथमिकी दर्ज है. अफसर अली की गिरफ़्तारी के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ के लिए कोर्ट से दो दिनों की रिमांड देने का आग्रह किया, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है. कोर्ट के आदेश के बाद रांची पुलिस अब अफसर अली से जेल में पूछताछ करेगी.

अफसर अली फर्जी डीड बनाने के मास्टरमाइंड मो सद्दाम का सहयोगी है. ईडी ने पिछले वर्ष जब अफसर अली के ठिकाने पर छापेमारी की थी तब वहां से कई दस्तावेज और डीड भी बरामद हुए थे. ईडी भी उससे पूछताछ कर चुकी है.

दरअसल, रांची नगर निगम के कर संग्रहकर्ता दिलीप शर्मा ने नगर आयुक्त के आदेश पर प्रदीप बागची के विरुद्ध जालसाजी के मामले में प्राथमिकी दर्ज करायी थी. उन्होंने आरोप लगाया था कि बागची ने फर्जी आधार कार्ड, फर्जी बिजली बिल, फर्जी पोजेशन लेटर दिखा कर दो-दो होल्डिंग ले लिया था. आयुक्त की जांच में सेना के कब्जे वाले जमीन के असली रैयत जयंत कर्नाड मिले थे.

मंईयां योजना को लेकर सीएम हेमंत सोरेन ने फिर की बैठक, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

मेरी बहनों को कोई दिक्कत न हो, रखें ध्यान

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री मंईयां महिला सम्मान योजना को लेकर सीएम हेमंत सोरन रेस हो गए हैं. दूसरे दिन मंगलवार को भी उन्होंने इसमें आ रही तकनीकी समस्याओं को लेकर अफसरों के साथ बैठक की.

उन्होंने सभी जिम्मेवार वरीय अफसरों के साथ बातचीत कर आ रही तकनीकी समस्याओं को तुरंत दूर करने का निर्देश दिया. सीएम ने लाभ लेने में दीदी-बहनों को आ रही कठनाइयों को अतिशीघ्र दूर करने का निर्देश दिया.

गिरिडीह की तेलोडीह पंचायत में जांच करने पहुंची कल्पना सोरेन.

सीएम ने कई बिंदुओं पर जानकारी भी ली. उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी जरूरतमंद दीदी-बहनों को लाभ लेने में किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े तथा विभाग इसके लिए शीघ्र कार्रवाई करे.

कल्पना पहुंची गिरिडीह, शिविर का किया निरीक्षण, किया संवाद : इधर अपने दो दिनी दौरे पर गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन गिरिडीह पहुंची हैं. वे तेलोडीह पंचायत सचिवालय में चल रहे मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना के शिविर में अचानक पहुंच गयीं. कल्पना ने शिविर में आ रही सर्वर की समस्या के बारे में जानकारी ली और सीएससी के ऑपरेटरों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए. शिविर में आईं कई महिलाओं से उन्होंने कहा कि चिंतित होने की कोई बात नहीं है. - शेष पेज 07 पर

सम्मान प. सिंहभूम के मोहन सिंह बारी और दुशासन सिंह ने राष्ट्रीय फलक पर बनाई पहचान

स्वतंत्रता दिवस समारोह में जाएंगे शिक्षाविद व किसान

प्रमुख संवाददाता। रांची

- **दुशासन सिंह** ने ड्रॉप आउट बच्चों को मुख्यधारा में लाया
- **मोहन सिंह** ने बागवानी के जरिये ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया

15 अगस्त को दिल्ली में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में झारखंड के एक शिक्षाविद और एक किसान भी हिस्सा लेंगे. दोनों ने कड़ी मेहनत से राष्ट्रीय फलक पर अपनी पहचान बनाई है. दोनों पश्चिम सिंहभूम जिला के रहने वाले हैं. पश्चिम सिंहभूम के टोंटो के मोहन सिंह बारी प्रगतिशील किसान हैं. उन्होंने बागवानी के जरिये ग्रामीणों को काफी प्रोत्साहित किया है. वहीं गुदड़ी के रहने वाले दुशासन सिंह ने स्कूल से ड्रॉप आउट बच्चों को फिर से मुख्यधारा में लाने का काम किया है. इस मेहनत के कारण उन्होंने स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में हिस्सा लेने का निमंत्रण मिला है.

दुशासन सिंह ने क्या-क्या काम किये हैं

ड्रॉपआउट रेट को कम करने के लिए स्कूल छोड़ चुके बच्चों का नामांकन कराया.

ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावकों को भी बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक किया.

ड्रॉपआउट बच्चों के परिजनों को घर-घर जा कर समझाया, पढ़ाई का महत्व बताया.

अब तक 50 से अधिक ड्रॉपआउट बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में ला चुके हैं.

20-20 किलोमीटर दूर से आने वाले बच्चों का भी विद्यालय में नामांकन कराया है

मोहन सिंह बारी ने क्या क्या काम किए हैं

आम की बागवानी और सेब की खेती कर अपनी पहचान बनाई.

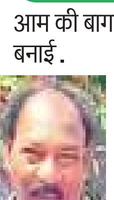

मनरेगा योजना का उपयोग कर आम की बागवानी का सपना साकार किया.

मनरेगा योजना से 2021-22 में लगभग 125 आम के पौधे लगाये गये थे.

काफी मेहनत कर पौधों को सींचा और वर्तमान में सभी पौधे जीवित हैं.

योजना विकास विभाग ने मांगा था नाम

जिले के डीडीसी संदीप कुमार मीणा ने बताया कि 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित समारोह के लिए विशेष अतिथि के रूप में जिले के आकांक्षी प्रखंड से दो लोगों को नामित करने के लिए झारखंड सरकार के योजना एवं विकास विभाग की ओर से नाम मांगा गया था. इसी के आलोक में मोहन सिंह बारी और दुशासन सिंह को नामित किया गया है.

कृषि योजनाओं की जमीनी हकीकत से रू-ब-रू होंगे राज्य के ब्यूरोक्रेट्स

प्रमुख संवाददाता। रांची

- सभी जिलों में गठित होगा अनुश्रवण दल, होगी मॉनिटिरिंग
- दो महीने में कम से कम एक बार आबंटित जिलों का भ्रमण
- अफसरों की फील्ड भ्रमण रिपोर्ट के आधार पर होगी समीक्षा

अब राज्य सरकार ने कृषि योजनाओं की जमीनी हकीकत को जानने की जिम्मेवारी आईएएस अफसरों को सौंपी है. ये अफसर योजनाओं की मॉनिटिरिंग करेंगे. साथ ही साथ योजनाओं के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच का आकलन भी करेंगे. अफसरों द्वारा फील्ड भ्रमण की रिपोर्ट के आधार पर समीक्षा के बाद विभागीय स्तर पर आगे की कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी. क्षेत्र भ्रमण के क्रम में अधिक से अधिक योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया जाएगा. टीम में शामिल अफसरों को दो महीने में कम से कम एक बार आवंटित जिले का भ्रमण करना होगा.

किस अफसर को किस जिले की जिम्मेदारी मिली

लातेहार, पलामू व गढ़वा : रविरंजन कुमार और सावन कुमार

बोकारो व धनबाद : सूरज कुमार (निबंधक, सहयोग समितियां) और आशुतोष कुमार

खूंटी व सिमडेगा : किरण पासी, अशोक कुमार सिन्हा

गुमला व लोहरदगा : फैज अक अहमद और राजेश कुमार ठाकुर

हजारीबाग, चतरा और रामगढ़ : डॉ कुमार ताराचंद और मनोज कुमार तिवारी

पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां : गोपालजी तिवारी और विकास कुमार (निदेशक, समिति)

दुमका व जामताड़ा : शाहनवाज अख्तर और अजेश्वर प्रसाद सिंह

गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ : प्रदीप कुमार हजारी

रांची व देवघर : एजाज अनवर और जयप्रकाश वर्मा

मोरहाबादी मैदान
36 दिन : टेंट-तंबू में डटे हैं 2300 सहायक पुलिसकर्मी

राज्य सरकार से है उम्मीद

अपनी मांगों को लेकर रांची के मोरहाबादी मैदान में लगातार बारिश और धूप के बीच में सहायक पुलिसकर्मी डटे हुए हैं. कई महिला सहायक पुलिसकर्मी अपने मासूम बच्चों के साथ इस आंदोलन में शामिल हैं. कुछ बीमार पड़े हैं, फिर भी डट कर खड़े हैं. 24 जुलाई को सरकार के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में 30 प्रतिशत वेतन वृद्धि, एक साल का सेवा विस्तार और वर्दी भत्ता देने पर सहमति बनी थी. इसे कैबिनेट से स्वीकृति मिलनी बाकी है. कैबिनेट से स्वीकृति दिलाने की गुहार लगा रहे हैं. सहायक पुलिसकर्मियों को उम्मीद है कि बुधवार को होनेवाली कैबिनेट की बैठक में उनकी मांगों पर जरूर विचार होगा. उनके समर्थन में जरूर कुछ न कुछ निर्णय आएगा. गौरतलब है कि सहायक पुलिसकर्मियों के आंदोलन का 36वां दिन है. फोटो : रमीज

शहर में आज

1. कैबिनेट की बैठक, प्रोजेक्ट भवन में संध्या 4 बजे
2 प्रदेश कांग्रेस की बैठक, कांग्रेस भवन में दिन के 11 बजे

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

केस फाइलिंग नियम पर फैसला सुरक्षित

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में केस फाइल करने के नये नियम पर मंगलवार को पूर्ण पीठ ने सुनवाई की. इस केस से जुड़े सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है. हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद, जस्टिस राजेश शंकर और जस्टिस अरुण कुमार राय की बेंच ने मामले की सुनवाई की. पूर्व में सुनवाई करते हुए अदालत ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया, झारखंड हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन और रजिस्ट्रार जनरल को प्रतिवादी बनाया था.

संगठनों ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा

रांची । जय झारखंड अभियान के बैनर तले सामाजिक संगठनों ने उपायुक्त के नाम प्रशासी अधिकारी रवि भूषण दुबे को ज्ञापन सौंपा. सरकारी आदेश के अनुसार अंचल अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में प्रति वर्ष 120 दिन राजस्व ग्रामों का दौरा करना है और बैठकों के दौरान आये मामलों को विलेज नोट बुक में दर्ज करने का प्रावधान है. आम नागरिकों की शिकायतों को विलेज नोटबुक में दर्ज कर समस्या का समाधान अंचलाधिकारी अपने कार्य क्षेत्र में करेंगे.

प्रतिभा की धनी थी सुषमा स्वराज: कर्मवीर

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को पूर्व विदेश मंत्री स्व. सुषमा स्वराज की पुण्य तिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई. श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि स्व. सुषमा स्वराज जी अद्वितीय प्रतिभा की धनी थीं. पार्टी में कार्य करने वाली बहनों के लिए वे प्रेरणा स्रोत हैं. सुषमा जी को ईश्वर ने बहुमुखी प्रतिभा से संपन्न बनाया था. वे कुशल वक्ता, कुशल संगठन कर्ता, राजनेता रहीं. भारत की विदेश मंत्री के रूप में उन्होंने अपनी नई पहचान बनाई थी. श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद,पंकज सिन्हा, मनोज दुबे शामिल रहे.

अल्पसंख्यक कल्याण सम्मेलन कल

रांची। मदरसा जामिया अरबिया कासिमूल उलूम बेयासी में आठ अगस्त को अल्पसंख्यक कल्याण सम्मेलन सह बेगम हजरत महल सिलाई कढ़ाई सेंटर का उद्घाटन किया जायेगा. मदरसा के प्राचार्य मौलाना डॉ. मोशर्रफ आलम कासमी ने कहा कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव, विशिष्ठ अतिथि महासचिव मुमताज अली शामिल होंगे.

सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ निदेशक पर्षद की बैठक में बोले सीएम

वनोपज व कृषि उत्पादन को बढ़ावा दें

विशेष संवाददाता। रांची

वनोपज एवं कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए समुचित कदम उठाएं जाने चाहिए. वनोपज से जुड़े ज्यादा से ज्यादा किसानों को जोड़ें. इनके उत्पादन से संबंधित जानकारी और प्रशिक्षण दें. लाह तथा रेशम -तसर की खेती की झारखंड में काफी संभावनाएं हैं. ऐसे में इसके उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में पहल करें. उक्त निर्देश सीएम सोरेन ने मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड के निदेशक पर्षद की तृतीय बैठक के दौरान दी.

मुख्यमंत्री ने राज्यभर में स्थित सभी लैम्प्स -पैक्स को पूरी तरह क्रियाशील करने का निर्देश अधिकारियों को दिया. उन्होंने कहा कि लैम्प्स व पैक्स से छूटे हुए सभी किसानों को जोड़ें और लैम्प्स- पैक्स भवनों की मरम्मत के साथ उसके उचित रखरखाव और बेहतर प्रबंधन की पुख्ता व्यवस्था हो. बैठक में कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, कृषि सचिव अबु बकर सिद्दीक, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग सचिव कृपानंद झा, सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ के निदेशक उमाशंकर सिंह आदि अधिकारी उपस्थित थे.

बैठक को सबोधित करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन.

झारखंड के कृषि एवं वनोपज उत्पादों का वैल्यू एडिशन के साथ जियो टैगिंग हो : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में लाह, इमली, कोदो, कुटकी, सरगुजा, चिरौंजी, आंवला, महुआ, करंज, रेशम और तसर जैसे कई वनोपज हैं, जिसकी उपयोगिता और बाजार में काफी ज्यादा मांग है. लेकिन इसके उत्पादकों को इसका उचित फायदा नही मिल रहा है. झारखंड के इन विशेष उत्पादों का वैल्यू एडिशन के साथ जियो टैगिंग करने की दिशा में कदम उठाएं. इससे इन विशिष्ट उत्पादों को वैश्विक बाजार में भी अलग पहचान मिलेगी.

वैकल्पिक कृषि के लिए किसानों को प्रशिक्षित करें : मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को वैकल्पिक कृषि के लिए भी तैयार रहना होगा. कृषक पाठशाला एक महत्वपूर्ण योजना है. इसमें किसानों को वैकल्पिक खेती का प्रशिक्षण दें. इसके लिए उन्हें संसाधन भी उपलब्ध कराने की पहल करें ताकि वे कृषि कार्य से जुड़कर अपने को मजबूत बनाए रख सकें.

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंदू पत्ता वनोपज को भी सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ के दायरे में लाने की संभावनाएं तलाशें.

सहकारिता प्रशिक्षण केंद्र फुदी को प्रोफेशनल तरीके से चलाएं: मुख्यमंत्री ने कहा की फुदी स्थित नवनिर्मित सहकारिता प्रशिक्षण केंद्र को प्रोफेशनल तरीके से चलाया जाए. यदि आवश्यक हो तो राष्ट्रीय सहकारी संघ अथवा राष्ट्रीय प्रशिक्षण सहकारी परिषद् से एमओयू कर वहां प्रोफेशनल /वोकेशनल कोर्सेज करवाया जाए. पीपीपी मोड में भी चलने की संभावना तलाशी जाएं. मधु संग्राहकों को उचित प्रशिक्षण दिया जाए. उनका समूह बना कर सिध्कोफेड से जोड़ा जाए एवं उनके मधु को वैश्विक बाजार उपलब्ध करने के लिए अमूल, सफोला, हिमालय जैसी बड़ी कंपनियों / संस्थाओं से एमओयू किया जाए ताकि मधु संग्राहकों को उचित मूल्य मिल सके एवं लोगों को उच्च गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्यवर्धक मधु उपलब्ध हो सके.

सीएम ने विश्व आदिवासी दिवस मुख्य समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान रांची में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की तैयारियों की समीक्षा की. समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 9 एवं 10 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड आदिवासी महोत्सव गरिमा और भव्यता के साथ मनाया जाए. महोत्सव में पहुंचने वाले सभी आगंतुकों के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए. सांस्कृतिक समारोह स्थल में आगंतुकों के बैठने की पूरी व्यवस्था हो. साज-सज्जा तथा भव्यता में कोई कमी न रहे. इस के लिए पूरी तैयारी बेहतर प्लानिंग के साथ करें. बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव कृपानंद झा, राज्य के आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा एवं उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

ख्याति प्राप्त के साथ नए कलाकारों को भी मौका मिले

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि समारोह के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में झारखंड की समृद्ध कला, संस्कृति को प्राथमिकता के तौर पर शामिल करें. अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यक्रम की भव्यता झारखंड के कला-संस्कृति पर केंद्रित हो यह सुनिश्चित की जाए. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आयोजन के दौरान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान परिसर में लगे पेड़-पौधों को कोई नुकसान नहीं पहुंचे, इसका विशेष ध्यान रखें. मौके पर विभागीय अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि कार्यक्रम के दौरान समारोह स्थल पर लगे एक भी पेड़-पौधों को नुकसान न पहुंचे इस निमित्त पूरी तत्परता के साथ विशेष ध्यान रखा जा रहा है. समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्य समारोह में आयोजित कल्चरल प्रोग्राम में स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता के तौर पर मौका दें.

'एकेडमिक कैलेंडर का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करें विवि'

संवाददाता। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सभी कुलपतियों से कहा है कि विद्यार्थियों को हर हाल में गुणात्मक शिक्षा सुलभ हो. विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करें. एकेडमिक कैलेंडर का पूर्णतः पालन हो. विश्वविद्यालय छात्रहित में सदा सक्रियता से कार्य करें. शिक्षण संस्थानों में सर्वत्र ज्ञान का माहौल हो सभी अनुशासित होकर अपना कार्य करें.

वे मंगलवार को राजभवन में कुलपतियों से मुलाकात के दौरान बोल रहे थे. इस दौरान रांची विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ. सुनील चंद्र दुबे, झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ. डीके सिंह, झारखण्ड ओपेन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. टीएन साहु और सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ. गोपाल पाठक मौजूद थे. सभी ने अपने-अपने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व प्रशासनिक गतिविधियों से राज्यपाल को अवगत कराया. इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी भी उपस्थित थे.

'दिव्यांगों के विकास पर फोकस'

प्रमुख संवाददाता। रांची

उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंपाई सोरेन ने कहा है कि दिव्यांगजनों की सामान्य जीवन में समावेशी भागीदारी के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्प है. इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए दिव्यांगजनों के लिए राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना की परिकल्पना की गयी है. वह मंगलवार को होटल बीएनआर चाणक्या में आयोजित स्टेट लेवल कंसल्टेटिव वर्कशॉप को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे. कहा कि हमारी सोच यह है कि मनुष्य जीवन के लिए कुछ ऐसा करें, जो मिसाल बन सके. दिव्यांगजनों के लिए समावेशी विश्वविद्यालय एक ऐतिहासिक पहल है.

दिव्यांगजनों के लिए समावेशी वातावरण बनाना होगा

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राहुल पुरवार ने कहा कि समाज के विशेष वर्ग दिव्यांगजनों के लिए समावेशी वातावरण बनाना होगा. यह सिर्फ विभाग ही नहीं, हम सभी का दायित्व है. समावेशी दिव्यांग विश्वविद्यालय की परिकल्पना में भी यही तथ्य शामिल हैं. दिव्यांगों की क्षमता पहचान कर उनके विकास पर फोकस करना हमारा लक्ष्य है. दिव्यांगजनों की कुल 21 कैटेगरी है. उनकी कैटेगरी के अनुसार उनकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उनके लिए पाठ्यक्रम व क्लास डिजायन करना होगा.

शिक्षा मंत्री ने कहा कि मानव जीवन में सबके पास सब कुछ नहीं है. हमारे दिव्यांगजन भी उनमें शामिल हैं. उनके समावेशी विकास पर फोकस किये बिना संपूर्ण विकास की बात बेमानी होगी. सामान्य मानव जीवन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके, इसके लिए प्रयास जारी है. सरायकेला खारसावां के राजनगर प्रखंड में ओडिशा की सीमा पर स्थित एक गांव का जिक्र करते हुए बताया कि वहां के स्कूल के नेत्रहीन हेडमास्टर कैसे ग्रामीण बच्चों को शिक्षा देते थे. उनके ही कार्यों से प्रेरणा लेकर दिव्यांग विश्वविद्यालय की स्थापना की पहल की जा रही है.

राजनीति महिला सम्मान योजना के जरिए सरकार लूट, खसोट कर रही है : भाजपा प्रवक्ता

असफल योजनाओं की है एक लंबी फेहरिस्त : प्रतुल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि जो सरकार आज तक स्थानीय नीति एवं नियोजन नीति नहीं बन पाई ,1932 का खतियान लागू नहीं कर पाई, बेरोजगारों को 5000 एवं 7000 रुपए प्रति माह बेरोजगारी भत्ता नहीं दे पाई. ऐसी सरकार से उसकी राजनीतिक मृत्यु शैया पर किसी नई योजना के सफल कार्यान्वन की उम्मीद करना भी बेमानी है. इस सरकार के भ्रष्टाचार ने झारखंड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम किया. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल घूम आए. पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री

अभी जेल में हैं. मुख्यमंत्री के तमाम दरबारी जेल के भीतर हैं. राज्य में हाहाकार मचा है. विधि व्यवस्था चौपट हो गई है. इन सबसे ध्यान बांटने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बिना तैयारी के ''मइयां सम्मान योजना'' को ले आए. पहले ही चार दिनों में इस योजना के प्रति सरकार की मंशा की कलई खुल गई. अधिकांश जगह सर्वर डाउन है. बिचौलिये हावी हैं. फार्म जमा नहीं हो पा रहा है. यह स्पष्ट दिखा रहा है कि चुनाव को देख कर सरकार की गई हड़बड़ी ने बड़ी गड़बड़ियां करा दी.

महिला उत्पीड़न की घटनाओं ने रिकॉर्ड को तोड़ दिया

प्रतुल ने कहा कि इस सरकार में महिला उत्पीड़न की घटनाओं ने झारखंड के पहले 19 वर्षों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया. 5 वर्षों में लगभग 7000 बहू - बेटियों की इज्जत लूटी गई. सरकार ने आज तक श्वेत पत्र जारी करके यह नहीं बताया कि इसमें से कितने अभियुक्तों को फास्ट ट्रेक कोर्ट के जरिए सजा दिलाई गई. जानकारी के मुताबिक बहुसंख्य मामलों में तो चार्जशीट भी दाखिल नहीं हुई. यह सरकार लूट, खसोट में इतनी लीन रही कि उसने अपने निश्चय पत्र को भी पलट कर नहीं देखा. एक बार निश्चय पत्र को देखने से पता चल जाता है कि उसमें दी गई कोई भी घोषणा लागू नहीं हुई.

झामुमो को अब अपने वायदे भी याद नहीं : प्रतुल ने कहा कि सत्ता के नशे में चूर झारखंड मुक्ति मोर्चा को अब अपने निश्चय पत्र में किए गए वायदे भी याद नहीं है. झामुमो के प्रवक्ता ने स्पष्ट रूप से कहा कि उनके मेनिफेस्टो में चूल्हा भत्ता का कोई जिक्र नहीं है. जबकि उनके ''निश्चय पत्र'' के ''महिलाओं के अधिकार'' चैप्टर में स्पष्ट रूप से लिखा है कि महिलाओं को प्रतिमाह 2000 रुपए चूल्हा खर्च के रूप में मिलेगा. प्रतुल ने कहा कि यही इस सरकार और पार्टी की महिलाओं के प्रति असंवेदनशीलता को दिखाता है. अब अपनी विदाई की वेला में हेमंत सरकार सिर्फ अपनी असफलताओं से ध्यान हटाने के लिए रोज नई नौटंकियां कर रही है. जनता ने 5 साल का इनका असफल ट्रैक रिकॉर्ड देख लिया है. आगामी चुनाव में जनता झामुमो का सूपड़ा साफ कर देगी.

न्यूज अपडेट

सीएम से मिला सचिवालय सेवा संघ का प्रतिनिधिमंडल

रांची। झारखंड सचिवालय सेवा संघ का छह-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद के नेतृत्व में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की. प्रतिनिधिमंडल ने इस दौरान अपनी लंबित मांगों से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा. प्रतिनिधिमंडल ने सीएम को यह बताया गया कि उनके आदेश के बावजूद सचिवालय सेवा के उप सचिव एवं संयुक्त सचिव स्तर के पदों के सृजन का मुद्दा पिछले डेढ़ साल से लंबित है. साथ ही कार्मिक विभाग द्वारा निर्गत कालावधि संबंधी संकल्प के आलोक में ससमय सभी रिक्त पदों पर प्रोन्नति का मामला भी मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाया गया. मुख्यमंत्री ने संघ की सभी लंबित मांगों को पूरा कराने में सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया.

जेएससीए और डब्ल्यूसीए जमशेदपुर के बीच साझेदारी

रांची। झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) और डब्ल्यूसीए जमशेदपुर के बीच झारखंड में घरेलू महिला टी20 लीग आयोजित करने के लिए साझेदारी हुई. मंगलवार को हुई बैठक के बाद जानकारी दी गई की 5 सितंबर से 15 सितंबर 2024 तक रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में महिला टी 20 टूर्नामेंट का आयोजन किया जायेगा. एमओयू पर जेएससीए के उपाध्यक्ष और महिला टी20 आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र सिन्हा और डब्ल्यूसीए जमशेदपुर के प्रबंध निदेशक रमन कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए.

झारखंड महिला टी 20 क्रिकेट लीग का अयोजन 5 से

रांची। झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) और डब्ल्यूसीए जमशेदपुर के बीच झारखंड में घरेलू महिला टी 20 लीग आयोजित करने के लिए एमओयू हुई. मंगलवार को एमओयू के बाद जानकारी दी गई की 5 सितंबर से 15 सितंबर 2024 तक रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में महिला टी 20 टूर्नामेंट का आयोजन किया जायेगा. झारखंड की महिला खिलाड़ियों को स्थानीय प्रतिभा दिखाने और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए पांच टीमों में विभाजित किया जाएगा. टूर्नामेंट के दौरान कुल मिलाकर 13 मैच खेले जाएंगे.

ईंटों-गारों से नहीं, सेवा से होता है अस्पताल का निर्माण

रांची। रिम्स में मंगलवार को 'अस्पताल प्रबंधन और चुनौतियां : एक आधुनिक दृष्टिकोण' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. मुख्य वक्ता एसजीपीजीआई लखनऊ के अपर चिकित्सा अधीक्षक सह अस्पताल प्रबंधन के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) आर हर्षवर्धन ने कहा कि ईंटों और गारे से अस्पताल नहीं बनते. वहां के चिकित्सक एवं वहां की सेवाएं ही किसी अस्पताल का निर्माण करती हैं. डॉक्टरों के लिए ड्रेसकोड और एप्रन नहीं, बल्कि प्रतिबद्धता, समर्पण और जुनून होना चाहिए.

हड़बड़ी में गड़बड़ी करने से सरकार सावधान हो जाए

रांची। नेता प्रतिपक्ष ने सीएम हेमंत सोरेन पर एक बार फिर से निशाना साधा है. कहा है कि मुख्यमंत्री ने खुलेआम विधानसभा पटल पर यह झूठ बोला कि सारी परीक्षाएं तय समय पर होंगी, अब स्थिति स्वयं देखिए. उन्होंने परीक्षाओं की रिवाइज्ड शिड्यूल भी पोस्ट की है. ट्वीट में आगे लिखा है कि लगातार परीक्षाओं की तारीख बदली व बढ़ाई जा रही है. हड़बड़ी में गड़बड़ी करने से राज्य सरकार सावधान हो जाए. राज्य के युवाओं के भविष्य के साथ खेलना झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार को भारी पड़ेगा.

न्यूजीलैंड में नौकरी के दिलाने के नाम पर 1.66 करोड़ ठगे

रांची। न्यूजीलैंड में नौकरी के नाम पर 1.66 करोड़ रुपए की ठगी कर ली गई. इस मामले की जांच को लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता से शिकायत की गई है. यह शिकायत चाइल्ड राइट्स फॉउंडेशन के सचिव बैजनाथ कुमार के द्वारा मंगलवार को की गई है. शिकायत में कहा गया है कि गुमला जिला के बसिया का रहने वाला आवेदक विनेश कुमार साहु के माध्यम से पता चला कि डॉ. मीना एस० गोप इनको बताया कि न्यूजीलैंड ऑक्लैंड सिटी हॉस्पिटल में नौकरी लगा देंगी. मीना एस गोप के माता-पिता इनके ही गांव सोनमेर के रहने वाले हैं. जिसे ये बहुत दिनों से जानती है. जो अभी गोवा में रहते हैं.

पाठ्यपुस्तकों से संविधान की प्रस्तावना हटाना दुर्भाग्यपूर्ण

रांची। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग झारखंड प्रदेश के महासचिव शानुल हक ने कहा कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने इस वर्ष जारी कक्षा तीन व छह की कई पुस्तकों से संविधान की प्रस्तावना को हटा दिया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है. 2020 में एनडीए सरकार द्वारा नवीनतम राष्ट्रीय शिक्षा नीति की शुरुआत के बाद इसमें संशोधित कर रही है. इस वर्ष नये राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा को ध्यान में रखते हुए कक्षा तीन व छह के लिए नई पुस्तक जारी की गई है. जिसमें जानबूझकर संविधान की प्रस्तावना को हटाया गया है.

सीटू ने कर्मचारी संघ की हड़ताल का समर्थन किया

रांची। झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ की राज्यव्यापी हड़ताल का सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) के महासचिव प्रतीक मिश्रा व माकपा के प्रकाश विप्लव ने समर्थन किया है. मंगलवार को भी समाहरणालय एवं उसके अधीन विभिन्न कार्यालयों में अनुसचिवीय कर्मचारी हड़ताल पर रहे. सीटू व माकपा की झारखंड राज्य कमेटी के नेताओं ने न्यायोचित मांगों का निराकरण न किए जाने पर भी गहरी चिंता व्यक्त की है, जिससे कर्मचारियों के साथ-साथ राज्य की जनता के हित भी प्रभावित हो रहे हैं. सीटी व माकपा की राज्य कमेटी ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि हड़ताली कर्मचारियों के संगठन से वार्ता करें.

कांग्रेस का एक मुलाकात अपनों के साथ अभियान शुरू

रांची। प्रदेश की राजनीति की रपटीली राहों पर सभी दल सरपट दौड़ने में लगे हैं. इसकी वजह यह है कि चंद महीनों बाद विधानसभा चुनाव होनेवाले हैं. अलग-अलग पार्टियों में मिलन समारोहों की झड़ी लगनी शुरू हो गई है. कोई इधर तो कोई उधर. भाजपा के फायर ब्रांड नेता लगातार झारखंड दौरा कर रहे हैं. झामुमो लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में लगा है. सरकार की उपलब्धियों को भी गिना रहा है. ऐसे में प्रदेश कांग्रेस भी पीछे नहीं है. मंगलवार से प्रदेश कांग्रेस ने एक मुलाकात अपनों के साथ अभियान की शुरुआत की है.

ब्रीफ खबरें

सूर्य मंदिर में हुई भगवान शिव की पूजा-अर्चना

रांची। श्रावण मास के तीसरी सोमवारी के अवसर पर देवी मंडप रोड हेसल सरोवरनगर स्थित सूर्य मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना के साथ आरती की गयी. इस अवसर पर भगवान शिव का श्रृंगार कर पूजा अर्चना की गयी. साथ ही शिव चालीसा, महामृत्युंजय मंत्र, गायत्री मंत्र, संध्या पाठ भजन कर आरती की गयी. तत्पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया. कार्यक्रम में शिव शंकर पाठक, मनोज कुमार पुटू, मुन्ना कुमार, अमित पाठक, शकुंतला दुबे, मीरा देवी, सुनैना देवी, अर्चना मिश्रा, सुनीता देवी, आशा मिश्रा, नीतू सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित थे.

सचिवालय से सेवानिवृत्त कृष्णा को दी गई विदाई

रांची। झारखंड विधानसभा सचिवालय कि सहायक प्रशाखा पदाधिकारी कृष्णा सुम्बरूई के सेवानिवृत्ति पर मंगलवार को विदाई दी गई. सचिवालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सहकर्मियों ने उनके सम्मान में अपने उद्गार व्यक्त किए. प्रभारी सचिव सैयद जावेद हैदर ने अपने उद्बोधन में कहा कि कृष्णा सुम्बरूई, कुशल कार्यक्षमता और सौहार्दपूर्ण व्यवहार के लिए हमेशा जानी गई, उन्होंने सम्पूर्ण सेवाकाल में अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण रूप से की है.

पुरानी पेंशन के लिए सीएम से मिलेंगे रूटा के सदस्य

रांची। रांची विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (रूटा) की मंगलवार को एक आवश्यक बैठक हुई. मारवाड़ी महाविद्यालय में डॉ. उमेश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) को जल्द लागू कराने के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे. उनसे आग्रह करेंगे कि विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों को उनके भविष्य के लिए पुरानी पेंशन स्कीम को लागू किया जाए. उपस्थित सभी शिक्षकों ने एकस्वर से पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करने की मांग को एकस्वर से सहमति दी.

जेटीईटी पाठ्यक्रम को जारी करने की मांग

रांची। ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स आर्गेनाइजेशन के राज्य सचिव सोहन महतो ने कहा कि सरकार व संबंधित संस्थाओं ने परीक्षा आयोजन करने की संभावित तिथि सितंबर माह के दूसरे सप्ताह में घोषित कर दी है, किंतु जेटीईटी की परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए पाठ्यक्रम क्या होगा, इसे अभी तक जारी नहीं किया गया है. जबकि परीक्षा के लिए महीने भर से भी कम समय बचा है, छात्र किस आधार पर परीक्षा की तैयारी करें, यह उन्हें भी पता नहीं है. इस लिए जेटीईटी पाठ्यक्रम अविलंब जारी हो.

किशोर कुमार को गीतों से दी गयी श्रद्धांजलि

रांची। भारतीय सिने जगत के प्रख्यात पार्श्व गायक एवं हरफनमौला कलाकार किशोर कुमार की 95वीं जयंती पर भव्य रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें उन्हीं के गाये गानों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गयी. कार्यक्रम किशोर कुमार फैंस क्लब के तत्वावधान में हरमूरोड के मारवाड़ी भवन सभागार में आयोजित हुआ, जिसमें कोलकाता और जमशेदपुर से आये कलाकार सौरभ बनर्जी, संगीता डे, शिवेंदु महापात्र एवं बॉबी भट्टाचार्य ने चार चांद लगा दिए. आयोजन में मुख्य भूमिका जगदीश सिंह 'जग्गू' ने निभायी.

राष्ट्रीय संगोष्ठी : फ्लेयर और झारखंड तकनीकी विवि के संयुक्त कार्यक्रम में बोले शिक्षा मंत्री

डिजिटल प्लेटफॉर्म बच्चों-किशोरों को पहुंचा रहे नुकसान

संवाददाता। रांची

झारखंड के शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम ने कहा कि बच्चों पर इंटरनेट के नकारात्मक प्रभावों के खिलाफ लड़ाई में अधिक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है. वे फोरम फॉर लर्निंग एंड एक्शन विद इनोवेशन एंड रिगोर (फ्लेयर) और झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को राम दयाल सिंह मुंडा जनजातीय शोध संस्थान, मोरहाबादी (रांची) में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे. राष्ट्रीय संगोष्ठी और पैनल चर्चा डिजिटल युग में बच्चों और युवाओं की शिक्षा और कल्याण विषय पर हो रही थी.

'फ्लेयर्स नेक्स्ट जेन नेविगेटर्स' पत्रिका का लोकार्पण करते शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम तथा अन्य पदाधिकारी.

शिक्षा मंत्री ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म बच्चों और किशोरों का नुकसान पहुंचा रहे हैं. इसलिए मैं चाहता हूं कि हर कोई इस अभियान का हिस्सा बने, ताकि बच्चों को नकारात्मक प्रभाव से बचाया जा सके. हर चीज के दो पहलू होते हैं – नकारात्मक और सकारात्मक. हम इंटरनेट के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हम इंटरनेट और सोशल मीडिया के स्वस्थ उपयोग के पक्षधर हैं, मंत्री ने डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित 'फ्लेयर्स नेक्स्ट जेन नेविगेटर्स' नामक एक पत्रिका का भी अनावरण किया.

साइबर अपराध के खिलाफ जागरूकता आवश्यक

साइबर अपराध के खिलाफ जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि साइबर अपराध से बचने के लिए जागरूकता जरूरी है. इसके अभाव में उन अपराधियों से निपट पाना मुश्किल है. उन्होंने कहा कि फ्लेयर स्कूली बच्चों को पाठ्यक्रम में हस्तक्षेप के माध्यम से उनके नकारात्मक प्रभावों से निपटने के तरीके के बारे में शिक्षित करने में सराहनीय कार्य कर रहा है. मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में समाधान आधारित कार्यक्रम और हस्तक्षेप शुरू करने में रुचि रखती है.

वक्फ एक्ट के 40 संशोधनों की मंजूरी से मुस्लिम वर्ग में रोष

रेहान अहमद। रांची

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार वक्फ अधिनियम में संशोधन करने की तैयारी में है. सूत्रों के अनुसार कैबिनेट ने वक्फ एक्ट में कुल 40 संशोधनों को मंजूरी दे दी है. विधेयक में वक्फ अधिनियम की धारा 9 और धारा 14 में संशोधन का भी प्रस्ताव है. बोर्ड की संरचना में परिवर्तन का भी प्रस्ताव है, निकायों में महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने का प्रस्ताव है. इन संशोधनों के पारित होने के बाद वक्फ बोर्ड की शक्तियां सीमित हो जाएंगी. सूत्रों के अनुसार इन संशोधनों का उद्देश्य किसी भी संपत्ति को वक्फ संपत्ति के रूप में नामित करने के वक्फ बोर्ड के अधिकार को प्रतिबंधित करना है. सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित संशोधनों के अनुसार वक्फ बोर्ड द्वारा संपत्तियों पर किए गए सभी दावों को अनिवार्य सत्यापन से गुजारा होगा, वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई संपत्तियों के लिए अनिवार्य सत्यापन प्रक्रिया प्रस्तावित है. इन संशोधनों का बिल अगले सप्ताह संसद में पेश किये जाने की संभावना है. वर्ष 2013 में यूपीए सरकार ने मूल वक्फ अधिनियम 1995 में संशोधन के माध्यम से वक्फ बोर्ड के अधिकार को मजबूत किया था. वहीं कैबिनेट द्वारा वक्फ एक्ट में 40 संशोधनों को मंजूरी देने से मुस्लिम वर्ग में रोष है. प्रस्तुत है कुछ लोगों से की गई बातचीत के अंश.

वक्फ अधिनियम में किसी भी प्रकार के संशोधन की जरूरत नहीं : एस अली

अल्पसंख्यक मामलों के जानकार एस अली ने केंद्र सरकार द्वार वक्फ एक्ट में 40 संशोधन किए जाने पर कहा कि हमारे पूर्वजों

ने अपनी निजी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा दान कर दिया और उन्होंने इस पर इस्लामी कानून के तहत वक्फ का बना दिया गया. जहां तक वक्फ कानून का सवाल है, यह जरूरी है कि संपत्ति का उपयोग सिर्फ उन धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए, जिनके लिए इसे हमारे पूर्वजों ने दान किया था. एस अली कहते हैं कि यह कानून है कि एक बार जब कोई संपत्ति वक्फ बन जाती है, तो उसे ना तो बेचा जा सकता है और ना ही ट्रांसफर किया जा सकता है. जहां तक संपत्तियों के प्रबंधन का सवाल है, हमारे पास पहले से ही वक्फ अधिनियम 1995 है और फिर 2013 में कुछ संशोधन किए गए थे और वर्तमान में हमें नहीं लगता कि इस वक्फ अधिनियम में किसी भी प्रकार के संशोधन की जरूरत है.

वक्फ बोर्ड अल्पसंख्यकों के विकास के लिए सहयोगी संस्था है : औरंगजेब

शेपिंग लाइफ फाउंडेशन रांची के निदेशक औरंगजेब खान ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार लगातार अल्पसंख्यकों के विरुद्ध नीति बना रही

है. यह देश की जनता अच्छी तरह जानती है, केवल सबका साथ सबका विकास कहने मात्र से नहीं होता है. बल्कि सभी को समान अधिकार देना होता है. वक्फ बोर्ड अल्पसंख्यक समुदाय के विकास के लिए एक सहयोगी संस्था के तौर पर काम करती है. यह संपत्ति लोगों के द्वारा दान की गई संपत्ति है. सरकार अगर इस पर अपना अधिकार जताती है तो यह पूरी तरह से गलत है. मैं इसका पुरजोर तरीके से विरोध करता हूं.

केंद्र के संशोधन के फैसले से पूरे समाज में रोष : अकीलुर्रहमान

सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के महासिचव अकिलुर्रहमान ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा वक्फ एक्ट में संशोधन किया जाना नाकाबिलेतारीफ है. वक्फ

की संपत्ति की कस्टोडीयन राज्य सरकार होती है, आज वक्फ की हजारों हजार एकड़ जमीनें हैं. सारी वक्फ प्रॉपर्टी का रखरखाव वक्फ एक्ट के तहत किया जाना चाहिए. इस लिए केंद्र के द्वारा वक्फ एक्ट में संशोधन करना पूरी तरह से गलत है. इस फैसले से पूरे समाज में रोष है.

संशोधन प्रस्ताव वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा के खिलाफ और साजिश : जबिउल्लाह

जमिअतुल मोमेनीन चौरासी सरपरस्त कमेटी के सदस्य मो जबिउल्लाह ने कहा कि केंद्र सरकार वक्फ एक्ट में 40 बिंदुओं पर

संशोधन प्रस्ताव संसद में रखने जा रही है. यह संशोधन प्रस्ताव वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा के खिलाफ है, और बोर्ड के अधिकारों को खत्म करने की साजिश है, इस संशोधन प्रस्ताव से गरीब, यतीम, बेगा, मिस्कीन के अधिकारों का हनन होगा. जमिअतुल मोमेनीन ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को मेल के माध्यम से पत्र भेज कर वक्फ सम्पत्तियों की सुरक्षा का ख्याल करते हुए अपने सांसदों को प्रस्तावित वक्फ एक्ट में संशोधन के खिलाफ पक्ष रखने के लिए पार्टी व्हिप जारी करने का आग्रह किया है.

झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग ने जारी की परीक्षाओं की रिवाइज्ड शेड्यूल

रांची। झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग ने विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की रिवाइज्ड शेड्यूल जारी किया है. नए शेडयूल के अनुसार झारखंड नगरपालिका परीक्षा का रिजल्ट अगस्त के दूसरे सप्ताह में जारी होगा. औद्योगिक प्रशिक्षण सेवा का रिजल्ट अगस्त के अंतिम सप्ताह में जारी होगा. वहीं सहायक आचार्य परीक्षा का रिजल्ट कोर्ट के आदेश के बाद जारी होगा.

कौन परीक्षा कब होगी

- महिला पर्यवेक्षिका परीक्षा अगस्त के अंतिम सप्ताह में होगी.
- मैट्रिक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा सितंबर के पहले सप्ताह में होगी.
- स्नातक योग्यताधारी परीक्षा सितंबर के अंतिम सप्ताह में होगी.
- पारा मेडिकल की परीक्षा अक्तूबर के पहले सप्ताह में होगी.
- स्नातक प्रतियोगिता परीक्षा अक्तूबर के अंतिम सप्ताह में.
- इंडमीडिएट स्तरीय परीक्षा नवंबर के तीसरे सप्ताह में होगी.
- क्षेत्रीय कार्यकर्ता परीक्षा नवंबर के अंतिम सप्ताह में होगी.
- झारखंड सचिवालय आशुलिपिक परीक्षा अक्तूबर में संभावित.
- उत्पाद सिपाही और झारखंड आरक्षी परीक्षा में प्रशासी विभाग से शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण के उपरांत संबंधित प्रशिक्षण में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की सूची प्राप्त होने के बाद लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाना है.

विधि विधान से मनाया गया खाटूनरेश का हरियाली पर्व

संवाददाता। रांची

हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को खाटूनरेश का हरियाली पर्व अनुष्ठान विधि विधान रूप से मनाया गया. इस अवसर पर बाबा श्याम को नवीन पोशाक पहनाकर केसर चंदन का तिलक श्रृंगार किया गया. हरियाली पर्व होने के कारण आज सभी देवी देवताओं एवं खाटूनरेश को हरे रंग की पोशाक पहनायी गयी. सुबह से दोपहर तक मंगल आरती श्रृंगार आरती और विश्राम आरती के बाद हरियाली पर्व अनुष्ठान प्रारंभ हुआ. मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने बताया कि बेंगलुरु से सात रंगों के गुलाब के साथ ही अन्य फूलों से बाबा श्याम का श्रृंगार किया गया. सुभाष तथा रौनक पोद्दार द्वारा पंचमेवा भोग, प्रिंस अजमानी द्वारा पोशाक सेवा, अजय विद्या मयंक तथा ऋषिका जैन द्वारा निवेदित था.

हरियाली अनुष्ठान के साथ ही श्रीश्याम मंदिर में 113वां हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड का संगीतमय

पाठ आयोजित किया गया. यह पाठ हर मंगलवार को होता है. मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित कर केसरिया पेड़ा, गुड़, चना और फल का प्रसाद अर्पित कर पूजन अनुष्ठान विधिवत संपन्न करवाया. पाठ वाचक मनीष सारस्वत तथा ओम शर्मा ने सुरताल के साथ श्री सुंदरकांड का पाठ प्रारंभ किया. इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया आदि उपस्थित थे.

गुमला, रांची और एनटीएचए की टीमें जीतीं, सिमडेगा व खूंटी का मैच रहा ड्रा

संवाददाता। रांची

दिल्ली के तेजस फुटबॉल मैदान में आयोजित 63वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड ने दमदार जीत के साथ शुरुआत की है. झारखंड की अंडर 17 बालिका टीम ने अपने पहले ही मुकाबले में नयी दिल्ली को 7-0 के अंतर से शिकस्त दी. इस मुकाबले में बबिता कुमारी ने 3, पुनिता कुमारी ने 2, पूजा कुमारी और संजना उरांव ने 1-1 गोल कर झारखंड को जीत दिलायी. झारखंड की अंडर 17 बालिका टीम में अनीशा उरांव, प्रतिभा भोक्ता, क्रांति उरांव, नैना कुमारी, चांदनी कुमारी, उर्वशी कुमारी, संगीता कुमारी, बबिता कुमारी, संजना उरांव, पुनिता कुमारी, पूजा कुमारी, सोनामती होरो, एब्लिन कुजूर, पूनम कुमारी, ललिता बोयपाई शामिल हैं.

झारखंड के पहले मुकाबले में जीत पर राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मंत्री बैद्यनाथ राम, सचिव उमाशंकर सिंह, राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग, टीम मैनेजर बिंदु कुजूर समेत खेल कोषांग के सभी पदाधिकारियों ने टीम को शुभकामनाएं दी.

खेल के मैदान में अपना जौहर दिखाते हॉकी खिलाड़ी.

झारखंड ने पहले मुकाबले में दिल्ली को 7-0 से दी मात

रांची। हॉकी झारखंड और नवल टाटा हॉकी के संयुक्त तत्वावधान में 4 से 8 अगस्त तक जमशेदपुर में आयोजित नवल टाटा हॉकी झारखंड जूनियर स्टेट हॉकी चैंपियनशिप 2024 (पुरुष) के तीसरे दिन गुमला, रांची और एनटीएचए की टीमें जीतीं. वहीं सिमडेगा और खूंटी के बीच मैच ड्रा रहा. तीसरे दिन नवल टाटा हॉकी अकादमी जमशेदपुर के एस्ट्रोटर्फ मैदान में चार मैच खेले गए. दिन का पहला मैच हॉकी गुमला बनाम हॉकी रामगढ़ के बीच खेला गया. गुमला की टीम ने 13–0 के अंतर से हजारीबाग की टीम को हराया. गुमला टीम के खिलाड़ी सुचित बेक को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. दूसरे मैच म हॉकी रांची और बोकारो के बीच खेला गया, जिसमें रांची ने टीम बोकारो को 6–0 से हराया. बोकारो के अमृत बोदरा प्लेयर ऑफ द मैच बने.

चिंतन गोस्सनर कॉलेज में वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट विषय पर सेमिनार का आयोजन

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी होगा : डॉ सिंह

संवाददाता। रांची

गोस्सनर कॉलेज रांची के आईक्यूएसी और जियोलॉजी डिपार्टमेंट की ओर से मंगलवार को एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार का विषय वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट इन हार्ड रॉक टीरेन विथ स्पेशल रिफ्रेंस टू झारखंड था. कार्यक्रम दो सत्र में आयोजित किया गया. उद्घाटन सत्र में अतिथियों का स्वागत भूविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ अमरेश मिश्रा ने किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्रो. इंचार्ज इलानी पूर्ति ने की.

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. सुरेश प्रसाद सिंह (पूर्व कुलपति

गोस्सनर कॉलेज में आयोजित संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते वक्ता.

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा सह पूर्व विभागाध्यक्ष भूविज्ञान विभाग, रांची विश्वविद्यालय) ने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनना है तो उसे जीवन की गुणवत्ता के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर भी ध्यान देना होगा. आज विश्व के 280 देशों में पेयजल संकट की समस्या है. झारखंड की बात करें तो यहां का 80 प्रतिशत भाग कठोर आग्नेय चट्टानों से निर्मित है. इस कारण इसमें भूमिगत जल का अवशोषण कम होता है. किंतु प्राकृतिक रूप से यहां भूगर्भ जल की अच्छी मात्रा रही थी, जो विगत वर्षों में अंधाधुंध और अविवेकपूर्ण दोहन के कारण भूमिगत जलस्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है. सचेत नहीं हुए तो भविष्य में इसके भयंकर दुष्परिणाम देखने को मिलेंगे.

विशिष्ट अतिथि, पूर्व डीएसडब्लू डॉ. पीके वर्मा ने कहा कि झारखंड में औद्योगीकरण और अंधाधुंध खनन के दुष्परिणाम स्वरूप भूमिगत जल दूषित हो रहा है. हम सबों को रेन वाटर हार्वेस्टिंग और रूफ टॉप को घर-घर बढ़ावा देने की जरूरत है. वहीं तकनीकी सत्र की मुख्य वक्ता जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया रांची शाखा की निर्देशक डॉ. देवाश्री प्रताप सिंह ने झारखंड-बिहार के चट्टानों के अंतर पर विस्तृत जानकारी दी. आगे उन्होंने कहा कि झारखंड के चट्टानों की आयु लगभग 350 करोड़ वर्ष पुरानी है. झारखंड में अभी 70 प्रतिशत भूमिगत जल शेष है. वहीं जल अवशोषण दर बहुत धीमा है. हमलोग सचेत नहीं हुए तो 50 वर्षों में शहरी क्षेत्रों में भीषण जल संकट का सामना करना पड़ सकता है.

कार्यक्रम में संत जेवियर कॉलेज रांची के भूविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. जयंत सिन्हा, सामाजिक कार्यकर्ता अमरेंद्र, साइंटिस्ट भीम राय, प्रो विनीता श्रीवास्तव ने भी अपने विचार रखें. कार्यक्रम का संचालन प्रो अमोस तोपनो ने किया. मौके डॉ. मृदुला खेस, प्रो सीआर नवल लुगुन, डॉ अभिषेक तोपनो, डॉ श्यामलाल सिंह, डॉ प्रशांत गौरव सहित विभिन्न महाविद्यालय के शिक्षक और शोधार्थी मौजूद थे.

डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल में छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल की प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चत्तर माध्यमिक की शाखाओं में छात्र परिषद के अलंकरण सह शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया. प्राथमिक शाखा के हेड ब्वॉय आयुष कुमार व हेड गर्ल वर्णिका राज (क्लास पांच), माध्यमिक शाखा के हेड ब्वॉय आदित्य त्रिवेदी व हेड गर्ल प्रकाम्या सहाय (क्लास नौ) व उच्चतर माध्यमिक शाखा के हेड ब्वॉय सिद्धार्थ राज व हेड गर्ल स्निग्धा प्रियम (क्लास 12वीं) को चुना गया. स्कूल की तीनों शाखाओं में डिसिप्लिन कॉर्डिनेटर्स, स्पोर्ट्स कॉर्डिनेटर्स, कल्चरल कॉर्डिनेटर्स, हिंदी एडिटर्स, इंग्लिश एडिटर्स, साइंस कॉर्डिनेटर्स एवं हाउस मास्टर आदि का भी चयन किया गया.

न्यूज अपडेट

दो गोल्ड मेडल और फाइको की मानद उपाधि से सम्मानित हुए नेत्र विशेषज्ञ डॉ बीपी कश्यप

मेडल और उपाधि ग्रहण करते हुए नेत्र चिकित्सा विशेष डॉ. बीपी कश्यप.

रांची। इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया एवं केराटोरेफ्रेक्टिव सर्जन्स के वार्षिक अधिवेशन के उद्घाटन सम्मारोह में झारखंड के प्रख्यात नेत्र चिकित्सक डॉ. बीपी कश्यप को नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया. यह सम्मान अधिवेशन में चीफ गेस्ट के रूप में मौजूद सांसद सह लातूर, महाराष्ट्र के प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवाजी काल ने प्रदान किया. उल्लेखनीय हो कि इससे पहले 14 मार्च को डॉ बीपी कश्यप को कोलकाता में आयोजित अखिल भारतीय नेत्र सोसाइटी के 82वें वार्षिक अधिवेशन के उद्घाटन सम्मारोह में विट्रियो रेटिना के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम के लिए फाइको की प्रतिष्ठित मानद डिग्री प्रदान की गयी थी. 10 फरवरी को मुंबई नेत्र सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भी डॉ कश्यप को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था.

मेकॉन में तीन दिवसीय वार्षिक मेला 9 से

रांची। इस्पात महिला सहयोग समिति श्यामली कॉलोनी के तत्वावधान में तीन दिवसीय वार्षिक मेला का आयोजन 9 से 11 अगस्त को किया जा रहा है. मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में इस्पात महिला सहयोग समिति कि अध्यक्ष प्रमीला गुप्ता ने बताया कि मेले का आयोजन मेकॉन कम्यूनिटी हाल में आयोजित किया जा रहा है. यह मेला प्रति वर्ष महिला उद्यमियों, लघु उद्यमियों व स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए आयोजित किया जाता है. मेले में विभिन्न प्रान्तों से हस्तशिल्प, डिजाइनर ड्रेसेस, कुर्ती, ज्वेलरी, बैग, बेड शीट, क्रॉकरी, हैंड मेड सोप, कच्ची धानी सरसों तेल एवं स्वादिष्ट और ताजा व्यंजनों की स्टॉल लगाये जाएंगे.

'शब्दकार' की नई कार्यकारिणी का गठन

रांची। साहित्यिक संस्था शब्दकार की नयी कार्यकारिणी का गठन मंगलवार को किया गया, जिसमें रश्मि शर्मा को सर्वसम्मति से संस्था का अध्यक्ष बनाया गया. कांके रोड स्थित रीता गुप्ता जी के आवास पर आयोजित बैठक में शब्दकार के अन्य पदों पर भी सर्वसम्मति से मनोनयन किया गया. उनमें उपाध्यक्ष संगीता कुजारा टाक, सचिव नंदा पाण्डेय, मीडिया प्रभारी जयमाला एवं कोषाध्यक्ष राजीव थेपड़ा को बनाया गया. कार्यकारिणी के अन्य सदस्यो में वीना श्रीवास्तव, रीता गुप्ता, सत्या शर्मा कीर्ति, अंशुमिता शामिल हैं.

आईएचएम में 2024-25 के स्टूडेंट्स का स्वागत समारोह

रांची। होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के बीएससी इन एचएंडएचए (स्नातक) एवं लघु पाठ्यक्रम में नामांकित छात्रों के लिए स्वागत समारोह का आयोजन किया गया. समारोह की शुरुआत हवन अनुष्ठान के साथ हुई. इसके बाद मुख्य अतिथि पर्यटन निदेशक अंजली यादव ने विशिष्ट अतिथियों के साथ दीप प्रज्ज्वलित किया. मौके पर स्टूडेंटस ने कला-संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने काफी सराहा. प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार ने स्वागत भाषण करते हुए संस्थान की उपलब्धियों को साझा किया.

उर्दू के अभ्यर्थियों का जेएसएससी के समक्ष प्रदर्शन

रांची। सहायक आचार्य परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों ने उर्दू विषय में आउट ऑफ सिलेबस प्रश्न पूछे जाने का आरोप लगाया है. अभ्यर्थियों का आरोप है कि जो सवाल उन्हें 31 जुलाई को हुई उर्दू के फोर्थ पेपर में मिले थे, वे आउट ऑफ सिलेबस थे. इस मामले को लेकर अभ्यर्थियों ने सोमवार को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया. अभ्यर्थियों का कहना है कि फोर्थ पेपर में 23 भाषाएं शामिल हैं, जिनमें से एक उर्दू भी है. लेकिन इस बार के उर्दू के पेपर में पूछे गए सवाल सिलेबस से नहीं थे. इसके बाद पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने जेएसएससी अध्यक्ष से मिलकर अपनी बातें रखीं.

एसआर डीएवी पुंदाग के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

रांची। झारखंड जूडो संघ द्वारा वाईबीएन पब्लिक स्कूल, धुर्वा प्रांगण में आयोजित 15वीं राज्य स्तरीय कैडेट एवं जूनियर प्रतियोगिता में एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल पुंदाग के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक सहित कुल सात पदकों पर कब्जा जमाया. कैडेट ग्रुप में रोनित सिंह ने 81 किलोग्राम भार वर्ग में व प्रियांशु कुमार ने 73 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया. कैडेट ग्रुप में कृति कृष्णा ने 50 किलो भार वर्ग, सूरज कुमार महतो ने 55 किलोग्राम भार वर्ग, सुधांशु रंजन ने 90 किलोग्राम भार वर्ग और जूनियर ग्रुप में 63 किलोग्राम भार वर्ग में रिदम कुमारी ने रजत पदक पर कब्जा जमाया. कैडेट ग्रुप के 40 किलोग्राम भार वर्ग में प्रियांशु कुमारी कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं.

डीएवी सरला स्कूल तुपुदाना में हरियाली दिवस

रांची। डीएवी सरला स्कूल तुपुदाना में सावन माह के अवसर पर मंगलवार को ग्रीन डे (हरियाली दिवस) का आयोजन किया गया. स्कूल के बच्चे हरे रंग की पोशाक पहन पौधे लेकर स्कूल आये.

लोहरदगा और लातेहार के ग्रामीण व शहरी इलाके में पांच-छह दिनों से ब्लैक आउट, लोगों में बिजली विभाग के प्रति भारी रोष

सेन्हा के पांच गांवों में पांच दिन से बिजली व्यवस्था चौपट

संवाददाता। सेन्हा/लोहरदगा

जिले के सेन्हा प्रखंड की अरू और भड़गांव पंचायत के पांच गांवों में पिछले पांच दिनों से बिजली व्यवस्था पूरी तरह से चौपट है. ब्लैक आउट के कारण यहां के लोगों को अंधेरे में जगकर रात गुजारनी पड़ है. बिजली गुल रहने से सबसे ज्यादा विद्यार्थियों और किसानों को परेशानी हो रही है. छात्र-छात्राएं शाम ढलने के बाद पढ़ाई नहीं कर पा रहे है. वहीं, किसानों को खेत में पटवन करने में परेशानी आ रही है.

क्षेत्र में पांच दिन से बिजली नहीं रहने के कारण ग्रामीण मोबाइल दूसरे गांव में जाकर किसी तरह मोबाइल चार्ज कर पा रहे हैं. ब्लैक ऑउट के कारण पेयजल की समस्या भी उत्पन्न

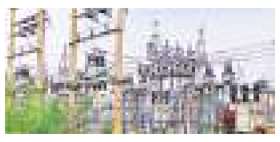

- सबसे ज्यादा विद्यार्थी और किसान हो रहे हैं प्रभावित
- क्षेत्र वासियों में बिजली विभाग के प्रति भारी आक्रोश

हो गयी है. समसेबल और मोटर नहीं चल पा रहे हैं. दोनों पंचायत के लोगों का कहना है कि हल्की सी बारिश के बाद क्षेत्र में ब्लैक आउट की स्थिति उत्पन्न हो जाती है. बरसात के मौसम में बिजली व्यवस्था चरमरा जाने से शाम ढलते ही जहरीले सांपों का खतरा भी मंडराने लगता है.

बिजली बहाल नहीं हुई, तो आंदोलन

अरू और भड़गांव पंचायत के पांचों गांव के लोगों का कहना है कि बिजली विभाग और उसके कर्मियों को ब्लैक आउट की सूचना दे चुके हैं. पांच दिन बीतने के बाद भी क्षेत्र में बिजली व्यवस्था बहाल नहीं हो पायी है. अब विभागीय लापरवाही को लेकर लोगों में आक्रोश पनपने लगा है. ग्रामीणों ने जल्द बिजली बहाल करने की मांग की है. साथ ही साथ चेतावनी भी दी है कि अगर बिजली यथाशीघ्र बहाल नहीं की गयी, तो आंदोलन करेंगे.

थाना चौक इलाके में छह दिनों से बिजली नहीं, लोग परेशान

संवाददाता। लातेहार

नगर पंचायत क्षेत्र के थाना चौक के एक इलाके में छह दिनों से बिजली नहीं है. लगातार छह दिनों तक ब्लैक आउट रहने से लोग परेशान हैं. घरेलु व व्यवसायिक कार्य बाधित हो रहे हैं. मोटर नहीं चलने के कारण लोगों का बाजार से पानी खरीद कर लाना पड़ रहा है. लोग मोबाइल तक चार्ज नहीं कर पा रहे हैं. इसी इलाके में अविस्थत पथ निर्माण विभाग व नगर पंचायत कार्यालय में जेनेरेटर चला कर काम किया जा रहा है.

जानकारी के मुताबिक थाना चौक के पास लगे ट्रांसफार्मर के खराब हो जाने के कारण क्षेत्र में छह दिनों से अंधेरा है. जिस इलाके में बिजली नहीं है, उसमें नगर पंचायत कार्यालय, चिल्ड्रेन कॉन्वेंट स्कूल, किड्स जी स्कूल व होटल ब्लिस के अलावा कई व्यवसायिक प्रतिष्ठान व दर्जनों आवासीय परिसर हैं. लोगों

- ढिबरी युग में जी रहे लोग, घरेलु व व्यवसायिक कार्य बाधित हो रहा

थाना चौक में लगा एक ट्रांसफार्मर खराब हो गया है, इस कारण उस क्षेत्र में बिजली नहीं है. नये ट्रांसफार्मर की व्यवस्था कर ली गयी है. एक दो दिनों में नया ट्रांसफार्मर लगा दिया जाएगा. - **अंकित कुमार**, जेईई.

का कहना है कि जिस ट्रांसफार्मर से इस क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति की जाती है, उसकी क्षमता काफी कम है. लोगों ने कहा कि अगर शीघ्र बिजली सेवा बहाल नहीं हुई, तो वे विभागीय कार्यालय का का घेराव करेंगे.

पीवीटीजी और अन्य आदिवासी समूह के 8176 घरों में पहुंचेगी बिजली

कौशल आनंद। रांची

जेबीवीएनएल पीवीटीजी (पर्टीक्यूलर व्यूलीनिरिबल ट्राइबल ग्रुप) और अन्य आदिवासी समूहों के कुल 471 टोलों के 8176 घरों तक विद्युतीकरण करेगी. केंद्र सरकार की मदद से सरकार इस पर कुल 48.315 करोड़ रुपए खर्च करेगी. जनजातीय कार्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड के 17 जिलों में कुल 7184 पीवीटीजी घरों में से 1676 घरों को विद्युतीकरण के लायक बताया गया है.

हालांकि, बाद में उर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा यह निर्णय लिया गया कि डीपीआर में अन्य जिलों के पीवीजीटी और पीवीजीटी के निकट रहने वाले अन्य आदिवासी समूह को भी शामिल किया जाना है, जो मिनिस्ट्री ऑफ ट्राइबल एफेयरर्स की सूची में शामिल नहीं है. ट्राइबल एफेयरर्स डिपार्टमेंट के द्वारा प्रदान की गयी सभी घरों की सूची को

ऑफ ग्रिड एवं ऑन ग्रिड दोनों माध्यमों से पहुंचेगी बिजली

367 बस्तियों के कुल 6943 घरों को ग्रिड के माध्यम से अर्थात निकट के बिजली सबस्टेशन के जरिए एवं 114 बस्तियों के कुल 1233 घरों में ऑफ ग्रिड अर्थात सोलर आधारित बिजली पहुंचायी जाएगी. ऑन ग्रिड के तहत कुल 42.05 करोड़ के विरुद्ध 41.43 करोड़ रुपये की उर्जा मंत्रालय ने स्वीकृति दे दी है. ऑफ ग्रिड बिजली पहुंचाने का काम ज्रेडा के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें कुल 6 करोड़ रुपये पीएफसी के माध्यम से खर्च किये जाएंगे.

जमीन स्तर पर जेबीवीएनएल ने सत्यापित करने के लिए सर्वेक्षण कराया. फिर जेबीवीएनएल ने यह प्रस्ताव तैयार किया. ऑन ग्रिड के लिए कुल 42.05 करोड़ में से 41.43 करोड़ रुपये की स्वीकृति केंद्रीय उर्जा मंत्रालय ने दी है.

ब्रीफ खबरें

चान्हो में करंट लगने से किसान की मौत

चान्हो। प्रखंड के बेयासी गांव निवासी 42 वर्षीय जीतवाहन उरांव की खेत में काम करने के दौरान करंट लगने से मौत हो गई. घटना मंगलवार दोपहर लगभग दो बजे की है. बताया जाता है कि वह धनरोपनी के लिए खेत तैयार कर रही थी. उसी दौरान वहां से पटवन के लिए ले जाए गए करंट प्रवाहित तार की चपेट में आ गया. परिजनों के अनुसार जीतवाहन के पांच बच्चे हैं और वह अपने परिवार का इकलौता कमाऊ सदस्य था. उसकी आकस्मिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. वहीं ग्रामीण भी गम में हैं.

खेत में करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत

पांकी। प्रखंड के हुरलौंग गांव में मंगलवार की सुबह करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत हो गयी. मृतक की पहचान गांव के ही नागेंद्र राम (55) और उनके पुत्र पिंटू चंद्रवंशी (30) के रूप में हुई है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि पिता-पुत्र दोनों सुबह करीब सात बजे बाप-बेटे खेत में सुबह-सुबह पटवन करने गये थे. खेत में तार टूटकर गिरा था, जिसके संपर्क में आने से दोनों गंभीर रूप से झुलस गये. ग्रामीणों की मदद से परिजनों ने दोनों को पांकी सीएचसी पहुंचाया, जहां से चिकित्सकों ने उन्हें मेदनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया.

इरबा बिजली सब स्टेशन का ग्रामीणों ने किया घेराव

ओरमांझी। प्रखंड के रुक्का, हुटुप और इरबा गांव के लोगों नेलचर बिजली व्यवस्था को लेकर मंगलवार को सब स्टेशन का घेराव किया. ग्रामीणों ने विभाग द्वारा घरों में स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध किया उनकी मांग थी कि पहले बिजली की व्यवस्था ठीक करें और बिल का वितरण समय पर किया जाए. सब स्टेशन घेराव का नेतृत्व पूर्व विधायक रामकुमार पाहन ने किया. कहा कि बिजली विभाग लोगों की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्मार्ट मीटर लगाने वाले उपभोक्ता अत्यधिक बिल से परेशान हैं.

पूर्व विधायक ने गांवों में सुनी लोगों की समस्याएं

ओरमांझी। प्रखंड के रुक्का, गुंजा , डहू गांवों मेंपूर्वविधायक रामकुमार पाहन नेजन चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुनी. ग्रामीणों ने उन्हें पेयजल, सड़क, बिजली और स्वास्थ्य से संबंधित परेशानियों की जानकारी दी. पूर्व विधायक ने समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया.पांच सल के दौरान खिजरी विधानसभा क्षेत्र के विकास का पहिया रुका है, वर्ष 2019 के बाद से क्षेत्र में एक भी जन कल्याणकारी योजना का क्रियान्वयन नहीं हुआ है. वर्ष 2014-2019 का समय इस क्षेत्र के लिए स्वर्णिम काल रहा है.

डायवर्सन नहीं बनाने से ग्रामीणों में आक्रोश

मांडर। बीरगोड़ा नदी पर डायवर्सन नहीं बनने से नाराज ग्रामीणों ने मंगलवार को पूर्व डीडीसी डॉ परमेश्वर भगत के नेतृत्व में मांडर सीओ को ज्ञापन सौंपा. डायवर्सन की मरम्मत के लिए ठेकेदार और विभाग की ओर से अब तक पहल नहीं करने से नाराज ग्रामीण यहां पहुंचे थे. ज्ञापन में कहा गया है कि 30 जुलाई को डायवर्सन के बहने के बाद से टांगर बसली डुमरी मुख्य पथ पर आवागमन पूरी तरह से बाधित होने से ग्रामीणों को परेशानी हो रही है. वहीं डायवर्सन के नहीं बनने सेन वाटांड़ के मिडिल और हाई स्कूल में पढ़ने वाले दर्जनों बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो गई.

हजारीबाग के पवन पुत्रा स्टील एंड एलॉय फैक्ट्री में जोरदार धमाका

स्पंज आयरन फैक्ट्री में धमाका नौ मजदूर झुलसे, दो की मौत

आरोग्यम अस्पताल में इलाजरत मजदूर और स्पंज आयरन फैक्ट्री में ब्लास्ट के बाद बिखरा पड़ा मलबा.

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत रियाडा औद्योगिक क्षेत्र स्थित पवन पुत्रा स्टील एंड एलॉय नाम की स्पंज आयरन फैक्ट्री की चिमनी में ब्लास्ट हो गया. घटना मंगलवार की दोपहर करीब 12 बजे की है. धमाके की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वहां काम कर रहे मजदूर हवा में दूर तक उछल गए. इस हादसे में नौ मजदूर बुरी तरह से झुलस गए, जिसमें एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गयी.

घटना के बाद आनन-फानन में शेष घायल मजदूरों को स्थानीय आरोग्यम अस्पताल में भर्ती कराया गया. यहां इलाज के दौरान एक मजदूर की मौत हो गयी. आरोग्यम अस्पताल प्रबंधन ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि यहां गंभीर रूप से झुलसे सात मजदूरों को अस्पताल लाया गया था. इलाज के दौरान जितेंद्र कुमार नाम के एक मजदूर की मौत हो गई है. वहीं, पांच मजदूरों की हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स रेफर कर दिया है. एक मजूदर का आरोग्यम अस्पताल में ही इलाज चल रहा है. बताया जा रहा है कि घायल मजदूर 80 से 90 फीसदी तक झुलस गये हैं.

घटना के वक्त 20 से अधिक मजदूर कर रहे थे काम

हादसे के वक्त फैक्ट्री में 20 से अधिक मजदूर काम करते थे. से अधिक मजदूर काम कर रहे थे. चिमनी में धमाका होने के बाद वहां काम कर रहे मजदूरों में अफरा-तफरी मच गयी. आग के उठते शोले और धुंए के काले गुबार से प्लांट भर गया. करीब डेढ़ दर्जन से अधिक मजदूरों का अब भी कुछ पता नहीं चल पाया है. प्लांट की उपस्थिति रजिस्टर की जांच की जा रही है, ताकि यह पता चल सके कि प्लांट में कितने मजदूर काम कर रहे थे. समाचार लिखे जाने तक प्रशासन की टीम और स्थानीय लोग प्लांट में मजदूरों को खोजने में लगे हुए थे.

धमाके से फैक्ट्री को भी काफी नुकसान, कारण का पता नहीं

बरही में झारखंड इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (जियाडा) की ओर से इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है. इसके तहत यहां पर विभिन्न उद्योग लगने शुरू हुए हैं. पवनपुत्र स्टील एंड एलॉय प्लांट करीब दो साल पहले ही यहां स्थापित हुआ है. धमाके की वजह से फैक्ट्री को भी काफी नुकसान पहुंचा है. फैक्ट्री की चिमनी में धमाका कैसे हुआ, फिलहाल फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं गई है.

हजारीबाग जिले में पहले भी हो चुके हैं इस तरह के कई हादसे

हजारीबाग जिले में फैक्ट्री में दुर्घटना और मजदूरों की मौत की घटना कोई नई बात नहीं है. एक माह पूर्व चरही थाना क्षेत्र के पंद्रह माइल स्थित चिंतपुर्णी स्टील फैक्ट्री में देर रात भट्ठी ब्लास्ट कर गया था. इस घटना में दो मजदूर गंभीर रूप से झुलस गये. इनमें एक घायल की रांची के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी थी. वहीं, करीब एक साल पूर्व कटकमदाग थाना क्षेत्र के सिरसी दामोडीह में एल्युमिनियम फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ था. इस घटना में दो मजदूरों की मौत हो गई थी, जबकि कई मजदूर घायल हुए थे.

स्वास्थ्य मंत्री पहुंचे घटनास्थल, जांच के निर्देश दिये

इधर, घटना की सूचना पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता घटनास्थल पर पहुंचे. बरही विधायक सह निवेदन समिति सभापति उमाशंकर अकेला भी उनके साथ थे. घटनास्थल पर अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, बरही थाना प्रभारी भी मौजूद थे. स्वास्थ्य मंत्री ने प्लांट की स्थिति का जायजा लेते हुए सुपरवाईजर को बुलाया और उसकी जमकर फटकार लगाई. उन्होंने कहा कि जब सुपरवाइजर ही सेफ्टी किट का इस्तेमाल नहीं कर रहा है, तो यहां के मजदूर कितने सुरक्षित होंगे. मंत्री ने सुपरवाईजर को कस्टडी में लेने का आदेश दिया. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस घटना की उच्चस्तरीय जांच करें और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो.

जमीन विवाद को लेकर मारी गई थी राजेश मुंडा को गोली

संवाददाता। रांची

कांके थाना क्षेत्र के चांदनी चौक के पास बीते एक अगस्त को राजेश मुंडा नाम के व्यक्ति को अपराधियों ने गोली मारकर घायल कर दिया था. इस घटना में शामिल सौरभ कुमार सिंह नाम के एक अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधी ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में बतलाया कि वह चन्दवे बस्ती के राम पाहन, जो जमीन दलाली का काम करता है, उसके साथ लोगों को धमकाने का काम किया करता है. राजेश मुण्डा का राम पाहन के साथ फोरलेन सड़क में अधिग्रहण की जाने वाली जमीन, अंचल कार्यालय में जमीन के दस्तावेजीकरण और मुआवजा को लेकर जमीनी विवाद था.

बेड़ो व नरकोपी में जंगली हाथियों ने 14 घरों को तोड़ा

संवाददाता। बेड़ो

बेड़ो प्रखंड और नरकोपी थाना क्षेत्र के वैद्यखिजरी, करगे पतरा टोली, डोरंडा पीपर टोली, बिल्टी ,करकरी टंगराटोली, सेरो बिहाडी.टोली में 18 जंगली हाथियों के उत्पात से ग्रामीण क्षेत्रों में भारी दहशत व्याप्त हो गया है. दर्जनों लोगों के घरों की दिवारों को तोड़कर और घर में रखे अनाज को खाकर जंगली हाथियों ने खूब तांडव मचाया. कई लोग जंगली हाथियों को

सामने देखकर भाग कर जान बचाने में सफल रहे. हाथियों की खौफ से सेरो बिहाड़ी में चमारी भगताइन नामक महिला परिवार सहित पलायन कर गया.

समस्या स्कूल जाने की आपाधापी में छात्र-छात्राओं के साथ घट सकती है घटना

बेड़ो में पुल टूटने से छात्रों की जान जोखिम में

- ट्रेन से स्कूल जाने को मजबूर छात्र-छात्राएं
- कई छात्र-छात्राएं ट्रेन चढ़ने की चक्कर में गिरते गिरते बचे

संवाददाता। बेड़ो

नरकोपी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से संत जॉन्स हाई स्कूल नावाटांड़ जाने वाले छात्र-छात्राओं के साथ ट्रेन चढ़ने और उतरने के दौरान कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है. सैकड़ों की संख्या में ट्रेन में चढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को आपाधापी का सामना करना पड़ता है. इसी क्रम में मंगलवार को सुबह ट्रेन

चढ़ने के दौरान कई छात्र-छात्राएं दुर्घटना का शिकार होते-होते बच गए. उन्हें उनके अभिभावकों ने बचा लिया. लेकिन नरकोपी से रांची जाने वाले मजदूरों, व्यवसायियों एवं अन्य यात्रियों के साथ छात्र-छात्राओं को ट्रेन में चढ़ना कभी भी बड़ी दुर्घटना का शिकार होना पड़ सकता है. नरकोपी थाना क्षेत्र के पहाड़कंडरिया, बलरामपुर, चान्हो, नरकोपी, ईटा, कोटपाली, तुतलो ,मकुंदा, खड़देवरी, तेतरटोली, टंगराटोली,मसियातु, बोबरो, सरवा, डुमरी सहित दर्जनों गांवों से हजारों छात्र छात्राएं स्कूल जाने के लिए ट्रेन का सहारा लेते हैं. उनके समक्ष दूसरा कोई विकल्प नहीं है. इस संदर्भ में छात्र-छात्राओं के अभिभावकों मतिया महतो, राजेन्द्र महतो, सरवा के नुर मोहम्मद अंसारी, ईटा के बिगु महतो, मोहना उरांव, दिलीप उरांव, सरफराज अंसारी सहित अन्य लोगों ने विधायक शिल्पी नेहा तिर्की एवं सांसद सुखदेव भगत से स्कूली छात्र-छात्राओं की सुरक्षित यात्रा का व्यवस्था करने की मांग की है. मतिया महतो ने कहा कि बच्चों की इस तरह की यात्रा से अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है. विद्यालय प्रबंधन भी समय के पूर्व छुट्टी नहीं देता जिसके कारण बच्चे दौड़कर ट्रेन चलने के लिए विवश है.

हजारीबाग में नर्सिंग होम संचालक की हत्या

हजारीबाग। मुफस्सिल थाना क्षेत्र में लाखे के पास मंगलवार शाम अज्ञात अपराधियों ने नर्सिंग होम के संचालक की गोली मार कर हत्या कर दी. मृतक की पहचान चतरा जिला के पत्थलगड़ा नंदगांव निवासी परशुराम प्रसाद उर्फ पीआर प्रसाद के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि परशुराम विष्णुगढ़ में नर्सिंग होम चलाते थे और शाम में वहां से वापस हजारीबाग आ रहे थे. इसी बीच अज्ञात अपराधियों ने पीछा करते हुए लाखे के पास उन्हें रोका और फिर उनके सिर में में गोली मार दी. वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गये. घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल को सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई है.

न्यूज अपडेट

अपराधियों ने महिला से लूटे बीस हजार रुपये

रातू। रातू थाना क्षेत्र के बाजपुर निवासी महिला से मंगलवार को दिन के ढाई बजे अपाची मोटर साइकिल पर सवार हेलमेट पहने तीन अपराधियों ने बाजपुर की आरती देवी को अपना निशाना बनाया. भुक्तभोगी महिला सिमलिया हाजी चौक स्थित केनरा बैंक से 20 हजार नकद निकाल कर अपने बैग में रख पति शिवेश्वर नाथ पाठक के साथ सीडी डाउन बाइक से अपने घर लौट रही थी. तभी बाइक सवार अपराधी महिला से बैग लूटकर फरार हो गये. भुक्तभोगी महिला के बयान पर रातू थाने में तीन अज्ञात अपराध कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है.

मुखिया ने किया नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के ग्राम पंचायत पुरियो के फादिलमर्चा में मुखिया नीरज कुजूर ने 15 वीं वित्त योजना से बनने वाली 400 फिट लम्बी पक्की नाली का शिलान्यास किया, इस मौके पर मुखिया ने कहा कि पंचायत का विकास ही मेरे लिए सबसे बड़ी संतुष्टि है, और मैं इसी कारण पंचायत के विकास के लिए 24घंटे तत्पर रहता हूं. मौके पर ग्रामीण मुकेश कुमार महतो ने मुखिया को धन्यवाद देते हुए बताया कि इस नाली का हमें बहुत दिनों से इंतजार था, य इस मौके पर वार्ड सदस्य नीतू देवी, लाभुक समिति अध्यक्ष अनिल महतो,सचिव संतोष महतो, पंचायत सचिव चांदनी कुमारी, ग्रामीण दिनेश महतो, राजेंद्र महतो, महावीर महतो, प्रकाश उरांव सहित कई ग्रामीण मौजूद थे.

आजसू ने विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

बुंडू। बुंडू अनुमंडल पदाधिकारी को आजसू पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष राजकिशोर कुशवाहा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने विभिन्न मांगों लेकर मांग पत्र सौंपा. जिसमें बुंडू के राउता से वारेन्दा तक जर्जर सड़क की अबिलंब पुननिर्माण, तमाड़ में मॉडल पीजी कॉलेज निर्माण, तमाड़ बड़ा तालाब का सौन्दर्य करण,पुन्डीदिरी गॉव में स्थित नदी आदि मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा. प्रतिनिधिमंडल में आजसू के रामदुर्लभ सिंह मुंडा ,सिंगराय टुटी, गुंजल ईकिर मुंडा,भयभंजन महतो,हरिहर महतो, सचिन महतो, सुबोध चन्द्र मांझी,मो. सेराज, विकास, रमण सिंह,करम सिंह मुंडा, सुनील कुम्हार, सुखसारण महतो, कुश,सौरभ कुमार इत्यादि उपस्थित थे.

बंगाल के पॉवर ऑफ अटॉर्नी से रांची में बेच दी जमीन

रांची। बंगाल रजिस्ट्री कार्यालय से तैयार फर्जी पॉवर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर रांची में जमीन बेचने के मामले में सीआईडी ने दो आरोपियों संतोष साहू और विकास साहू को पिठोरिया थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है. दोनों से पूछताछ की जा रही है. सीआईडी के इंस्पेक्टर शिव गोप ने बताया कि पता लगाया जा रहा है कि मामले में दोनों की क्या भूमिका है. अब तक इस केस में छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. जिस जमीन की बंगाल के पॉवर ऑफ अटॉर्नी को आधार बना कर खरीद-बिक्री की गयी है, वह पिठोरिया इलाके के जमुआरी मौजा में है.

चान्हो में ट्रक की टक्कर से तीन युवतियां घायल

चान्हो। थाना क्षेत्र के बीजू पाड़ा स्थित पेट्रो ल पंप के पास अज्ञात ट्रक की टक्कर ऑटो में सवार तीन युवतियां गंभीर रूप घायल हो गई. घटना मंगलवार शाम छह बजे की है. घायलों में चान्हो के छोटका हुटार निवासी सीता उरांव, अनिता उरांव और निकिता उरांव शामिल हैं. बताया जाता है कि छोटका हुटार गांव की आधा दर्जन युवतियां धनरोपनी कर लुंडरी गांव से ऑटो से लौट रही थी. हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को मांडर रेफरल अस्पताल पहुंचाया. वहीं ऑटो को धक्का मारकर भाग रहे ट्रक को पीसीआर वैन ने पीछा किया, परंतु चालक वाहन लेकर भाग निकला.

राहे में पेड़ गिरने से घर क्षतिग्रस्त, मुआवजे की मांग

राहे। प्रखंड के लोवाहातूगांव में बारिश से सोमवार की रात पेड़ गिरने से विदेशी मंडल का घर क्षतिग्रस्त हो गया है. घर पर पेड़ गिरने की यह दूसरी घटना है. मंगलवार की सुबह प्रखंड के पूर्वउप प्रमुख किरीटी महतो पीड़ित के घर जाकर नुकसान की जानकारी ली और हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया. वहीं लगातार बारिश से क्षेत्र के निचले इलाकों के हर गली, मुहल्ले में जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है. बारिश से खेत पानी से लबालब भर गया है जिससे धनरोपनी भी प्रभावित है.

झारखंड:अभी तक अपेक्षित विकास नहीं हुआ :भोला

सिल्ली/मुरी। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री भोला सिंह सोमवार की देर रात ट्रेन से बनारस के लिए रवाना हुए. वे मुरी स्टेशन पर रांची से सड़क मार्ग से आए. वीआईपी लाउंज में वे बीजेपी के कार्यकर्ताओं से मिले. संगठन एवं स्थानीय मुद्दों पर बातचीत की. इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि झारखंड राज्य जेएमएम एवं कांग्रेस की सरकार से पूरी अराजकता माहौल है. वर्तमान हेमंत सरकार ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए जनता के साथ अन्याय किया है.आने वाले विधान सभा चुनावों में झारखंड की जनता हिसाब चुकता करेगी.

चौथे दिन 107 आवेदनों की ऑनलाइन एंट्री

इटकी । सर्वर डाउन होने के कारण चौथे दिन भी इटकी पंचायत सचिवालयों में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के सैकड़ो लाभुकों का आवेदन नहीं भरा जा सका. नौ पंचायत में कुल 107 आवेदन स्वीकृत हो सका. वहीं अबतक चार दिनों में 169 आवेदन ही स्वीकृत हो पाई है. इधर ग्रामीणों से हुई वार्ता में उन्होंने बताया की अपना धान रोपनी सहित अन्य कामों को छोड़ कर आवेदन जमा करने लिए दिन भर पंचायत सचिवालय का चार दिनों से लगातार चक्कर लगाने के बाद पता चलता है की सर्वर डाउन होने के वजह से आवेदन स्वीकृत नहीं हो सकेगा.

बुढ़मू में किसानों को नहीं मिल रही यूरिया

बुढ़मू। बुढ़मू प्रखंड क्षेत्र के किसानों को इन दिनों यूरिया नहीं मिल पा रही है. जानकारी के मुताबिक ठाकुरगांव लैंपस के द्वारा किसानों को खाद व बीज सरकारी अनुदान पर उपलब्ध कराया जाता है परंतु पिछले पांच दिनों से यूरिया उपलब्ध नहीं है जिस कारण किसानों को अन्य निजी खाद दुकानों से ऊंची कीमत पर यूरिया लेना पड़ रहा हैं.

हयूमन वेलफेयर एण्ड डेवलेपमेंट सोसायटी का गठन

कांके। हयूमन वेलफेयर एण्ड डेवलेपमेंट सोसायटी का गठन किया गया.जिसमें सरंक्षक मौलाना मो सफीउल्लाह,मो संजर खान,मो सरफराज खान, शकील आजाद, तारिक अनवर,अध्यक्ष अफजल मंसूरी, उपाध्यक्ष हाजी साहिल शमीम,सचिव मो शमीम अंसारी,उपसचिव मो फुरकान,कोषाध्यक्ष मो अनवर खान,फिरोज अहमद,लीगल एडवाइजर अफसर रजा,मीडिया प्रभारी गुलाम रब्बानी सहित 12 कार्यकारिणी सदस्य चुने गये.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष : दोस्त से धोखा मिल सकता है. कोई पिकनिक या यात्रा का योग बन रहा है. दोपहर के बाद सब कुछ सामान्य होगा. स्वयं के द्वारा लिए गए निर्णय लाभप्रद होंगे. लोगों से मेल-जोल बढ़ सकता है. वाहन का प्रयोग सावधानी से करें.

वृषभ : समय सामान्य है. घर की महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. व्यापार में नए अनुबंध नहीं करें. व्यर्थ के दिखावे एवं आडंबरों से दूर रहें. किसी की आलोचना न करें. सामाजिक सम्मान मिलेगा. सुख का सामान एकत्र होगा.

मिथुन : पराक्रम से कोई बड़ा कार्य सिद्ध होगा. भाई बहनों से संबंध मधुर होगा. पराक्रम से व्यावसायिक क्षेत्र को लेकर योजना बनेगी. कशमकश दूर होगी. व्यर्थ संदेह नहीं करें. घर में आनंददायक माहौल रहेगा. मन खुश रहेगा.

कर्क : समय बहुत ही अच्छा है. किसी अपने द्वारा धन का आगमन होगा. महत्वाकांक्षा की पूर्ति हो सकेगी. स्व-विवेक से कार्य करना लाभप्रद रहेगा. अर्थ संबंधी कार्यों में सफलता मिलने से हर्ष होगा. चोट मोच से बचें.

सिंह : समय बहुत ही उत्तम है. दिन खुशनुमा होगा. दिल के बदले दिमाग का सुने. स्थायी संपत्ति प्राप्ति के योग बनेंगे. कार्यक्षेत्र में आपका महत्व एवं प्रभाव बढ़ेगा. दूसरों के कामों में हस्तक्षेप से बचें. कोई बड़ा कार्य होने का समय आ रहा है.

कन्या : धर्म या समाज पर खर्च में वृद्धि होगी. मन खिन्न होगा. पर नवीन योजनाओं के प्रति उत्साह बढ़ेगा. शाम से अर्थ संबंधी कार्यों में थोड़ी सफलता मिलने से हर्ष होगा. सुखद भविष्य का स्वप्न साकार होगा. गणेश जी का स्तुति करें.

तुला : आय होगी, पर कठिन कामों में सोच-समझकर ही हाथ डालें. विचारों में सकारात्मकता व आशाजनक प्रवृत्ति रखें. क्रोध, उत्तेजना पर संयम रखें. मन में उद्‌गार होगा. लक्ष्मी जी को किसमिस का भोग लगायें. इत्र का दान करें.

वृश्चिक : आपके प्रभाव से अपनों का साथ मिलेगा. रुका धन मिल सकता है. अच्छे लोगों से भेंट होगी, जो आपके हितचिंतक रहेंगे. यात्रा करने से बचने का प्रयास करें. व्यापारिक कार्यों से श्रीवृद्धि होगी. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

धनु : कोई छोटी और धार्मिक यात्रा होगी. किसी विशेष कार्य के बन जाने से हर्ष होगा. स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें. किसी के भरोसे न रहकर अपना कार्य स्वयं कीजिए. ससुराल से लाभ होगा. पीली वस्तु का दान करें.

मकर : किसी कार्य के पहले विचार करें. महत्वपूर्ण कामों में हस्तक्षेप से नुकसान हो सकता है. परिवार में तनाव रहेगा. आर्थिक स्थिति कष्टकारी होगी. संतान के व्यवहार से कष्ट होगा. शनि को खुश करें, साथ ही आलस का त्याग करें.

कुंभ : समय सामान्य है. कोई बड़ा रिस्क नही लें. वाहन सावधानी से चलाना चाहिए. जीवनसाथी का सहयोग होगा. आपको समाज, परिवार में प्रशंसा मिलेगी. आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी. कोई बनाई गई योजनाएं फलीभूत होंगी.

मीन : समय सामान्य है. मौसमी बीमारियों से बचना चाहिए. नए कार्यों के साथ जुड़ने का योग बनेगा. फालतू कामों में समय बर्बाद न करें. आप जो भी कार्य करेंगे, उसमें सफलता मिलेगी. आय के मार्ग मिलेंगे. माता दुर्गा का ध्यान करें.

शुरू हुई विस चुनाव की तैयारी

आईजी अभियान ने जिलों के एसपी को दिए आवश्यक निर्देश

संवाददाता । रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है. इसको लेकर मंगलवार को आईजी अभियान एवी होमकर ने सभी जिले के एसपी के साथ समीक्षा बैठक की. बैठक के दौरान आईजी ने विधानसभा चुनाव-2024 स्वच्छ, निष्पक्ष और शान्तिपूर्ण रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये. उन्होंने सभी जिलों को अपने-अपने जिलों में चुनाव सेल गठित करते हुए चुनाव संबंधी कार्य प्रारंभ करने का निर्देश दिया. उन्होंने गैर जमानती वारंटों का निष्पादन करने, हिस्ट्री शीटरों, फरार और अन्य सक्रिय अपराधियों के विरूद्ध सख्त और निरोधात्मक कार्रवाई करने को कहा.

आईजी होमकर ने अंतरराज्यीय और अन्तर जिला चेक पोस्टों का प्रभावशाली क्रियान्वयन, अवैध शराब, मादक पदार्थ, हथियार, नकद के विरूद्ध विशेष अभियान चलाने, नक्सल विरोधी अभियान को और प्रभावशाली बनाने पर जोर दिया. सुरक्षा बलों की आवश्यकता का आकलन करने और उनके सुरक्षित आवागमन, बलों के आवासन की योजना बनाने, सुदुरवर्ती और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए हेलीड्रॉपिंग प्लान बनाने, शैडो एरिया की पहचान करते हुए चुनाव के दौरान संचार व्यवस्था के लिए योजना बनाने, पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों का चुनाव संबंधी प्रशिक्षण देने और सभी जिला में सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल और वीआईपी मॉनिटरिंग सेल का गठन करने का निर्देश दिया.

डॉक्टर-हेल्थ वर्कर्स होंगे अपग्रेड, मरीजों को मिलेगी बेहतर सुविधा

अब जिला अस्पतालों को भी गाइड करेंगे मेडिकल कॉलेज

- मेंटर हॉस्पिटल के डॉक्टरों-अधिकारियों को दी जाएगी सम्मानजनक राशि
- सीएम अस्पताल मेंटरिंग योजना के तहत डेढ़ करोड़ रुपये का आबंटिन किया गया

संवाददाता । रांची

राज्य भर के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा व्यवस्था में सुधार के लिए स्वास्थ्य विभाग कई योजनाओं पर काम कर रहा है, ताकि मरीजों को अस्पतालों में इलाज की बेहतर सुविधा मिल सके. जिले के सदर अस्पतालों में नई-नई मशीनों के साथ ही साथ नई सुविधाएं दी जा रही हैं. विशेषज्ञ चिकित्सकों की भी व्यवस्था की जा रही है. मरीजों को इलाज के लिए भटकना न पड़े और अपने ही गृह जिले के सदर व सरकारी अस्पताल में ही बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने एक नई पहल की है.

मरीजों को लाभ पहुंचाने के लिए विभाग ने मुख्यमंत्री अस्पताल मेंटरिंग योजना शुरू की है. इस योजना के तहत राज्य भर के मेडिकल कॉलेजों के साथ ही साथ बड़े सरकारी अस्पताल, मेंटर के रूप में जिला स्तर के अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में मदद करेंगे. समय-समय पर मेडिकल कॉलेजों और बड़े सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सक और अधिकारी जिला अस्पतालों में विजिट कर वहां के डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश भी देंगे. जरूरत के अनुसार, मरीजों की स्थिति की जानकारी लेंगे, खुद भी इलाज करेंगे और जिला अस्पताल के डॉक्टरों को इलाज करने में मदद भी करेंगे. स्वास्थ्य विभाग ने योजना को अमली जामा पहनाने के लिए डेढ़ करोड़ रुपये का आबंटन किया है.

मुख्यमंत्री अस्पताल मेंटरिंग योजना

मेंटर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के डॉक्टर विजिट करेंगे सदर अस्पताल का

राज्य में कई बड़े मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ऐसे हैं, जहां मरीजों का बेहतर और सस्ता इलाज हो रहा है. अस्पतालों में मरीजों को बेहतर सुविधा भी दी जा रही है. ये मेडिकल कॉलेज और बड़े सरकारी अस्पताल ही अब मेंटर के रूप काम करेंगे. राज्य भर में पांच मेडिकल कॉलेज हैं, जो मेंटर के रूप में काम करेंगे. वहां के डॉक्टर, पदाधिकारी, हेल्थ वर्कर और नर्सिंग स्टाफ आसपास के जिलों के सदर अस्पताल और अन्य छोटे सरकारी अस्पतालों में मरीजों का न सिर्फ इलाज करेंगे, बल्कि वहां के चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ का आवश्यक मार्गदर्शन भी देंगे. जिला के सदर अस्पताल व अन्य अस्पताल का विजिट करने के लिए एक सम्मानजनक राशि भी दी जाएगी.

जानिए क्या है योजना का उद्देश्य

- राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल और जिला अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं को न सिर्फ सुदृढ़ करना है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण सुधार लाना है.
- ज्ञान का विकास करना, अभ्यास में सुधार लाना, कौशल प्रशिक्षण देना, डॉक्टरों और हेल्थ वर्कर्स के कार्यों का सपोर्टिंग सुपरविजन करना है.
- जिला स्तर के सभी अस्पतालों में चिकित्सीय प्रक्रियाओं की शुरुआत करने में सहयोग देना और बंद पड़ी यूनिट को चालू कराने में सहयोग करना.
- उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए डॉक्टर व हेल्थ वर्कर्स को प्रशिक्षित करना और संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करना.

किस मेंटर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के जिम्मे कौन-कौन डिस्ट्रक्ट हॉस्पिटल

- **एम्स, देवघर (मेंटर)** : फूलो-झालो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, दुमका, शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, धनबाद, सदर अस्पताल, देवघर सदर अस्पताल, गिरिडीह
- **रिम्स, रांची (मेंटर)** : एमजीएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जमशेदपुर, मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, पलामू शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, हजारीबाग, सदर अस्पताल, रांची
- **एमजीएम मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, जमशेदपुर (मेंटर)** : सदर अस्पताल, जमशेदपुर, सदर अस्पताल, चाईबासा, सदर अस्पताल, सरायकेला
- **शहीद निर्मल महतो मेडिकल कालेज एंड हॉस्पिटल, धनबाद (मेंटर)** : सदर अस्पताल, धनबाद, सदर अस्पताल, जामताड़ा, सदर अस्पताल, बोकारो
- **शेख भिखारी मेडिकल कालेज एंड हॉस्पिटल, हजारीबाग (मेंटर)** : सदर अस्पताल, रामगढ़, सदर अस्पताल, कोडरमा, सदर अस्पताल, चतरा
- **फूलो झानो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, दुमका (मेंटर)** : सदर अस्पताल, गोड्डा, सदर अस्पताल, पाकुड़, सदर अस्पताल, साहिबगंज
- **मेदिनीराय मेडिकल कालेज एंड हॉस्पिटल, पलामू (मेंटर)** : सदर अस्पताल, गढ़वा, सदर अस्पताल, लातेहार
- **सदर हॉस्पिटल, रांची (मेंटर)** : सदर अस्पताल, गुमला, सदर अस्पताल, सिमडेगा, सदर अस्पताल, खूंटी, सदर अस्पताल, लोहरदगा

किन-किन बातों पर मेंटर अस्पतालों के विशेषज्ञों का रहेगा फोकस

- नॉलेज ट्रांसफर
- व्यक्तिगत आधार पर गाइडेंस
- चिकित्सा सेवा में गुणवत्ता में सुधार
- कम्युनिकेशन स्किल
- लीडरशिप स्किल
- स्ट्रेस मैनेजमेंट
- प्रशिक्षण

डीएई के आदेश को ठेंगा दिखा रहे हैं शिक्षक तौहीद

न उच्चाधिकारियों की बात मानते हैं न बायोमिट्रिक से हाजिरी बनाते हैं

संवाददाता । भवनाथपुर (गढ़वा)

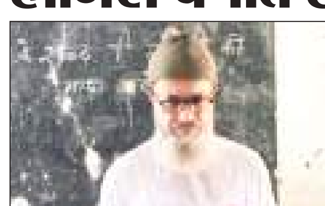

प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय धंगरडीहा में पदस्थापित सहायक शिक्षक शेख तौहीद का भंडरिया प्रखंड के उत्क्र. मवि रहता टू में प्रतिनियोजित किये जाने से संबंधित मामले में जिला शिक्षा अधीक्षक द्वारा आदेश दिए जाने के बावजूद उक्त शिक्षक अपने मूल विद्यालय में ही जमे हुए है. इतना ही नहीं उच्चाधिकारियों के आदेश का अवहेलना करते हुए सहायक शिक्षक शेख तौहीद नियमित रूप से विद्यालय आने के साथ ही बकायदा अपना बायोमैट्रिक व स्कूल में उपस्थिति हाजिरी भी बना रहे है. जिला शिक्षा अधीक्षक द्वारा उक्त शिक्षक को उत्क्र. मवि धंगरडीहा से स्थांतरण किए जाने संबंधी पत्र बीईईओ को अग्रेषित करने के 6 दिन बीतने के बाद भी उन्हें मूल विद्यालय से विरमित नही किया जाना शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर सवालिया निशान खड़ा कर रहा है.

क्या है मामला : जानते चले कि उत्क्र. मवि धंगरडीहा में पदस्थापित सहयोगी शिक्षक शेख तौहीद द्वारा बीते 31 जुलाई को क्षेत्र में शांति सौहार्द बिगाड़ने तथा धार्मिक उन्माद फैलाने के उद्देश्य से विद्यालय के बच्चो को सरस्वती वंदना करने से रोकने तथा शिक्षक के साथ हाथापाई किए जाने संबंधी खबर विभिन्न अखबारों में प्रकाशित होने के बाद उपायुक्त के निर्देश पर शिक्षा अधीक्षक के द्वारा ज्ञापांक 605 दिनांक 1 अगस्त 2024 को पत्र जारी कर शिक्षक शेख तौहीद को तत्काल प्रभाव से गढ़वा जिलांतर्गत भंडरिया प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरता में प्रतिनियोजित कर दिया गया था, साथ ही बीईईओ को निर्देशित गया था कि पत्र प्राप्ति के साथ ही संबंधित शिक्षक को प्रतिनियोजित विद्यालय में योगदान हेतु तत्काल विरमित करते हुए उक्त शिक्षक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई किए जाने हेतु जांच प्रतिवेदन तत्काल समर्पित करने का निर्देश दिया गया था. परंतु बीआरसी कार्यालय भवनाथपुर द्वारा छह दिन बीतने के बाद भी उक्त शिक्षक को विरमित नही किया जाना शिक्षा विभाग पर सवालिया निशान खड़ा कर रही है. इस संबंध में शिक्षक शेख तौहीद ने बताया कि विभाग से मुझे कोई पत्र नही मिला है इस लिए हम यहां हाजरी बना रहे हैं और बच्चों को पड़ा रहे हैं.

जनभावना से खिलवाड़ करना बंद करें मंत्री : सत्येंद्रनाथ

मंत्री के इशारे पर लोगों को दिग्भ्रमित कर रहे हैं गिरिनाथ

संवाददाता । गढ़वा

पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने कहा है कि गढ़देवी मंदिर जो झारखंड ही नहीं, अन्य राज्यों में भी विख्यात और प्रसिद्ध मंदिर है. यह मंदिर हिंदू भावनाओं से जुड़ा हुआ है तथा गढ़वा वासियों के आस्था का प्रमुख केंद्र है. लेकिन मंत्री मिथिलेश ठाकुर गढ़देवी मंदिर के तोरण द्वार पर अपने माता-पिता का नाम इस तरह से लिखे हैं जैसे उनके माता-पिता ही गढ़देवी मंदिर की स्थापना किए हैं. मंत्री जी ने उस गेट पर (तोरण द्वार) शब्द लिखना भी मुनासिब नहीं समझा. पूर्व विधायक ने कहा कि ये पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह के सहयोग से जमीन माफियागिरी करने के साथ-साथ अब यहां के देवी-देवताओं को भी हड़पने का असफल प्रयास कर रहे हैं. जिसे कभी भी किसी भी कीमत पर गढ़वावासी बर्दाश्त नहीं करेंगे. श्री तिवारी ने कहा कि राज्य से बाहर होने की स्थिति में मैं समस्त गढ़वा वासियों से विनम्र आग्रह करता हूं कि इस तरीके के जनप्रतिनिधि जो यहां की संप्रभुता पर आक्रमण करे, उसके विरुद्ध बड़ी लड़ाई लड़ने की भी आवश्यकता पड़े तो हमें लड़कर अपने मान सम्मान की रक्षा करनी चाहिए. सभी गढ़वावासी के सहयोग से मंत्री जी के इस कुकृत्य को मैं सफल नहीं होने दूंगा. उन्होंने कहा कि इसके पूर्व भी मंत्री जी ने मुझे मानहानि सहित तीन मुकदमा में गलत तरीका से फंसा कर मेरी आवाज को दबाने का नाकामयाब प्रयास किया है. पर मैं जब तक जिंदा रहूंगा, गढ़वा के मान सम्मान की रक्षा के लिए अपनी जान देने से भी पीछे नहीं हटूंगा. मैं जैसे ही गढ़वा वापस आऊंगा, आप सभी गढ़वावासी से मोरल सपोर्ट की आवश्यकता है. बाकी जरूरत पड़ी, तो मंत्री के घर पर भी हमला करके गढ़वा के अस्मत की रक्षा करने का काम करूंगा. इसके लिए अगर कोई सबसे ज्यादा जिम्मेवार है तो गिरिनाथ सिंह है.

डीजीपी ने डायल 112 के संबंध में लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया

संवाददाता । रांची

डायल 112 का प्रचार-प्रसार कर आम लोगों को जागरूक करने लिए डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मंगलवार को समीक्षा बैठक की. इस दौरान डायल 112 के सुचारू रूप से क्रियान्वयन और आम जनता के बीच प्रचार-प्रसार कर जागरूकता लाने, रिस्पॉन्स टाइम में और अधिक सुधार लाने जैसे बिंदुओं पर चर्चा हुई. डीजीपी ने कहा कि झारखंड पुलिस के स्तर से एक क्यूआरकोड बना कर सार्वजनिक स्थानों और सभी पब्लिक ट्रांसपोर्ट, पार्क, स्कूल, कॉलेज जहां छात्रों का अवागमन होता हो, वहां लगाया जाए, ताकि पीड़ित द्वारा अविलंब स्कैन कर 112 पर समय पर सूचना दी जा सके.

एडीजी अभियान ने जारी किये दिशानिर्देश : एडीजी अभियान ने बैठक के दौरान डायल-112 से संबंधित प्राप्त शिकायतों पर त्वरित और तार्किक कार्रवाई करने को लेकर निर्देश जारी किये. रिस्पॉन्स टाइम में अपेक्षित सुधार लाने के लिए आम जनता से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई कर कम समय में निष्पादन करने पर चर्चा की गयी. डायल-112 से संबंधित मोबाईल ऐप डाउनलोड करने के लिए सभी एसपी को अपने-अपने जिलों में स्कूल और कॉलेजों में कैंप लगाने के लिए छात्रों को प्रेरित करने का निर्देश दिया. उन्होंने आपात सहायता प्राप्त करने के लिए डायल-112 की जानकारी सार्वजनिक करने के निर्देश दिये.

समीक्षा बैठक करते डीजीपी अनुराग गुप्ता

हुई समीक्षा | राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य ने योजनाओं की समीक्षा की, दिए जरूरी निर्देश

अजजा को सुरक्षा प्रदान करने के लिए आयोग का गठन हुआ : डॉ आशा

संवाददाता । आदित्यपुर

बैठक की तस्वीर

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने मंगलवार को जिले के विभिन्न विभागों में संचालित योजनाओं की समीक्षा की. उन्होंने पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें कई निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का गठन अनुसूचित जनजातियों को शोषण के विरुद्ध सुरक्षा उपाय प्रदान करने के साथ-साथ उनके सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक हितों की रक्षा करने के लिए किया गया है. डॉ लकड़ा ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से जिले में शिक्षक की उपलब्धता, विद्यालय भवनों की स्थिति और बच्चों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली. उन्होंने अभियान चलाकर सभी ड्रॉपआउट बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और आवासीय विद्यालयों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया.

अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं की ली जानकारी: डॉ लकड़ा ने सिविल सर्जन से स्वास्थ्य विभाग में जिला अस्पताल और प्रखंड स्तरीय अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं, चिकित्सकों, जीएनएम, एएनएम आदि की प्रतिनियुक्ति की जानकारी ली. अस्पतालों में चिकित्सकों के विजिट का रोस्टर तैयार कर स्थानीय अखबार तथा सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार कर रोस्टर का अनुपालन कराए जाने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि सभी टीकाकरण का प्रशिक्षण दें. आवासीय हॉस्टल में बालिकाओं की सुरक्षा व्यवस्था, साफ सफाई तथा बच्चों को ड्रेस एवं किताब निश्चित समय पर उपलब्ध कराएं. सामाजिक सुरक्षा विभाग को सभी सुयोग्य लाभुक को पेंशन की योजना से आच्छादित करें.

पदाधिकारी स्थल निरीक्षण कर लाभुकों से करें वार्ता : उन्होंने कहा कि जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी योजनाओं का स्थल निरीक्षण कर लाभुकों से वार्ता करें. योजनाओं की नियमित समीक्षा करें, ताकि समस्या का समाधान किया जा सके. पुलिस विभाग की समीक्षा में जिले के कुल थानों, अनुसूचित जनजाति के थानों, महिला थाना, एफआईआर की स्थिति, पुलिस पिकेट आदि की समीक्षा की. थाना एवं वाहनों की स्थिति पर चर्चा की. बैठक में उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत, बीडीओ, सीओ, प्रशिक्षु आईएएस कुमार रजत, उप विकास आयुक्त प्रभात कुमार बारतियार, परियोजना निदेशक डीआरडीए, अपर उपायुक्त, सभी एसडीओ तथा विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे.

24 घंटे के अंदर लूट की घटना का उद्भेदन, दो गिरफ्तार

संवाददाता । भवनाथपुर (गढ़वा)।

थाना पुलिस ने बीते रविवार को एक युवती से कड़िया धाम के पास लूटे गए मोबाइल और पन्द्रह सौ रुपये लूट के आरोपियों को 24 घंटे के अंदर घटना का उद्भेदन करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफल रही. इस उद्भेदन टीम में शामिल सभी पुलिस पदाधिकारियों को पुरस्कृत किया जाएगा. उक्त जानकारी बंशीधर नगर एसडीपीओ सतेंद्र नारायण सिंह ने देते हुए बताया कि बीते रविवार को बंशीधर नगर से आकाश कुमार मौर्य पिता संतोष मेहता अपने युवती पड़ोसी टाउनशिप निवासी को अपने स्कूटी से छोड़ने आ रहा था. इसी बीच कड़िया धाम के पास लाठी और पत्थर का भय दिखाकर दो लोग स्कूटी लूटने का प्रयास किया. जिसमे वह असफल रहे लेकिन इस बीच युवती के पर्स से पन्द्रह सौ रू नगद और एक ओप्पो का मोबाईल लूट लिया. घटना के बाद युवती के द्वारा भवनाथपुर थाना में इसकी अज्ञात के ऊपर प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी. पुलिस इंस्पेक्टर रत्नेस कुमार के निर्देशन में टीम गठित कर जांच पड़ताल की गई. जिसमे जांच के दौरान दिलीप चंद्रवंशी पिता संजय चंद्रवंशी और नवीन कुमार सिंह पिता वीरेंद्र सिंह दोनो मकरी कड़िया निवासी को चिन्हित किया गया. उक्त दोनों के गिरफ्तारी के बाद अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया की पैसा के लालच में हम दोनों ने घटना को अंजाम दिया था. लूटे गए पैसा में खर्च के बाद 720 रु बचे थे जिसे पुलिस ने जप्त कर लिया है. एसडीपीओ ने बताया की बीते एक वर्ष पूर्व भी दिलीप चंद्रवंशी लूट पाट के केस में जेल जा चुका है. गठित पुलिस टीम में थाना प्रभारी कृष्णा कुमार, एसआई प्रदीप उरांव, नारायण प्रसाद, एएसआई संतोष सिंह सामिल थे.

पेज एक का शेष

बांग्लादेश में संसद भंग...

इस बीच, कहा जा रहा है कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की योजना लंदन में बनाई गई थी. इसमें पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई का हाथ था. खुफिया रिपोर्टों में इसका खुलासा हुआ है. इस योजना के बाद ही बांग्लादेश में आरक्षण प्रणाली के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके परिणामस्वरूप शेख हसीना सरकार का पतन हुआ. बांग्लादेशी अधिकारियों ने दावा किया है कि उनके पास बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक प्रमुख और खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान और सऊदी अरब में आईएसआई अधिकारियों के बीच बैठकों के सबूत भी हैं.

ये चलाएंगे बांग्लादेश में अंतरिम सरकार : बांग्लादेश में सेना ने फिलहाल अंतरिम सरकार का गठन किया है. इसमें 10 लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसमें पत्रकार से लेकर कई नामचीन लोग शामिल हैं. अब ये 10 सदस्यीय लोग सरकार चलाएंगे. इनमें एक हिंदू समुदाय के प्रतिनिधि भी शामिल है. बांग्लादेश की नई सरकार का नेतृत्व डॉ. सलीमुल्लाह खान और डॉ. आसिफ नजरुल करेंगे. रिटायर्ड जस्टिस मोहम्मद अब्दुल वहाब मिया, सेना से रिटायर्ड जनरल इकबाल करीम, रिटायर्ड मेजर जनरल सैयद इफ्तिखार उद्दीन, डॉ. देबप्रिया भट्टाचार्य, मतिउर रहमान चौधरी, ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम सखावत हुसैन, डॉ. हुसैन जिल्लुर रहमान और जस्टिस एमए मतीन नई सरकार चलाएंगे. अब आगे सरकार चलाने की जिम्मेदारी इन्हीं के कंधों पर होगी. डॉ. देबप्रिय भट्टाचार्य अर्थशास्त्री हैं और एक हिंदू परिवार से उनका नाता है. वह शेख हसीना की सरकार में आर्थिक नीतियों के सलाहकार भी रहे हैं. उनके पिता वकील और मां बांग्लादेश की सांसद रही हैं. वह यूएन में बांग्लादेश के स्थायी प्रतिनिधि भी रह चुके हैं. वहीं, डॉ. सलीमुल्लाह खान एक बांग्लादेशी लेखक और शिक्षाविद हैं. उनका बंगाली मुस्लिम परिवार से नाता है और ढाका विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई की है. डॉ. आसिफ नज़रुल एक बांग्लादेशी लेखक और पत्रकार हैं. राजनीति पर लिखते रहे हैं. नई सरकार में सेना से रिटायर्ड 5 अधिकारियों को भी शामिल किया गया है.

देश में नहीं लगेगा आपातकाल : वहीं, देश में तनाव की स्थिति और हिंसक प्रदर्शन को देखते हुए सेना ने बड़ा बयान दिया है. सेना ने कहा कि अभी देश में कोई आपातकाल नहीं लगाया जाएगा. चुनावों पर चर्चा करना भी अभी जल्दबाजी होगी. फिलहाल सेना अस्थाई रूप से सरकार चलाएगी. स्थिति कंट्रोल में आने के बाद फिर फैसला लिया जाएगा.

दिल्ली में बड़ी बैठक...

विदेश मंत्री ने विपक्ष का जताया आभार : बैठक के बाद विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, संसद में एक सर्वदलीय बैठक में बांग्लादेश के हालिया घटनाक्रमों के बारे में जानकारी दी. इस दौरान जताए गए सर्वसम्मत समर्थन और तालमेल के लिए सभी दलों की सराहना करता हूं. कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम ने बताया कि सर्वदलीय बैठक में सरकार ने बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी. उन्होंने कहा, जहां तक राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय हित का सवाल है, कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से सरकार के साथ है.

बैठक में ये नेता हुए शामिल : सर्वदलीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, जदयू नेता एवं केंद्रीय मंत्री लल्लन सिंह, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, द्रमुक केटी आर बालू, सपा के रामगोपाल यादव, टीएमसी के सुदीप बंदोपाध्याय और राकांपा की सुप्रिया सुले सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया.

संसद भवन पर प्रदर्शन...

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, आज संसद के प्रांगण में इंडिया के घटक दलों ने स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी तुरंत हटाए जाने की मांग की क्योंकि यह ज़बरदस्ती उगाही हमारी जनता, ख़ासकर मध्यम वर्ग पर कड़ा प्रहार है. उन्होंने दावा किया, मध्यम वर्ग पहले से ही मोदी सरकार की टैक्स वसूली नीतियों के बोझ तले जूझ रहा है. 2024 में भारत का चिकित्सा महंगाई दर एशिया में सबसे अधिक 14 प्रतिशत पर है. ऊपर से जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पर ये गब्बर सिंह टैक्स अमानवीय है, और भाजपा की आपदा में अवसर से लूट की नीति का एक और निंदनीय उदाहरण है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का विपक्ष विरोध करता है तथा सरकार को दोनों बीमा को कर मुक्त करना ही होगा. राहुल ने आरोप लगाया कि हर आपदा से पहले टैक्स का अवसर तलाशना भाजपा सरकार की असंवेदनशील सोच का प्रमाण है. कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा, यह सरकार कफन टैक्स लगा रही है...यह बहुत बड़ी लूट है. इसका इंडिया गठबंधन पुरजोर विरोध करेगा. पिछले दिनों टीएमसी के सांसदों ने इस मुद्दे को संसद में उठाया था और पार्टी प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इस मामले पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा था. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से जीवन बीमा एवं चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर से 18 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को हटाने का अनुरोध किया है.

एक करोड़ केंद्रीय कर्मियों पेंशनरों...

इस साल डीए/डीआर जारी करने को लेकर कर्मचारी संगठनों के कितने प्रतिवेदन प्राप्त हुए हैं. सरकार ने उन पर क्या कार्यवाही की है. इन सवालों के जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा, कोरोना काल में अर्थव्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं होने के कारण डीए/डीआर रोका गया था. तब सरकार पर वित्तीय दबाव था. एनसीजेसीएम सहित सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों की तरफ से इस बाबत प्रतिवेदन प्राप्त हुए हैं. मौजूदा समय में उक्त भत्तों का एरियर देना संभव नहीं हैं. बता दें कि कोरोना काल में केंद्र सरकार ने कर्मचारियों का उक्त भुगतान रोक कर 34,402.32 करोड़ रुपए बचा लिए थे. ''भारत पेंशनर समाज'' के महासचिव एससी महेश्वरी ने भी कोरोनाकाल के दौरान रोके गए 18 माह के डीए का एरियर जारी करने के लिए सरकार से आग्रह किया है. डीए एरियर का मुद्दा पहले भी कई बार उठाया जा चुका है.

मंईयां योजना को लेकर ...

आपकी परेशानी से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अवगत करा दिया गया है. सर्वर की समस्या जल्द ही समाधान कर लिया जाएगा. उन्होंने उम्मीद जताई की जल्द ही समस्या दूर हो जाएगी. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन जेल में रह कर अपनी बहनों के लिए यह योजना लाए. हेमंत सोरेन चाहते हैं कि हम आधी आबादी को सशक्त किया जाए. यही कारण है कि महिलाओं से जुड़ी कई योजनाएं सरकार ले आई और वह उसे धरातल पर उतार रही है. विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि वैसी महिलाएं जिनका नाम राशन कार्ड में नही है और उनके पति का नाम दर्ज है, तो उन्हें भी इस योजना का लाभ दिया जाएगा.

पड़ोसी देश में जनविद्रोह

भले ही प्रथम दृष्टया, बांग्लादेश में हसीना सरकार के पतन की वजह आरक्षण विरोधी आंदोलन से उपजा आक्रोश बताया जा रहा हो, मगर इस आक्रोश की बुनियाद सात माह पूर्व हुए चुनाव में अनियमितताओं के बाद ही पड़ गई थी. हाल के दिनों में व्यापक पैमाने पर हुए हिंसक प्रदर्शनों ने शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद त्यागकर देश छोड़ने को मजबूर कर दिया. पिछले करीब तीन सप्ताह में हुई आरक्षण विरोधी हिंसा में तीन सौ से अधिक लोगों की जान चली गई. दरअसल, इस संकट की मूल वजह एक लोकतांत्रिक नेतृत्व का तानाशाह बनना बड़ा कारण रहा. वास्तव में लगातार चार बार प्रधानमंत्री बनने वाली शेख हसीना ने जनाक्रोश को हल्के में लिया, जिससे बांग्लादेश के जनमानस में गहरे तक यह भाव पैदा हुआ कि उनकी आकांक्षाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है. हालांकि, पाक परस्त राजनीतिक दलों ने इस आक्रोश को अपने लिये सत्ता का रास्ता बनाने में इस्तेमाल किया, लेकिन इस संकट को शह देने में कई विदेशी ताकतें भी पीछे नहीं रहीं. दरअसल, महज सात माह पहले हुए आम चुनावों के बाद से ही देश में जनाक्रोश धीरे-धीरे बढ़ने लगा था. दक्षिणपंथी रुझान वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी और अन्य राजनीतिक दलों ने आम चुनावों का बहिष्कार किया था. हालांकि,शेख हसीना लगातार चौथी बार सत्ता में तो आईं, लेकिन विपक्षी दल जनता में यह संदेश देने में कामयाब रहे कि चुनावों में धांधली हुई है. इस तरह चुनावों के संदिग्ध तौर-तरीकों ने शेख हसीना की जीत को धूमिल कर दिया. वास्तव में शेख हसीना लगातार विस्फोटक होती स्थितियों का सावधानी से आकलन नहीं कर पायीं. दरअसल, वर्ष 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान के दमनकारी शासन से आजादी दिलाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की तीसरी पीढ़ी के रिश्तेदारों के लिए उच्च सरकारी पदों वाली नौकरियों में तीस प्रतिशत आरक्षण का विरोध छात्रों ने किया. लेकिन इस आंदोलन को हसीना सरकार ढंग से संभाल नहीं पायी. आंदोलनकारियों से निबटने के लिए की गई सख्ती से आंदोलन लगातार उग्र होता गया. जिसका विपक्षी राजनीतिक दलों ने भरपूर लाभ उठाया. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण को घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया था, लेकिन सरकार इस संदेश को जनता में सही ढंग से नहीं पहुंचा सकी. फिर छात्र नेताओं की गिरफ्तारी ने आंदोलन को उग्र बना दिया. बजनाक्रोश के चरम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आक्रामक भीड़ ने मुक्ति आंदोलन का नेतृत्व करने वाले 'बंगबंधु' शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति तक को तोड़ दिया. निस्संदेह, सत्ता से चिपके रहने के लिए किए जाने वाले निरंकुश शासन की परिणति जनाक्रोश के चरम के रूप में सामने आती है. हालांकि, भारत के हसीना सरकार से मधुर संबंध थे, लेकिन हालिया उथल-पुथल को देखते हुए रणनीति में बदलाव करना होगा. पाकिस्तान परस्त बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी की आसन्न वापसी से भारतीय उपमहाद्वीप में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रति सावधान रहने की जरूरत होगी.

> वास्तव में शेख हसीना लगातार विस्फोटक होती स्थितियों का सावधानी से आकलन नहीं कर पायीं. आरक्षण आंदोलन को दबाने के लिए की गई सख्ती ने आग में घी का काम किया.

सुभाषित

परित्यजेदर्थकामौ यौ स्यातां धर्मवर्जितौ।
धर्मं चाप्यसुखोदर्कं लोकनिकृष्टमेव च॥

जो संपत्ति तथा मन की अभिलाषा धर्म के विपरीत है, उसका त्याग करना चाहिए. इतना ही नहीं, उस धर्म का भी त्याग करना अनुचित नहीं होगा, जो धर्म भविष्य में संकट उत्पन्न कर सकता है तथा जो किसी समाज के प्रति प्रतिकूल सिद्ध हो सकता है.

बांग्लादेश में भीषण उथल-पुथल

बस चार साल में बांग्लादेश फिर खून से रंग गया. तब से उस देश में लोकतंत्र और फौजी शासन का आना जाना लगा रहता है. इधर पिछले पंद्रह वर्षों में शेख हसीना ने उसे आर्थिक और सामाजिक मामले में आर्डर में लाने की कोशिश की और उन्हें सफलता भी मिली. लेकिन आज उसका भी पटाक्षेप हो गया. एक बार फिर वहां फ़ौजी शासन कायम हो गया है. भारत पर इसके प्रभाव कई रूप में पड़ेंगे. बांग्लादेश और पाकिस्तान में अल्पसंख्यक का मतलब हिन्दू है.

• देश-काल

प्रेमकुमार मणि

हमारे पड़ोसी बांग्लादेश में राजनीतिक अराजकता इतनी हुई कि प्रधानमंत्री शेख हसीना को भाग कर भारत आना पड़ा. विद्रोह की खबरों के अनुसार सेना ने राजपाट संभाल लिया है. आंदोलनकारियों ने हसीना के सरकारी आवास पर धावा बोलकर लूटपाट मचाई और सेना देखती रही. हिंसक झड़पों में कोई तीन सौ लोगों के मारे जाने की खबर है. मतलब साफ़ है बांग्ला देश में लोकतंत्र एकबार फिर ख़त्म हुआ. कब बहाल होगा कोई नहीं जानता. उस देश पर नजर रखने वाले लोग जानते हैं कि शेख हसीना ने पिछले पंद्रह वर्षों में उस देश को आर्थिक-सामाजिक तौर पर काफी मजबूत किया था. वह समाजवादी रुझान की लोकतंत्रवादी थीं. उनका कट्टरता वादी मुसलमानों से हमेशा विरोध रहा. कट्टरतावादी लोग उनके जानी दुश्मन थे. इन्हीं लोगों ने उनके पिता शेख मुजीब, उनकी माँ और तीन भाइयों का क़त्ल 1975 में एक विद्रोह के तहत किया था.

एक नए देश के रूप में बांग्लादेश का जन्म बड़े संघर्ष से हुआ. आज की पीढ़ी पता नहीं, उससे कितनी अवगत है. नयी पीढ़ी को जानना चाहिए. 1970 का दौर ख्याल कर सकता हूं. अपने देश में कांग्रेस के भीतर संग्राम मचा हुआ था. पार्टी दो भागों में बंट गई थी. 1971 के मार्च में भारत में मध्यावधि चुनाव संपन्न हुए और इस में इंदिरा गाँधी संसद में दो तिहाई स्थान ला कर सत्तासीन हुईं. लेकिन भारत से पहले 1970 में पाकिस्तान में चुनाव हुए थे. वहां की कुल 313 सीटों वाली संसद में शेख मुजीबुर्रहमान कि पार्टी आवामी लीग को 167 सीटें मिलीं थीं. पूर्वी पाकिस्तान (आज के बांग्लादेश) की कुल 169 में से 167 सीटें. लेकिन याहिया खान और जुल्फिकार अली भुट्टो ने तय कर लिया कि शेख को सत्ता नहीं सौंपनी है. इसके बाद पूर्वी पाकिस्तान में विद्रोह शुरू हो गया. इसे पाकिस्तान की फौज ने दुश्मन देश की तरह निर्ममता से कुचलने की कोशिश की. लाखों बेक़सूर लोगों को पाकिस्तानी फ़ौज ने मार डाला. हजारों स्त्रियों के साथ बर्बरतापूर्वक बलात्कार उसी मुल्क की फ़ौज ने किये. कोई एक करोड़ लोग भाग कर भारत आ गए और शरणार्थी बने. पूरा भारत शेख मुजीब के साथ था. समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण ने दुनिया भर में घूम कर शेख मुजीब और पूर्वी पाकिस्तान की जनता का पक्ष रखा. पाकिस्तान अपने देश को बताना चाहता था कि शेख के पीछे भारत का समर्थन है और उसने 3 दिसम्बर 1971 को भारत के पश्चिमी हिस्से पर आक्रमण कर दिया. उसे भरोसा था कि उसके पीछे अमेरिका है, लेकिन इंदिरा गांधी की चतुराई भरी कूटनीति के सामने पाकिस्तान की एक न चली. अमेरिकी फौजी बेड़े की धमकी को अंगूठा दिखाते हुए भारतीय सेना ने बांग्ला देश को पाकिस्तान से मुक्त करा लिया. ढाका में लगभग एक लाख सशस्त्र पाकिस्तानी फौज ने भारतीय सेना के सामने सरेंडर कर दिया. पूर्वी पाकिस्तान बांग्लादेश बन गया. भारत के दबाव में शेख मुजीब पाकिस्तान की जेल से रिहा किये गए. वह आज़ाद बांग्लादेश के राष्ट्रपति बने.

पूर्वी पाकिस्तान में जमायते-इस्लाम और दूसरे कट्टरवादी मुस्लिम संगठन सीधे तौर पर पश्चिमी पाकिस्तान का समर्थन कर रहे थे. बांग्लादेश निर्माण के बाद ये शीत-निष्क्रियता में चले गए, लेकिन 1975 में इन लोगों की एक बार फिर चली. 15 अगस्त को जब भारत आज़ादी का जश्न मना रहा था, शेख मुजीब के घर में सेना की एक टुकड़ी घुसी, उन्हें कब्जे में लिया और पत्नी व तीन पुत्रों सहित मार दिया. बस चार साल में बांग्लादेश फिर खून से रंग गया. तब से उस देश में लोकतंत्र और फौजी शासन का आना जाना लगा रहता है. इधर पिछले पंद्रह वर्षों में शेख हसीना ने उसे आर्थिक और सामाजिक मामले में आर्डर में लाने की कोशिश की और उन्हें सफलता भी मिली. लेकिन आज उसका भी पटाक्षेप हो गया. एक बार फिर वहां फ़ौजी शासन कायम हो गया है. भारत पर इसके प्रभाव कई रूप में पड़ेंगे. बांग्लादेश और पाकिस्तान में अल्पसंख्यक का मतलब हिन्दू है. भारत बंटवारे के समय पश्चिमी पाकिस्तान में करीब 14 और पूर्वी पाकिस्तान में 28 फीसद हिन्दू थे. आज पाकिस्तान में लगभग 2 फीसद और बांग्लादेश में 8 फीसद हिन्दू हैं. वे भी मुश्किल में हैं. हसीना पर एक आरोप यह भी है कि इन्होंने अल्पसंख्यक हिन्दुओं केलिए सरकारी सेवा में आरक्षण सुनिश्चित किया है. वहां कुल मिला कर 80 फीसद आरक्षण लागू है, जिसमें एक बड़ा हिस्सा 1971 के मुक्तिसंग्राम के वारिसों केलिए है. साफ़ है कि जमायते-इस्लाम के लोग इसका विरोध कर रहे हैं, क्योंकि वे तो तब पाकिस्तान का समर्थन कर रहे थे. बांग्लादेश में जो अभी राजनीति चल रही है उसके पीछे यही कोटा पॉलिटिक्स है. विद्रोह का रुझान यही स्पष्ट करता है कि कट्टरतावादी इस्लामी ताकतें वहां मजबूत हुई हैं. पिछले आम चुनाव के समय से ही यह स्पष्ट हो रहा था.

चिन्ता की बात यह है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश में कट्टर धार्मिकता का उभार भारत में भी इसे बल देगा. भारत में इसके उभार का मतलब होगा भाजपा का और उभार या उसकी मजबूती. भारत ने आर्थिक रूप में अपनी स्थिति कई कारणों से थोड़ी मजबूत कर ली है. पाकिस्तान, श्रीलंका में आर्थिक अराजकता की स्थिति है. बांग्लादेश में भी अब वही आर्थिक अफरातफरी होगी. नेपाल की स्थिति से सब वाकिफ हैं. जब भारत के चारों तरफ दैन्य होगा, तब भारत में सम्पन्नता क्या संभव होगी ? कभी नहीं. इसीलिए बांग्लादेश में आज जो हुआ है वह हमारे देश भारत केलिए भी एक सबक होना चाहिए. भारत सरकार को तो नजर रखनी ही चाहिए, हम भारतवासियों को भी चिन्ता करनी चाहिए. पड़ोस में आफत आई हो तो हम चैन से कैसे सो सकते हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

उच्च आदर्श और जीवन-मूल्य

हमारी सभ्यता और संस्कृति ही हमारे उत्तम आदर्शों और उत्कृष्ट जीवन मूल्यों की परिचायक है. यदि वास्तव में हमें अपनी सभ्यता संस्कृति का गौरवगान करना है तो सर्वप्रथम ये आदर्श, परंपराएं, मूल्य, मर्यादाएं हम प्रत्येक के जीवन का, व्यक्तित्व का अचल और अटूट हिस्सा होना चाहिए. संस्कृति का महिमामण्डन तभी सार्थक है, जब हम इस संस्कृति प्रदत्त जीवन-मूल्यों पर हर हाल में अडिग स्थिर बनकर रहें. कारण चाहे पाश्चात्य सभ्यता का हावी होना या चाहे जो भी हो, निस्संदेह भारत की बड़ी आबादी आदर्श जीवन मूल्यों की परवाह नहीं करती, बल्कि इसे पुरातन पंथ, पाखंड आदि नकारात्मक संज्ञाएं देने में भी संकोच नहीं करती. आदर्श जीवन मूल्य का जनक धर्म ही होता है और धर्म से विमुख कोई व्यक्ति जीवन मूल्य का अभिप्राय भी कैसे समझ पाएगा? इसका उत्तर जटिल है. प्रत्येक धर्म के मूल में करुणा, प्रेम, अनुकंपा, निःस्वार्थ व्यवहार, जीवन का आदर, सह-अस्तित्व जैसे जीवन के आवश्यक मूल्य निहित हैं. दया, परोपकार, सहिष्णुता वास्तव में हमारे ही अस्तित्व को सुनिश्चित बनाए रखने के लिए हैं. चूंकि जीने की इच्छा प्राणीमात्र की सबसे बड़ी और सर्वाधिक प्रबल जिजीविषा होती है, अतः धर्म का प्रधान लक्ष्य अस्तित्व को कायम रखने का उपाय ही होता है. प्रत्येक जीवन के प्रति आदर के लिए कर्म और पुरुषार्थ ही धर्म है. यदि जीवन में मूल्यों के प्रति आस्था न होती, मात्र अपना जीवन-स्वार्थ ही सबकुछ होता, तो तब क्या संभव था कि कोई किसी दूसरे को जीवित भी रहने देता? वस्तुतः जीवन मूल्यों का आदर करना हमारा अपना ही जीवन संरक्षण है. भारतीय समाज में जीवन-मूल्यों का प्रमुख स्रोत धर्म रहा है और धर्म ही जीवन मूल्यों के प्रति अटल आस्था उत्पन्न करता है. प्रत्येक धर्म में कुछ नैतिक आदर्श होते हैं, धर्मोपदेशक महापुरुषों, संतों से लेकर कबीर, तुलसीदास व रहीम के नीति काव्य तक व्याप्त नीति साहित्य मानव मूल्यों की प्रतिष्ठा के प्रत्यक्ष प्रयास है. इन आदर्श जीवन मूल्यों के विरुधार्थी दुष्कर्मों को अध्यात्म-दर्शन में पाप कहा जाता है, किंतु आज चाहे कैसी भी अनैतिकता हो, उसे पाप शब्द मात्र से सम्बोधित करना, लोगों को गाली प्रतीत होता है. सदाचार से पतन को पाप संज्ञा देना उन्हें अतिशयोक्ति लगता है. यह सोच आज की हमारी सुविधाभोगी मानसिकता के कारण है. किन्तु धर्म-दर्शन ने गहन चिंतन के बाद ही इन्हें पाप कहा है. वस्तुतः हिंसा, झूठ, कपट, परस्पर वैमनस्य, लालच आदि सभी, 'स्व' और 'पर' के जीवन को, बाधित और विकृत करने वाले दुष्कृत्य ही है.

दिव्यांगों के लिए न्याय पर पुनर्विचार की जरूरत

• विमर्श

विजन कुमार तिवारी

विकलांगता गौरव माह अभी-अभी ख़त्म हुआ है. हर साल जुलाई महीने को विकलांगता गौरव माह के रूप में मनाया जाता है. इसकी शुरुआत 1990 में अमेरिकी विकलांगता अधिनियम, जिसे एडीए के नाम से जाना जाता है, के पारित होने से हुई. इस तथ्य पर विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण में ख़ासी नाराजगी हो सकती है कि एक ऐसे देश का कानून जिसने अभी तक विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर कन्वेंशन की पुष्टि नहीं की है, एडीए को दुनिया के बाकी हिस्सों में विकलांगों के लिए गर्व का कारण माना जाता है. हालांकि, इस पर बहस बाद में की जा सकती है. भारत में इस साल के विकलांगता गौरव माह के दौरान कई ऐसी घटनाएं घटीं, जो विकलांग नागरिकों के लिए चिंता का विषय बन कर उभरी हैं. ये घटनाएं बहुत गंभीर हैं और हमें सामूहिक रूप से इन पर ध्यान देने की ज़रूरत है, क्योंकि ये इस गणतंत्र में हमारी नागरिकता की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती हैं. आज़ाद भारत में, सिविल सेवा ने उपनिवेशवाद के तर्क को महत्व दिया है, भले ही इस में वंचित तबकों का प्रवेश भी खुला था. हालांकि, इस प्रणाली ने वंचित तबकों को केवल सीमित और अनिच्छा से प्रवेश दिया, जैसा कि सिविल सेवकों के इन ट्वीट्स से स्पष्ट है. विकलांगों के लिए सकारात्मक कार्रवाई के खिलाफ कांत और सभरवाल की शिकायत विश्वदृष्टि के पूर्वाग्रहों से आती है, जिसमें सक्षम पुरुष (और, एक सीमित सीमा तक, सक्षम महिलाएं) ही अखिल भारतीय सेवाओं के प्रतिष्ठित पदों पर काबिज हैं, यहां तक कि आज़ाद भारतीय लोकतांत्रिक गणराज्य में भी कुछ ऐसा ही है. इस बहस के दौरान कुछ जानी-पहचानी प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं हैं. अपने विकलांग शरीर से अपने अनुभवों को व्यक्त करने के बजाय, जो आम प्रतिक्रिया विकलांग सर्जनों, सिविल सेवकों और अन्य विकलांग नागरिक समाज के कार्यकर्ताओं की सफलता की कहानियों के बारे में आई हैं, वे क़ाबिल-ए-तारीफ़ हैं. हालांकि ये सफलता की कहानियां, सक्षम शरीर वाले सिविल सेवकों द्वारा प्रस्तुत रूढ़िवादिता को खारिज करती हैं, लेकिन वे विकलांगता न्याय के सवालों को मौलिक रूप से पूछने में विफल रहती हैं. विकलांग कोरियाई कार्यकर्ता मिया मिंगस का कहना है कि विकलांगता न्याय के लिए, असली सवाल यह नहीं होना चाहिए कि हम विकलांग लोगों को कैसे सामने लाते हैं, बल्कि हमें अलग-अलग तरह से विकलांग लोगों के शरीर के अंतर को स्वीकार करते हुए सबके के बारे में अलग तरह से सोचना चाहिए. ऐसा करते हुए, मिंगस विकलांगता न्याय के 'हम आपके जैसे ही है. मॉडल को नकारते हैं और जोर देते हैं कि 'हम केवल विशेषाधिकार प्राप्त लोगों की श्रेणी में शामिल नहीं होते हैं. हम उन श्रेणियों को बनाने और उन्हें बनाए रखने वाली प्रणालियों को खत्म करना चाहते हैं.' जुलाई में हुए ये घटनाक्रम इस तथ्य को उजागर करते हैं. जैसा कि कानूनी विद्वान उपेंद्र बक्सी ने इसे 'अन्याय का भूगोल' कहा है, उसमें उदार हस्तक्षेप अपनी अंतर्निहित सीमा तक हस्तक्षेप कर पाता है. संरचनाओं और सक्षम शरीर वाले गैसलाइटिंग द्वारा बनाई गई व्यवहार/मनोवृत्ति संबंधी बाधाओं और हमारी असुरक्षाओं को दूर करने के लिए हमारे विकलांगता आंदोलन को मौलिक रूप से कल्पना करने की जरूरत है. भारत के विकलांगता आंदोलन में जनवादी हस्तक्षेप की कमी जगजाहिर है. प्रमुख नारीवादी विकलांगता विद्वान अनीता घई बताती हैं कि विकलांगता अधिकारों का एजेंडा उन एजेंडों को समाहित कर लेता है, जो दिखने में तो बहुत कम मध्यम वर्ग के विशेषाधिकार प्राप्त विकलांगों से जुड़े हैं, जबकि अधिकांश विकलांग 'न्यूनतम' सुविधा पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. दुख की बात है कि विकलांगता पर इस तरह की चर्चा और आंदोलन विकलांगता के सवाल को 'गैर-राजनीतिक' के रूप में पेश करते हैं और केवल रियायतों और समायोजन के लिए संघर्ष करते हैं. विकलांगता न्याय के सवाल पर इस तरह का 'गैर-राजनीतिक' दृष्टिकोण इस तथ्य की सराहना करने में विफल रहता है कि भौतिक परिस्थितियां हमारे जीवन के अनुभवों को आकार देती हैं. निर्मला एरेवेल्स ने संक्षेप में बताया कि ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां विकलांगों के हमारे जीवन के अनुभवों को आकार देती हैं और नस्ल, जातीयता, लिंग और राष्ट्र के सवाल इन अनुभवों की मध्यस्थता करते हैं. इसलिए, भारत के विकलांगता न्याय को आज़ाद भारत के वर्चस्ववादी मर्दवादी की विभिन्न अभिव्यक्तियों को चुनौती देनी होगी.

> विकलांगों के लिए सकारात्मक कार्रवाई के खिलाफ कांत और सभरवाल की शिकायत विश्वदृष्टि के पूर्वाग्रहों से आती है, जिसमें सक्षम पुरुष (और, एक सीमित सीमा तक, सक्षम महिलाएं) ही अखिल भारतीय सेवाओं के प्रतिष्ठित पदों पर काबिज हैं, यहां तक कि आज़ाद भारतीय लोकतांत्रिक गणराज्य में भी कुछ ऐसा ही है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पेरिस ओलंपिक खेलों में कार्बन उत्सर्जन

• खेल जगत

अनिल अश्विन

पेरिस ओलंपिक खेलों के आयोजकों ने इन खेलों से होने वाले कार्बन उसर्तन को कम करने के लिए अपने स्तर पर कई महत्वपूर्ण कार्यों को अंजाम दिया है. यहां तक कि उनका दावा है कि दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन को लेकर की जा रही चिंता को समझते हुए इस आयोजन को सतत विकास (सटस्टेनबल) की राह पर चलने का हर संभव प्रयास किया गया है. बल्कि उनका तो यह भी दावा है कि वे कार्बन उत्सर्जन के मामले में अपने पूर्ववर्ती ओलंपिक आयोजकों को काफी पीछे छोड़ देंगे, लेकिन टोरंटो विश्वविद्यालय में खेल पारिस्थितिकी के सहायक प्रोफेसर और "वार्मिंग अपः हाउ क्लाइमेट चेंज इज चेंजिंग स्पोर्ट" के लेखक आर मेडेलीन कहती हैं कि इन तमाम दावों के बाद भी यह सर्वविदित है कि खेलों के समग्र कार्बन प्रभाव में अंतराष्ट्रीय यात्राओं का बहुत बड़ा योगदान होता है. यह जानते हुए कि पेरिस ओलंपिक खेलों को देखने के लिए 11 मिलियन पर्यटक आए हैं और इनमें 1.5 मिलियन तो अकेले विदेशी पर्यटक शामिल हैं. ध्यान रहे कि 2016 में ब्राजील की राजधानी रियो ओलंपिक के आयोजकों ने भविष्यवाणी की थी कि कार्बन उत्सर्जन का आधे से थोड़ा अधिक हिस्सा दर्शकों से आएगा, लेकिन खेलों के बाद पता चला कि आधे से भी अधिक यानी 80 प्रतिशत उत्सर्जन खेलों में आने-जाने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों द्वारा हुआ. आयोजकों ने उन उत्सर्जनों को कम करने की कम संभावना देखी थी और कहा कि उन्हें आयोजनों की तैयारी तथा संचालन में कहीं और अधिक क्षतिपूर्ति करने की आवश्यकता थी. ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि और क्या किया जाना चाहिए, ताकि इस प्रकार के बड़े खेल आयोजनों में कम से कम कार्बन उत्सर्जन हो. अगर दुनिया कार्बन उत्सर्जन को कम करने के बारे में गंभीर है तो ओलंपिक को बहुत सी अन्य चीजों की तरह और भी अधिक अब बदलना होगा. ओलंपिक खेलों के बारे में विस्तार से लिखने वाले जूल्स बॉयकॉफ ने साइंटिफिक अमेरिकन पत्रिका में लिखा है कि ओलंपिक खेलों को अपना आकार कम करने की जरूरत है. इसके अलावा दूर से आने वाले पर्यटकों की संख्या को सीमित करना बेहद जरूरी है. साथ ही अपनी विशाल आपूर्ति शृंखलाओं को पूरी तरह से हरित बनाने और हर पर्यावरणीय मामलों में जवाबदेही की आवश्यकता है. मेडेलीन कहती हैं कि इस ओलंपिक का सकारात्मक पक्ष यह है कि आयोजक कार्बन उत्सर्जन को कम करने के अपने प्रयासों के प्रति पूरी तरह से गंभीर हैं. आयोजकों ने खेलों के अपेक्षित कार्बन पदचिह्न (फूटप्रिंट) को मापा, ऊर्जा दक्षता के माध्यम से उत्सर्जन को कम किया, मौजूदा सुविधाओं का उपयोग करके नए निर्माण को सीमित किया, बाइक लेन अलग से बनाए गए, ईंधन से चलने वाले जनरेटर का उपयोग कम किया और पदकों और पोडियम तथा अधिकांश आयोजन सामग्री के लिए संधारणीय (सस्टेनबल) रूप से उत्पादित वस्तुओं को उपयोग किया. शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने हर मोड़ पर अपने संधारणीयता कार्य के बारे में बात की और फ्रांस तथा अन्य स्थानों में वायु प्रदूषण तथा अत्यधिक गर्मी जैसे पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में लोगों में लगातार जागरूकता बढ़ाई है. पेरिस में सीन नदी में मैराथन तैराकी और ट्रायथलॉन के तैराकी भाग की मेजबानी करने का कार्यक्रम है, लेकिन नदी को साफ करने की कोशिश में 1.4 बिलियन यूरो खर्च करने के बावजूद, फ्रांसीसी अधिकारियों को सही परिणाम प्राप्त नहीं हुए. जून में पानी के परीक्षण में अभी भी ई. कोली के उच्च स्तर दिखाई दिए. हां, यह कह सकते हैं कि लगातार परीक्षणों के बाद जून के अंत और इस महीने की शुरुआत में इस संख्या में सुधार हुआ है और तैरने के लिए सुरक्षित श्रेणी में पहुंच गईं. पेरिस के आयोजकों ने ओलंपिक विलेज में पारंपरिक एयर-कंडीशनिंग को छोड़ने की अपनी महत्वाकांक्षा को भी त्याग दिया है और उन्होंने लगभग 2,500 अस्थायी एयर-कंडीशनिंग इकाइयां स्थापित की हैं. आयोजकों को एक भूतापीय शीतलन प्रणाली पर भरोसा था, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह कमरों को बाहरी तापमान से कम से कम 11 डिग्री ठंडा रखेगा. उस तकनीक में, जिसमें गांव के फर्श के नीचे ठंडा पानी पंप करने वाली पाइपों की एक प्रणाली शामिल है, पारंपरिक एयर-कंडीशनिंग प्रणालियों की तुलना में कार्बन प्रभाव को 45 प्रतिशत तक कम करने की उम्मीद थी. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> आयोजकों ने उन उत्सर्जनों को कम करने की कम संभावना देखी थी और कहा कि उन्हें आयोजनों की तैयारी तथा संचालन में कहीं और अधिक क्षतिपूर्ति करने की आवश्यकता थी. ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि और क्या किया जाना चाहिए, ताकि इस प्रकार के बड़े खेल आयोजनों में कम से कम कार्बन उत्सर्जन हो.

मीडिया में अन्यत्र

आर्थिक तरक्की के रास्ते में चुनौतियां

विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए उनकी विकास यात्रा में सबसे बड़ा जोखिम मध्यम आय स्तर पर अटक जाना है, जिसे अर्थशास्त्री मध्यम आय जाल कहते हैं. पिछले हफ्ते जारी विश्व बैंक के एक नए अध्ययन में इस चुनौती को उजागर किया गया है. इसमें चीन, भारत, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और वियतनाम जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं सहित 108 ऐसे देशों को 'मध्यम आय वाला देश' कहा गया है जिनकी प्रति व्यक्ति आय 1,136 से 13,845 डॉलर के बीच है और जो अगले दो या तीन दशकों में उच्च आय वाले दर्जे में पहुंचने के लिए प्रयासरत हैं. हालांकि, विश्व बैंक के अर्थशास्त्रियों ने वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में 40 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले इन देशों को आगाह किया है कि उनकी आर्थिक तरक्की का पहिया अपेक्षा के अनुरूप तेजी से गति नहीं पकड़ रहा, बल्कि आय के स्तर में बढ़त के साथ सुस्त पड़ता जा रहा है. विश्व बैंक के अनुमानों के मुताबिक (सोलो-स्वान विकास मॉडल पर आधारित) ज्यादातर मध्यम आय वाले देशों को साल 2024 से 2100 के बीच उल्लेखनीय आर्थिक सुस्ती का सामना करना पड़ेगा. यह मॉडल यह संकेत देता है कि पूंजी संचय पर अत्यधिक निर्भर विकास रणनीतियां, जो कि निम्न आय और यहां तक कि कम मध्यम आय वाले चरण में भी प्रभावी थीं, अब कम लाभ दे रही हैं. जैसे-जैसे पूंजी की सीमांत उत्पादकता घटती जाएगी, अकेले संचय जैसे कारक पर निर्भरता उत्तरोत्तर कमजोर नतीजे दिखाने लगेगी. इसके अलावा इस शताब्दी के पहले दो दशकों में इन देशों में औसत वार्षिक आय वृद्धि करीब एक-तिहाई घट गई और यह 2000 के दशक के 5 फीसदी से घटकर 2010 के दशक में 3.5 फीसदी रह गई. इसमें तेज सुधार की गुंजाइश भी कम दिख रही क्योंकि मध्यम आय वाले देशों को कई चुनौतियों का सामना करना होगा, जिनमें भू-राजनीतिक तनाव में बढ़त, बढ़ता संरक्षणवाद, सरकारी हस्तक्षेप को सीमित करने वाला सार्वजनिक कर्ज, बुजुर्गों की बढ़ती आबादी और ऊर्जा परिवर्तन तथा जलवायु वित्तपोषण के लिए अतिरिक्त खर्च शामिल हैं. इस अध्ययन के अंतर्निहित निष्कर्ष इस पर भी रोशनी डालते हैं कि साल 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य हासिल करने की राह में भारत के सामने क्या चुनौतियां आने वाली हैं. विश्व बैंक के अनुसार, साल 2023 में 2,484.8 डॉलर प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के साथ भारत को एक निम्न मध्यम आय वाले देश की श्रेणी में रखा गया है. भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है, इसके बावजूद अगर मौजूदा रुझान जारी रहे तो भी अमेरिका के एक चौथाई के बराबर भी प्रति व्यक्ति आय हासिल करने में इसे अभी 75 साल लग जाएंगे.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

याद/यादगार

लगभग छः दशक पूर्व रफी साहब ने एक गाना गाया था, वह मुझे अभीतक याद है. हो सकता है आपको भी याद हो. वह गाना है-तुम याद आये, बहुत याद आये. इसे गाने में मुझे दर्द महसूस हुआ. उस विरही के लिए, जो अपनी प्रेमिका को दूर हो जाने के कारण विरह की ज्वाला में झुलस रहा है. उसके पास उसे याद करने के सिवा कोई और चारा नहीं बचा है. इन बातों से याद शब्द का महत्व समझ में आता है. याद फारसी मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. यही कारण है कि याद आप चाहें या नहीं चाहें आ ही जाती है. कुछ व्यक्तियों, वस्तुओं और घटनाओं की याद को आप चाह कर भी नहीं रोक सकते, अगर वे यादगार होते हैं. हिंदी और संस्कृत भाषा में याद शब्द के समानार्थी हैं स्मृति, स्मरण, स्मरण करने की क्रिया. वास्तव में याद मनुष्य की मानसिक और सामाजिक अनुभवों की छवियों या घटनाओं की स्मृति होती है. यह हमारे जीवन में विभिन्न क्षणों की प्रतिष्ठा करती है, जैसे खुशी, दुःख, संवाद या अन्य भावनाएं. याद हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा होती है और हमारे अनुभवों को संजीवनी देती है. याद आना का विलोम है भूल जाना. जो यादगार है, उसे भूल पाना मुश्किल हो जाता है. यादगार शब्द भी फारसी मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग है. रेख्ता उर्दू-हिंदी शब्दकोश के अनुसार यादगार का मतलब है निशानी, लक्षण, चिह्न, याद रखने योग्य, याददाश्त, बहुत अधिक उत्तम, शानदार, वह साहित्यिक और कलात्मक सेवा या रचना, जो किसी लेखक या शायर की याद को बचाये रखे, अति उत्तम साहित्यिक रचना, ज्ञान की स्मृति, साहित्यिक कार्य. वह स्मारक इत्यादि जो किसी दिवंगत व्यक्ति की सेवाओं के प्रतिफल या स्मृति में बनाई जाए, पुरानी इमारतें, जैसे मीनार, लाठ, मक़बरा इमारत इत्यादि, याद रखने योग्य, दिमाग़ में सुरक्षित रखने योग्य. मतलब वह तोहफा या चीज, जो निशानी के रूप में रखा जाये, इसलिए कि जब उसे देखें तो उस व्यक्ति की याद ताजा हो जाये.

कैसे हुई मूंछों की सरेआम हत्या

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

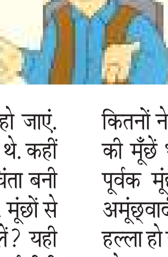

महिलाएं सदा घरों में कैद भले ही क्यों ना रही हों. लेकिन उनमें हिम्मत थी. सो वे खुलकर सामने आ गयीं. पुरुष तो सदा महिलाओं के पीछे ही भागे हैं. चूंकि महिलाएं पुरुषों के पीछे चलती थी. इसलिए ही पुरुष आगे दिखाई देते थे. लेकिन महिलाओं जितनी हिम्मत नहीं थी. इसलिए लाज, संकोच और जो कुछ महिलाओं ने छोड़ा, ये अपनाते गये. साथ ही भय व लज्जा बश नाटकों और नौटंकियों में रात-विरात अपना भाग आजमाना शुरू किया. कभी रानी, महारानी तो कभी दासी आदि भी बने. ठुमुके भी लगाये यानि नाच-गाना भी किए. फलस्वरूप नोट बरसे , सीटी बजी. सब कुछ ठीक-ठाक गया. तजुर्बा अच्छा रहा. लोग प्रभावित हुए रात-विरात सभी अपने-अपने घरों में गाहे-वगाहे ट्राई करना आरम्भ कर दिए. फिर भी दिन में मूंछ छीलकर, चोटी लगाकर, रंग-विरंगे कपड़े पहनकर निकलने की हिम्मत नहीं कर पाए. जब मूंछें थीं तो लोग डरते थे कि कहीं मूंछें नीची ना हो जाएं. इसलिए ठंडा पानी लगाकर ऊपर करते रहते थे. ऐंठते थे. कहीं मूंछें ना उखड़ जाएं, इस बात की सबको लगातार चिंता बनी रहती थी. सब बहुत ही फूंक-फूंककर कदम रखते थे. मूंछों से एक समस्या थोड़े थी. इन झंझटों से छुटकारा कैसे मिलें? यही सोचना था. न मूँछें हों और न ही यह झमेला. वैसे यह नई पीढ़ी का सोचना था. पुरानी पीढ़ी के लोगों को तो मूंछें जान सी प्यारी थीं. कहते हैं कि क्रांति एक दिन में नहीं आती है. वर्षों संघर्ष करना पड़ता है. लोग तरकीबें खोजते रहे. कामयाबी थोड़ी देर में मिली भले, लेकिन मिली तो. लगे रहने से कामयाबी तो मिल ही जाती है. इसलिए ही लोग कहीं ना कहीं लगे ही रहते हैं. कुछ लोग भले ही कहते रहें कि ' लगे हैं '. पहले लोग अक्सर कहते थे कि वे उनके मूँछों के बाल हैं. अब जब मूंछें ही नहीं हैं, तो मूंछों के बाल भी नहीं हैं. सब अपना-अपनी है. अब प्रश्न यह है कि सबसे पहले खुलेआम मूँछों का कत्ल किसने किया ? किसने यह हिम्मत दिखाई ? इस मुद्दे पर विद्वानों में मतभेद है. कुछ लोगों का कहना है कि अमूँछवादियों का दल दिनों-दिन सक्रिय होता जा रहा था. लेकिन केवल चोरी-छुपे रणनीति ही बनाई जाती रही. किसी ने भी बड़े-बूढ़ों के खिलाफ जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाई. अंततः सभी ने यह फैसला किया कि मूँछनुचवा की अफवाह फैला दो. उसके बाद अपनी-अपनी मूँछें नोच कर ठाठ से घूमो. लोगों ने यही किया, खुद अपने ही हाथों अपनी ही मूँछें नोच डाले. कुछ लोगों ने अपनी मूँछें खुद उखाड़ फेंकी तो कितनों ने दूसरों से उखड़वा डाला. इतना ही नहीं लोग दूसरों की मूँछें भी उखाड़ने में जरा सा भी नहीं सकुचाए. निर्दयता पूर्वक मूंछों के मर्दन का तांडव चलता रहा. और आज अमूंछवादी सारे विश्व में फैले हुए हैं. इसी तरह आज जब कभी हल्ला हो जाता है कि मुंह नोचवा का प्रकोप बढ़ रहा है. तो कुछ लोग कुछ लोगों के मुंह ही नोच लेते हैं. जिसका नुचता है तथा अन्य लोग यही समझते हैं कि मुंह नोचवा नोच ले गया. इसी तरह हथकटवा की अफवाह उड़ते ही, दो-चार लोग निकल ही पड़ते हैं. जिसका मर्जी हुआ उसी का हाथ काट लिए. देर सिर्फ उड़ाने की है. लोग तो तैयार बैठे रहते हैं.

चटखारा

यह है बारिश का स्वाद कनेक्शन

रानी प्रसाद
पाक कला विशेषज्ञ

रिमझिम बूंदों का स्वाद से गहरा नाता होता है. आइए, मौसम के अनुकूल कुछ चटपटे स्वाद का मजा लें.

कॉर्न टोस्ट

ये चाहिए
टॉपिंग के लिए
कॉर्न 1 कप, बारीक कटी हुई प्याज 1/4 कप, नमक और चीनी स्वाद अनुसार, मक्खन दो टेबल स्पून, बारीक कटी हुई हरी मिर्च 1 टीस्पून, काली मिर्च स्वाद के अनुसार, व्हाइट सॉस के लिए सामग्री, मक्खन दो टेबल स्पून, दूध एक कप, मैदा दो टेबल स्पून. नमक चीनी स्वाद अनुसार, काली मिर्च स्वाद अनुसार.

टोस्ट के लिए सामग्री
ब्रेड के स्लाइस 12 से 15, बारीक कसा हुआ चीज आधा कप, बारीक कटे टमाटर आधा कप, टोमेटो सॉस स्वाद अनुसार, मक्खन 4 टेबल स्पून, बारीक कटे प्याज आधा कप, बारीक कटा हरा धनिया दो टेबल स्पून,

ऐसे बनाएं
टॉपिंग बनाने के लिए मक्खन को गर्म करके उसमें प्याज और हरी मिर्च को डालकर प्याज नरम होने तक भूने. अब उसमें कॉर्न जो उबले हुए होने चाहिए नमक चीनी और व्हाइट पेपर या काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिलाएं. व्हाइट सॉस बनाने के लिए मक्खन गर्म करके उसमे मैदा डालकर थोड़ा भूने फिर उसमें दूध धीरे-धीरे डालते हुए चम्मच से चलते हुए सॉस को गाढ़ा होने तक पकाएं. सॉस में नमक और चीनी और काली मिर्च स्वाद के अनुसार मिलाएं. अब इस व्हाइट सॉस में कॉर्न का तैयार किया हुआ मिश्रण मिलाकर टॉपिक का मसाला बनाएं. अब ब्रेड के टोस्ट बना लें. टोस्ट को एक तरफ मक्खन और दूसरी तरफ टैपिंग का मिश्रण लगाकर उसे पर से चीज घिस करके डाल दें. ऊपर से थोड़े हुए कटे हुए प्याज टमाटर हरा धनिया और तीन चार बड़े चम्मच सॉस डालकर टोस्ट को ओवन में ग्रिल करें या नॉन स्टिक पैन पर ढक कर थोड़ी देर सेक लें. सॉस की जगह सेजवान सॉस का प्रयोग भी कर सकती हैं.

तंदूरी भुट्टे

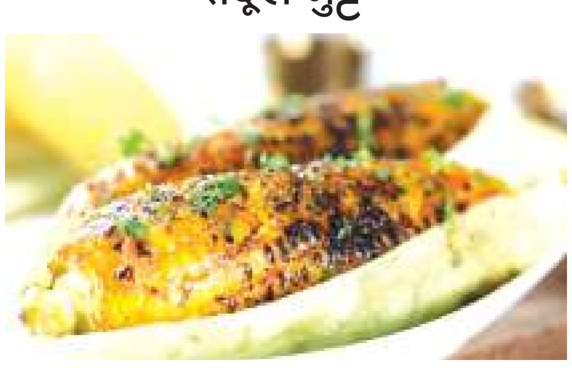

ये चाहिए
भुट्टे चार या पांच अपनी इच्छा अनुसार, गाढ़ी दही हाफ कटोरी, चिली फ्लेक्स एक चम्मच, नमक थोड़ा सा, चाट मसाला एक चम्मच, हल्दी पाउडर आधा चम्मच, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर एक चम्मच, मैगी मसाला पाउडर एक चम्मच, सरसों का तेल एक चम्मच, बटर पिघलाया हुआ दो चम्मच.

ऐसे बनाएं
सबसे पहले भुट्टो को छीलकर बड़े भागोने में पानी रखकर एक चम्मच नमक डालकर 15 मिनट के लिए उबालने रख दें. तत्पश्चात एक मरिनेशन तैयार करें. आधी कटोरी दही में चिली फ्लेक्स चाट मसाला हल्दी पाउडर कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, मैगी मसाला पाउडर और सरसों के तेल को एक साथ मिक्स करके एक तरफ रख ले. 15 मिनट में जब भुट्टे पक जाएं तब उसे पानी में से निकलकर ठंडा कर लें और उसका पानी अच्छी तरीके से सुखा लें. तत्पश्चात इन भुट्टो पर मेरी नेशन किए हुए मसाले का लेप अच्छी तरह लगा दें और गैस पर या एयर फ्रायर में इसे घुमा घुमाकर अच्छी तरह सेक लें. जब भुट्टे अच्छी तरह सिक जाएं तब इस पर ब्रश की सहायता से हल्का-हल्का बटर लगाएं और नींबू तथा काला नमक लगा दें. गरमा गरम इस भुट्टे का आनंद ले.

स्वीट कॉर्न रायता

ये चाहिए
स्वीट कॉर्न 1 कप, प्याज, 1 कप चॉप किये हुए, रिफाइंड आयल 2 टेबल स्पून, दही 2 कप, जीरा पाउडर 1 टी स्पून (भुना हुआ), लाल मिर्च पाउडर 1 टी स्पून, नमक स्वादानुसार, पिसी चीनी 1 टी स्पून, धनिया पत्ती बारीक कटी हुई.

ऐसे बनाएं
एक पैन में रिफाइंड डालकर गैस ऑन कर दें. अब इसमें स्वीट कॉर्न और प्याज़ को सॉफ्ट होने तक भूने. तत्पश्चात लाल मिर्च का पाउडर मिला दे. इसे ठंडा कर ले. दही को अच्छी तरह फेट लें. इसमें भुना जीरा पाउडर, नमक और चीनी मिलाकर फेट लें. अब इस दही के मिक्सर में स्वीट कॉर्न और प्याज को मिला दें. इसमें चाट मसाला और काला नमक भी डालेंगे तो इसका स्वाद दुगना हो जाएगा. अंत में हरे धनिये की पत्ती से गार्निश करें. स्वादिष्ट कॉर्न रायता तैयार है.

एक मीठी सी गुदगुदी और बूंदों का संगीत

सारिका भूषण

सावन मेघ का मौसम है. उमड़-घुमड़, गरज-तरज, रिमझिम और झमाझम बूंदों के नर्तन का मौसम. पूरी धरा और उसके वासियों के लिए जिन्दगी की उम्मीद का मौसम. मेघ यदि रूठ जाए तो मानो जिंदगी ने मुंह मोड़ लिया. जिंदगी के हर मोड़ पर खड़ा जीवन, सावन के ही तो इंतज़ार में रहता है. चंचल मन तो जैसे मेघों के संग खेलना चाहता है और खुले आसमान में भीगते हुए मेघों की ठंडक को अपने भीतर समा लेना चाहता है.

युवामन के तो क्या कहने? जीवन के सारे रंग सावन में हरे हो जाते हैं. प्रौढमन भी पूरी खुमारी में डूब जाता है और वृद्धावस्था तो अतीत की यादों में गोते लगाता है. कारे-कारे बदरा और हरियाली किसी को अनदेखा नहीं करती. सावन में हमारा लोकमानस जाने कितने रूपों में मेघों के आगमन का, बरसात का स्वागत करता है. मेघ मल्हार, मियां मल्हार, रामदासी मल्हार, सुरदासी मल्हार आदि-आदि हमारे शास्त्रीय गायकों की ऐसी ही अन्यान्य अभिव्यक्तियां हैं. हमारे साहित्य और हमारे लोकगीत तो खैर मेघ-महिमा से भरे ही पड़े हैं. हरिऔध, निराला, तुलसी, महादेवी आदि महाकवियों ने भी इसकी महिमा का गान उन्मुक्त, स्वछन्द भाव से किया है. हमारे महाकवि कालिदास ने तो पूरा मेघदूत ही रच डाला है.

एक मीठी सी गुदगुदी और बूंदों का गायन/ तन- मन लगा थिरकने जब से आया सावन....सच ! जब वर्षा की बूंदें प्यासी धरा को आप्लावित कर देती हैं, पवन मंद-मंद थपकियां देने लगता है, मयूर थिरकने लगते हैं, कृषक की आंखें सिर्फ आकाश निहारती हैं, तब सावन के आगमन की सूचना मिल जाती है. मीठे सपनों के झूलों में झूलती किशोरियां उमंग से नाचने लगती हैं. हवा का झोंका उन्हें ऐसी दुनिया में ले जाता है जहां सपने और कल्पनाएं पूरे यौवन की दहलीज़ पर खड़ी रहती हैं. मन बड़ा चंचल हो उठता है और सच ! किसी की नहीं सुनता. हम सभी इस मीठे अहसास से कभी न कभी गुजरते हैं. तभी तो मन गा उठता है ...

आज बरसो मेरे आंगन में ,
ऐ प्यारे मतवाले बादल !

जब इतने बड़े-बड़े साहित्यानुरागी और महापुरुष सावन की मादकता से अछूते नहीं रह सके, तो हम तो साधारण से जीव हैं. सावन की गुदगुदी, हरे रंगों की चटखता, मेहंदी की ललक, सोंधी मिट्टी की खुशबू मुझे भी बहुत सुहाती है. दिल कुछ गुनगुनाने लगता है और प्रफुल्लित भावनाएं श्वेत पन्नों पर उतर आती हैं.

- **हरी चूड़ियों की खनक और वियोग**

एक ओर जहां सावन खनकती हरी चूड़ियों के साथ पिया को रिझाती है वहीं दूसरी ओर परदेश में रह रहे पिया को बुलाती भी है. विरह के गीत गाती है. ठीक उसी तरह जैसे वियोग और विद्रोह की साकार मूरत मीरा को जब अपने सांवरियां की याद करनी होती थी, तो उसे प्रकृति पहले याद आती थी, क्योंकि वही प्रिय की भनक देती है...

" बरसां री बदरिया सावन की
सावन की मनभावन की
सावन मां उमग्यो म्हारो मण री
भणक सुनी हरि आवण की."

- **रोम-रोम में आस्था**

सावन भगवान "शिव" का भी महीना है. सावन के सोमवार का अपना ही महत्व है. सावन की फुहारें स्त्रियों, किशोरियों के रोम रोम में अपने आराध्य के लिए भक्ति की लहर दौड़ाती है. सावन में भगवान कैलाशपति को जलाभिषेक कर भक्त अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं. सुहागिनें अपने सुहाग के लिए तो बालाएं अच्छे वर पाने के लिए पूजा करतीं हैं. यह भक्ति, विश्वास एक कड़ी है जो मनुष्य को प्रकृति से जोड़ कर सद्कर्मों के लिए प्रेरित करती है. मनोबल बढ़ाती है और आत्मविश्वास जगाती है. भगवान हमारी अच्छाइयों के प्रतीक हैं और पूजा-पाठ हमें इस कवच के अंदर सुरक्षित रखता है.

- **रुद्राभिषेक पूजा**

सावन में भगवान शिव का रुद्राभिषेक पूजा बहुत महत्व रखता है.
"ओम तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात."
सावन में किया जाने वाला शिव रुद्राभिषेक, भगवान शिव को प्रसन्न करने का सबसे प्रभावी उपाय है. रुद्र अर्थात भूतभावन शिव का अभिषेक. रुद्र भगवान शिव का ही प्रचंड रूप है. शिव को ही 'रुद्र' कहा जाता है, क्योंकि रुतम्-दुःखम्, द्रावयति-नाशयतीतिरुद्रः यानी भोले बाबा सभी दुःखों को नष्ट कर देते हैं.
रुद्रहृदयोपनिषद में भगवान शिव के बारे में कहा गया है कि सर्वदेवात्मको रुद्रः सर्वे देवाः शिवात्मका अर्थात सभी देवताओं की आत्मा में रुद्र उपस्थित हैं और सभी देवता रुद्र की आत्मा हैं.

- **श्रृंगार का मास**

सारी स्त्रियों के लिए सावन, पूजन के साथ-साथ श्रृंगार प्रधान मास भी है. सभी स्त्रियां चाहे वह खेतों में फसल उगाती हों या घर-कार्यालयों में अपना कर्तव्य निभाती स्त्रियां हों, वे सभी गीत-कविता गुनगुनाती हैं, श्रृंगार करती हैं और आकाश से झड़ते बूंदों के संगीत सुनती हैं. उन्हें प्रिय हैं पिया का साथ, प्रेम के मल्हार और चूड़ियों और मेहंदी से सजे हाथ. मिट्टी की सोंधी खुशबू अहसास दिलाती है कि इस धरा से जुड़े रहने का. पक्षियों के कलरव, मयूर के नृत्य, बारिश में भींगते बच्चों की ख़ुशियां अंतर्मन से खुश कर देती हैं. प्रकृति का सौंदर्य उदास मन को बाध्य कर देता है कुछ गुनगुनाने के लिए ..... ज़िन्दगी में हरियाली ढूंढने के लिए.

- **भावों के मेघ**

एक कवि का हृदय काल चक्र के इस पड़ाव को सहृदय स्वीकारता है और उसकी भावनाएं उमड़ते मेघों की भांति चारों ओर फैल जाती है. सावन किसानों की आंखों में स्वप्न बनकर दस्तक देता है. किशोरियों के अन्तर में विह्वलता - व्यग्रता तथा मादक स्नेह भाव जग देने वाला यह सावन धन्य है. सावन काव्य की अमर-प्रेरणा, वाणी और विषय बनकर मेरे जैसे कवियों, लेखकों के हृदय में मंडराता है. धन्य है यह सावन जो अपने विरह वेदनाओं और कभी-कभार के रौद्र रूप के बावजूद प्रिय है. हे सावन तुम्हारा स्वागत है ! अभिनन्दन है !!

बूंदों की बांधनी लहरायी, गोटा पट्टी इतरायी

बरसात अपने परवान पर है. बूंदे बरसी हैं और खूब बरसी हैं. धरती तर है और वैसे ही तर है मन. राखी, तीज, जन्माष्टमी... व्रत-त्योहार का सिलसिला बस शुरू ही होने वाला है. इसके साथ सोसायटी, किटी की पार्टी में सावन मिलन और सावन क्वीन का जलवा भी. आए दिन किसी न किसी के घर इन दिनों रुद्राभिषेक भी हो रहा है जहां भक्ति तो है ही, रंग-बिरंगी साड़ियों को पहनने का सुंदर मौका भी. ऐसे में अपनी वॉर्डरोब को शेड्स, लहरिए और डिजाइनर आउटफिट्स के साथ अपडेट करें, ताकि सावन में मिले आपको स्टनिंग लुक...

लहरिया पर लहराया दिल

लहरिया के बिना मानो सावन अधूरा है. राजस्थान जैसे कुछ राज्यों में इसे सौभाग्य से जोड़कर भी देखा जाता है. अपने बिहार-झारखंड में भी महिलाओं का दिल लहरिया पर खूब लहरा रहा. सूट-साड़ी तो कई बार लहरिया की पहनी होगी. इस बार कुछ अलग तरह से लहरिया आउटफिट्स ट्राई करें. ट्रेडिशनल लुक के लिए लहरिया प्रिंट की साड़ी, सूट या लहंगा परफेक्ट है, थोड़ा अलग हटकर लुक चाहिए तो अपनी डिजाइनर मिडी या कुर्ते के साथ लहरिया जैकेट पेयर करें. टॉप और प्लाजो के साथ लहरिया दुपट्टा अटैच करके पहन सकती हैं.

बांधनी या चुनरी प्रिंट

बिना चुनरी या बांधनी प्रिंट के कपड़े पहने सावन का अहसास ही पूरा नहीं होता. कपड़े को विभिन्न बिंदुओं से कस कर बांध चंद्रकला, बावन बाग, शिकारी व अन्य पैटर्न बनाना इसकी खासियत है. बांधनी में इन दिनों एक से बढ़कर एक डिजाइनर कुर्ती मिल जाएंगी. पारंपरिक से हटकर इंडो वेस्टर्न लुक के लिए बांधनी प्रिंट कुर्ती को जींस के साथ पेयर करें. कोटी वाली कुर्तियां भी ट्रेंड में हैं. इस मौसम में गुलाबी, रानी, लाल और मल्टी-कलर बेहद सुंदर लगते हैं. नेकलाइन के लिए मल्टी-कलर की लेस अपनी ड्रेस में लगवा सकती हैं. शॉर्ट कुर्ती और गरारा विद् जैकेट ट्राई भी कर सकती हैं.

घटचोला साड़ी

राजस्थान व गुजरात की पारंपरिक घटचोला साड़ियां झारखंड-बिहार में भी खूब पसंद की जाती हैं. हालांकि कुछ साल पहले यह अधिक ट्रेंड में थीं, पर अभी भी वार्डरोब में चटकीली रंगों वाली एक घटचोला साड़ी तो होनी ही चाहिए जो सावन के तीज-त्योहार या रुद्राभिषेक जैसे मौकों पर पहनी जा सके. घटचोला साड़ी पर ब्लॉक डिजाइन में सुनहरे जरी के धागों से काम किया गया होता है जो दिखने में ब्लॉक प्रिंट जैसा दिखता है.

गोटा पट्टी

गोटा पट्टी वर्क वाली साड़ियां भी राजस्थान की ही डिजाइन होती है. इस तरह की साडियों में चमकीले गोल्डन और सिल्वर कलर के गोटे लगे होते हैं. गोटे की डिजाइन से ही इस तरह की साड़ियों को अलग-अलग मौके के हिसाब से पहना जा सकता है.

रंगों का ऑम्ब्रे इफेक्ट

इसमें कई कलर्स का ब्लेंड एक साथ डिफरेंट नजर आते हैं. बॉलीवुड के हाई फैशन सर्किल में ऑम्ब्रे इफेक्ट की साड़ियों का जबर्दस्त क्रेज नजर आता है. आलिया भट्ट, कियारा आडवाणी, करीना कपूर, जाह्नवी कपूर...ये सभी हाल के दिनों में ऑम्ब्रे इफेक्ट की साड़ी में कहर ढाती नजर आई हैं. थोड़ा मॉडर्न लुक चाहती हैं तो ऑम्ब्रे पैटर्न वन-शोल्डर ड्रेस ट्राई करें. वहीं फ्लोर लेंथ कुर्ती में आपको स्टाइलिश लुक मिलेगा. इसमें आपको हर तरह के पैटर्न और डिजाइन मिल जाएंगे.

टिप-टिप बारिश और चेहरे का निखार

बारिश में कई बार त्वचा डल और चिपचिपी सी हो जाती है. इससे बचने के लिए ये घरेलू उबटन कारगर हो सकते हैं.

- एक कटोरी में 3 चम्मच ओटमिल, 1 चम्मच गुलाबजल और एक एक चम्मच शहद व दही मिलाएं. इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट रहने दें. ओटमिल तेल को अंदर से सोख लेगा, गुलाबजल स्किन को फ्रेश बनाएगा, दही और शहद स्किन को नरिश करने का काम करेंगे.
- एक कटोरे में एक इंच केला, एक स्ट्रॉबेरी, एक चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट बना लें. अब आप इसे चेहरे पर से अप्लाई करें. यह स्किन को फर्म करने के साथ साथ स्मूथ, फ्रेश, नरिश और एजिंग से भी प्रोटेक्ट करने का काम करेगा.
- 10-10 तुलसी और नीम की पत्तियां को बारीक पीस कर अपने चेहरे पर लगाएं. तुलसी और नीम के गाढ़े पेस्ट से कई त्वचा संबंधी समस्याएं दूर होगी. तुलसी की पत्तियों के पेस्ट और दही में ओटमील मिला कर तैयार फेस पैक को चेहरे पर लगा कर 20 मिनट बाद धो लें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

नीरज चोपड़ा ने पहले ही थ्रो में मारी फाइनल में एंट्री

भाला फेंक स्पर्धा

89.34 मीटर भाला फेंका

एजेंसी । पेरिस

गत चैंपियन भारत के नीरज चोपड़ा ने मंगलवार को यहां ग्रुप बी क्वालीफिकेशन में अपने पहले ही प्रयास में 89.34 मीटर के थ्रो के साथ पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई.ग्रुप बी क्वालीफिकेशन में सबसे पहले थ्रो करने उतरे नीरज ने 89.34 मीटर से सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए आठ अगस्त को होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई गया. गत ओलंपिक और विश्व चैंपियन नीरज ने 87.58 मीटर के प्रयास के साथ तोक्यो ओलंपिक का स्वर्ण पदक जीता था. नीरज अब फाइनल में ओलंपिक के इतिहास में खिताब बरकरार रखने वाले पांचवां पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी बनने के इरादे से उतरेंगे. अगर वह खिताब जीतते हैं तो ओलंपिक व्यक्तिगत वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय भी बनेंगे.ओलंपिक की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में अभी तक एरिक लेमिंग (स्वीडन, 1908 और 1912), जोन्नी माइरा (फिनलैंड, 1920 और 1924), चोपड़ा के आदर्श जान जेलेंजी (चेक गणराज्य, 1992 और 1996) और आंद्रियास टी (नॉर्वे, 2004 और 2008) की ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में अपने खिताब का बचाव कर पाए हैं.

क्वालिफिकेशन के लिए 84 मीटर का थ्रो जरूरी

बता दें कि भाला फेंक के इस प्रतियोगिता के लिए क्वालिफिकेशन के लिए कम से कम 84 मीटर का थ्रो करना जरूरी था. सभी भाला फेंक एथलीट को 84 मीटर भाला फेंकने के लिए तीन मौके मिलते. हालांकि, जो खिलाड़ी पहले ही प्रयास में इस दूरी को हासिल कर लेता है उसके बाकी के दो अटेंप्ट नहीं करने होते हैं. यही कारण है कि नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम ने बचे हुए प्रयास में हिस्सा नहीं लिया.

फाइनल की चुनौती नहीं होगी आसान

भाला फेंक प्रतियोगिता के फाइनल में नीरज चोपड़ा के लिए चुनौती बिल्कुल भी आसान नहीं होने वाली है. फाइनल में उनकी टक्कर ग्रुप ए से क्वालीफाई करने वाले जूलियन बेवर से होगी. उन्होंने क्वालिफिकेशन में 87 .76 मीटर का थ्रो फेंका था. हालांकि, ग्रुप में भी नीरज चोपड़ा के बराबर किसी ने दूरी हासिल नहीं की, लेकिन इसके बावजूद उन्हें कड़ी टक्कर मिलेगी. ग्रुप ए में जूलियन बेवर के अलावा जूलियस येगो ने 85 .97 मीटर का थ्रो फेंका और दूसरे स्थान पर रहते हुए उन्होंने क्वालीफाई किया. वहीं तीसरे वाल्डेज याकूब रहे जिन्होंने 85 .63 मीटर दूर भाला फेंका. इसके अलावा टोनी केरानन ने 85 .27 मीटर थ्रो कर फाइनल में जगह बनाई.

किशोर जेना की चुनौती समाप्त

पेरिस। भारत के किशोर जेना मंगलवार को पुरुष भाला फेंक के ग्रुप ए क्वालीफिकेशन में 80.73 मीटर के प्रयास से नौवें और कुल 18वें स्थान पर रहते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों से बाहर हो गए. ग्रुप बी में चुनौती पेश करने वाले गत चैंपियन भारत के नीरज चोपड़ा 89.34 मीटर के अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ दोनों ग्रुप में शीर्ष पर रहे. ग्रुप ए और बी क्वालीफिकेशन से 84 मीटर या इससे अधिक का थ्रो करने वाले सभी खिलाड़ी या दोनों ग्रुप से शीर्ष 12 खिलाड़ियों गुरुवार को होने वाले फाइनल में जगह बनाई. जेना ने अपने पहले प्रयास में भाले को 80.73 मीटर की दूरी तक फेंका लेकिन अपने दूसरे प्रयास में फाउल कर गए. उन्होंने अपने तीसरे और अंतिम प्रयास में भाले को 80.21 मीटर की दूरी तक फेंका. जर्मनी के जूलियन वेबर अपने पहले ही प्रयास में 87.76 मीटर के प्रयास से शीर्ष पर रहे और फाइनल के लिए क्वालीफाई कर गए. कीनिया के पूर्व विश्व चैंपियन जूलियस येगो (85.97 मीटर) और तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के याकुब वालडेच (85.63 मीटर) ने क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई. फिनलैंड के टोनी केरानेन (85.27 मीटर) भी भाले को 84 मीटर से अधिक दूर फेंककर ग्रुप ए से सीधे फाइनल में जगह बनाने वाले चौथे खिलाड़ी रहे. जेना ने पिछले साल अक्टूबर में एशियाई खेलों का रजत पदक जीतने के दौरान 87.54 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था. इसके बाद मंगलवार से पहले वह छह प्रतियोगिताओं में सिर्फ एक बार 80 मीटर की दूरी को पार करने में सफल रहे.

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. चीन	21	17	13	51
2. अमेरिका	19	27	26	72
3. फ्रांस	12	14	18	44
4. ऑस्ट्रेलिया	12	11	8	31
5. ब्रिटेन	10	12	16	38
6. द. कोरिया	11	08	07	26
7. जापान	10	5	11	26
8. इटली	08	10	06	26
9. नीदरलैंड	6	5	4	15
10. जर्मनी	6	5	2	13
54. भारत	0	0	3	3

किरण पहल का 400 मीटर दौड़ में सफर खत्म

पेरिस। भारत की किरण पहल मंगलवार को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 400 मीटर दौड़ के रेपेचेज चरण में अपनी हीट में छठे स्थान पर रहने के बाद फाइनल से बाहर हो गयी. सोमवार को अपना 24वां जन्मदिन बनाने वाली किरण ने अपनी हीट में 52.59 सेकेंड के समय के साथ छह खिलाड़ियों में आखिरी पायदान पर रही. वह कुल 26 खिलाड़ियों में 23वें स्थान पर रही. रेपेचेज दौर की चार हीट में प्रत्येक में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ियों के अलावा सर्वश्रेष्ठ समय निकालने वाली दो अन्य ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया. किरण ने जून में राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 50.92 सेकंड का समय निकालकर पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया था. वह ओलंपिक मे हालांकि इस प्रदर्शन को दोहराने में विफल रही. इससे पहले सोमवार को वह 52.51 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट में सातवें पायदान पर थी.

पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंची पहली भारतीय महिला पहलवान विनेश

गोल्ड से एक कदम दूर फोगाट

एजेंसी । पेरिस

विनेश फोगाट ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गई जिन्होंने क्यूबा की युसनेलिस गुजमैन लोपेज को 5 . 0 से हराकर पेरिस ओलंपिक में महिला कुश्ती स्पर्धा के 50 किलोवर्ग में स्वर्ण पदक जीतने की ओर कदम रख दिया. इससे पहले उन्होंने बड़ा उलटफेर करते हुए अब तक अपराजेय मौजूदा चैम्पियन युई सुसाकी को शिकस्त देने के बाद यूक्रेन की ओक्साना लिवाच को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी. इसी लय को कायम रखते हुए उन्होंने लोपेज को 5-0 के अंतर से शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटाया. इस स्पर्धा का फाइनल बुधवार को खेला जायेगा और विनेश के सामने अमेरिका की सारा ऐन हिल्डेब्रांड की चुनौती होगी.

विनेश भारत की पहली महिला पहलवान है जो ओलंपिक के किसी वर्ग के फाइनल में पहुंची है. पुरुष वर्ग में सुशील कुमार और रवि दाहिया को ओलंपिक फाइनल खेलना का अनुभव है लेकिन ये दोनों रजत पदक ही जीत पाये थे, ऐसे में विनेश के पास कुश्ती में देश का पहला स्वर्ण पदक विजेता बनने का मौका होगा. विनेश रियो और तोक्यो ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी . विनेश अपने शुरुआती मुकाबले से ही शानदार लय में दिखी. उन्होंने शुरुआती दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त सुसाकी को 3-2 से हराकर बड़ा उलटफेर किया.

तोक्यो स्वर्ण पदक विजेता को हराया : तोक्यो खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और चार बार की विश्व चैंपियन सुसाकी ने इससे पहले अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 82 मुकाबलों में से किसी में भी हार का सामना नहीं किया था. जापान की इस खिलाड़ी को शायद ही इस बात का अंदाजा था कि इन खेलों के पहले मुकाबले में ही उन्हें किस चुनौती का सामना करना है. विनेश ने आखिरी कुछ सेकेंडों में मैच का पासा पलटते हुए 3-2 की यादगार जीत दर्ज की. उन्होंने इसके बाद क्वार्टर फाइनल में पूर्व यूरोपीय चैंपियन और 2018 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता लिवाच की चुनौती को 7-5 से खत्म किया. उन्होंने इस लय को सेमीफाइनल में जारी रखते हुए क्यूबा की पहलवान को अंक बनाने का कोई मौका नहीं दिया. लोपेज ने शुरुआती पीरियड में विनेश के पैर पर पकड़ बनाने की कोशिश की लेकिन उनके अतिरक्षात्मक खेल के कारण भारतीय पहलवान को एक अंक की बढ़त बनाने की मौका मिल गया.

क्यूबा की पहलवान को 5-0 से हाराया : क्यूबा की पहलवान ने इसके बाद विनेश पर पकड़ बनाने की कोशिश की लेकिन विनेश के शानदार रक्षण के आगे उनका प्रयास विफल हो गया.अपना तीसरा ओलंपिक खेल रही 29 साल की विनेश इन खेलों में अपने पहले पदक से अब केवल एक जीत दूर है. विनेश के पास ओलंपिक छोड़ हर बड़े खेल का पदक है. इसमें राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण, एशियाई खेल का खिताब, विश्व चैंपियनशिप के दो कांस्य के साथ एशियाई चैम्पियनशिप के आठ पदक शामिल हैं. वह रियो और तोक्यो ओलंपिक में हालांकि पदक नहीं जीत सकी थी. भारत के राष्ट्रीय कोच वीरेंद्र दहिया ने अंतिम पंघाल के ड्रॉ के लिए रवाना होने से पहले कहा, ''यह एक चमत्कार है, विनेश ने आज जो किया है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है. निशा की चोट के कारण सोमवार का दिन बहुत दुखद था, लेकिन विनेश ने उस दर्द को कुछ कम किया है.'' जापान की पहलवान के खिलाफ जीत के बाद सिर्फ भारतीय खेमा ही नहीं बल्कि ड्रॉ के इस हाफ में शामिल अन्य पहलवान भी जश्न मना रहे थे. विनेश के खिलाफ अंतिम आठ में 5-7 की करीबी हार के बाद लिवाच ने कहा, ''विश्व चैंपियन के बाहर होने के बाद, मुझे लगा कि अब मेरे पास बेहतर मौका होगा लेकिन विनेश बहुत मजबूत थी.

सेफा में क्यूबा की युसनेलिस गुजमैन लोपेज को दी पटखनी

क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन की ओसाना लिवाच को हराया

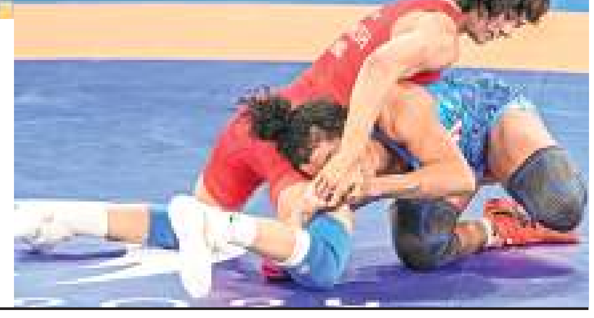

- ओलंपिक में विनेश फोगाट ने पक्का किया पदक
- आज होगा मुकाबला रजद व स्वर्ण के लिए मुकाबला

भारतीय हॉकी टीम का स्वर्ण जीतने का सपना टूटा

सेफा में जर्मनी ने 3-2 हराया

- आठ को कांस्य पदक के लिए में स्पेन से खेलेगी

एजेंसी । पेरिस

ओलंपिक में 44 साल बाद स्वर्ण जीतने का भारतीय हॉकी टीम का सपना जर्मनी के हाथों सेमीफाइनल में 2- 3 से मिली हार से टूट गया और अब तक अभेद दिख रहे भारतीय डिफेंस में विश्व चैम्पियन टीम ने बड़ी चतुराई से सेंध मारकर टीवी के आगे देर रात नजरें गड़ाये बैठे करोड़ों भारतीयों का दिल भी तोड़ दिया . अब कांसे के लिये आठ अगस्त को स्पेन से खेलेगी. वहीं फाइनल जर्मनी और नीदरलैंड के बीच होगा.

भारत के लिये सातवें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने और 36वें मिनट में सुखजीत सिंह ने गोल किया जबकि जर्मनी के लिये गोंजालो पेयाट ने 18वें, क्रिस्टोफर रूर ने 27वें और मार्को मिल्टकाउ ने 54वें मिनट में गोल दागे. आठ बार की भारत को मैच में 12 पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन दो ही गोल में बदल सके . भारत ने बेहद आक्रामक शुरूआत करते हुए दूसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर बनाया जिस पर हरमनप्रीत का शॉट बचा लिया गया. अगले मिनट में फिर मिला पेनल्टी कॉर्नर भी बेकार गया.भारत को सातवें मिनट में लगातार चार पेनल्टी कॉर्नर मिले और चौथे को हरमनप्रीत ने गोल में बदला. भारतीय कप्तान का यह पेरिस ओलंपिक में आठवां गोल था. पहले 15 मिनट में भारत ने दबदबा बनाये रखा और विरोधी गोल पर लगातार हमले बोले. दूसरे क्वार्टर में जर्मनी ने आक्रामक वापसी की और 18वें मिनट में मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर बनाया जिसे पेलाट ने गोल में बदला. इसके दो मिनट बाद भारत के सामने गोल करने का मौका था लेकिन टूर्नामेंट में भी तक दो गोल कर चुके अभिषेक का निशाना गोल के ठीक सामने चूका. इस बीच जर्मनी को 27वें मिनट में मिला पेनल्टी कॉर्नर वीडियो रेफरल पर पेनल्टी स्ट्रोक में बदला गया जिसे रूर ने गोल में बदलकर भारत पर 2-1 से बढत बना ली. हाफटाइम तक जर्मनी के पास यह बढत बरकरार रही . इस बीच जर्मन स्ट्राइकर लगातार भारतीय गोल के भीतर ही गेंद को रखे हुए थे और तीन मिनट बाद मार्को मिल्टकाउ ने पेयाट के बेहतरीन पास पर उतनी ही खूबसूरती से स्टिक का कमाल दिखाकर गेंद को गोल के भीतर डाला .

चानू की नजर पेरिस में पदक पर

एजेंसी । पेरिस

तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीत कर कर्णम मल्लेश्वरी से आगे निकलने वाली मीराबाई चानू पिछले कुछ समय में चोटों से जूझने के बावजूद बुधवार को यहां पेरिस ओलंपिक खेलों में पोडियम पर पहुंच कर दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की पहली भारोत्तोलक बनने का प्रयास करेंगी. मीराबाई ने पिछले ओलंपिक खेलों के पहले दिन ही पदक जीतकर भारत का खाता खोला था और काफी सुर्खियां बटोरी थी, लेकिन इसके बाद वह चोटों से परेशान रही जिसके कारण पेरिस ओलंपिक के लिए अच्छी तरह से तैयारी नहीं कर पाई. तोक्यो ओलंपिक के बाद उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन राष्ट्रमंडल खेल 2022 में रहा, जहां उन्होंने 201 किग्रा (88 किग्रा और 113 किग्रा) उठाया. उन्होंने तोक्यो में 202 किग्रा (87 किग्रा और 115 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक जीता था.मीराबाई अपने पसंदीदा 49 किग्रा भार वर्ग में चुनौती पेश करेगी और अगर वह अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दोहराने में सफल रहती है, तो फिर रजत या कांस्य पदक जीत सकती हैं. इस वजन वर्ग में चीन की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन होउ झिहुई फिर से स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार हैं.

मीराबाई ने कूल्हे की चोट से उबरने के बाद वापसी की है, लेकिन उनकी फिटनेस को लेकर अब भी कयास लगाए जा रहे हैं. राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने हालांकि दावा किया कि मणिपुर की रहने वाली यह खिलाड़ी पूरी तरह से फिट है. शर्मा ने कहा, हम जानते हैं कि मीराबाई को 200 किग्रा से अधिक वजन उठाना होगा. उनके लिए इस बार 202 किग्रा में कटौती नहीं की जाएगी, लेकिन उन्हें 205-206 किग्रा तक जाना चाहिए. हम चुनौती के लिए तैयार हैं.

टूर्नामेंट

श्रीलंका से 27 साल बाद सीरीज गंवाने से बचने के लिए स्पिनरों पर हावी होना होगा रोहित सेना को

सीरीज बराबर करने उतरेंगे आज टीम इंडिया के धुरंधर

एजेंसी । कोलंबो

पहले दो मैच में बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन से आहत भारतीय क्रिकेट टीम को अगर श्रीलंका से 27 साल बाद सीरीज गंवाने से बचना है, तो उसको बुधवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में स्पिनरों पर हावी होकर खेलना होगा.गौतम गंभीर की मुख्य कोच के रूप में यह पहली वनडे सीरीज है और वह निश्चित तौर पर हार के साथ शुरुआत नहीं करना चाहेंगे. भारत को श्रीलंका के खिलाफ आखरी बार वनडे सीरीज में हार का सामना 1997 में करना पड़ा था. अर्जुन रणतुंगा की अगुवाई वाली टीम ने तब सचिन तेंदुलकर की भारतीय टीम को तीनों मैच में हराया था. भारत और श्रीलंका के बीच तब से 11 वनडे सीरीज हो चुकी हैं और इन सभी में भारतीय टीम विजयी रही.भारत वर्तमान सीरीज को नहीं जीत पाएगा क्योंकि पहला मैच टाई छूटने के बाद दूसरे मैच में उसे 32 रन से हार का सामना करना पड़ा था. अब उसकी निगाह सीरीज बराबर करने पर टिकी है. भारत बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण इस स्थिति में पहुंचा है. आर प्रेमदासा स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को काफी मदद मिल रही है और कप्तान रोहित शर्मा को छोड़ कर भारत का कोई भी अन्य बल्लेबाज श्रीलंका के स्पिनरों का डट कर सामना नहीं कर पाया है. स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अभी तक दो मैच में 38 रन ही बना पाए हैं. उन्होंने आसानी से अपना विकेट गंवाया है जो टीम के लिए चिंता का विषय है. कोहली इस मैच में उसकी भरपाई करने की पूरी कोशिश करेंगे. कोहली को रोहित से मिली आक्रामक शुरुआत को ही आगे बढ़ाने की जरूरत है, लेकिन अभी तक वह इसमें नाकाम रहे हैं. उन्हें संघर्षरत मध्यक्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर पारी को संवारना होगा. इसके लिए उन्हें और अन्य बल्लेबाजों को रोहित की तरह स्पिनरों पर हावी होकर खेलना होगा. श्रीलंका के स्पिनर भारत के अन्य बल्लेबाजों के लिए भी अबूझ पहेली बने हुए हैं. स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने वाले शिवम दुबे पिछले मैच में जैफ्री वांडरसे की आसान लेग स्पिन को भी नहीं समझ पाए. श्रेयस अय्यर और केएल राहुल भी अभी तक श्रीलंका के स्पिनरों को खेलने में असफल रहे हैं.

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा.

श्रीलंका : चरित असलांका (कप्तान), पाथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानगे, निशान मदुश्का, डुनिथ वेललागे, चमिका करुणारत्ने, अकिला धनंजय, मोहम्मद शिराज, महीश थीक्षाना, असिथा फर्नांडो, ईशान मलिंगा , जेफ्री वांडरसे.

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2.30 बजे शुरू होगा.

दिनेश कार्तिक पार्ल रॉयल्स से जुड़ने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने

एजेंसी । नयी दिल्ली

पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को मंगलवार को पार्ल रॉयल्स ने एसए20 के तीसरे सत्र के लिए अनुबंधित किया, जिससे वह अगले साल नौ जनवरी से शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीकी टी20 क्रिकेट लीग से जुड़ने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन गए. आईपीएल में लंबे समय तक खेलने वाले 39 वर्षीय कार्तिक ने इस साल जून में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था और उन्हें आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने मेंटर (मार्गदर्शक) सह बल्लेबाजी कोच के रूप में नियुक्त किया है.भारत के लिए तीनों प्रारूपों में 180 मैच खेलने वाले कार्तिक ने कहा, दक्षिण अफ्रीका में खेलने और वहां जाने की मेरी बहुत सारी यादें हैं और जब यह अवसर आया तो मैं मना नहीं कर सका क्योंकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापस आना और रॉयल्स के साथ इस अविश्वसनीय प्रतियोगिता को जीतना कितना खास होगा. कार्तिक ने पिछला प्रतिस्पर्धी टी20 मैच आईपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए खेला था.

ब्रीफ खबरें

आम के पेड़ से लटकी मिली युवक की लाश

समस्तीपुर । जिले के शिवाजी नगर थाना क्षेत्र के रहियार गांव में एक युवक का शव आम के पेड़ से लटका हुआ मिला है. शव मिलने के बाद गांव में हड़कंप मच गया. जिसके बाद ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस ने मृत युवक की पहचान सीमावर्ती दरभंगा जिले के बिरौल थाना क्षेत्र के परशम्मा गांव निवासी सन्नी चौधरी के रूप में की है. पुलिस ने बताया कि सन्नी चौधरी पिछले 20 दिन से अपनी नानी के घर पर रह रहा था.

मकान के तहखाने से विदेशी शराब बरामद

पटना । बिहार में पिछले 8 सालों से शराबबंदी कानून लागू है. बावजूद इसके राज्य में धड़ल्ले से शराब का अवैध कारोबार जारी है. शराब तस्कर आए दिन शराब की तस्करी करने के लिए अलग अलग हथकंडे अपना रहे हैं. वहीं पुलिस भी लगातार शराब तस्करों पर नकेल कसने के लिए कार्रवाई कर रही है. मामला पटना है जहां पुलिस ने विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद की है. दरअसल, यह कार्रवाई जक्कनपुर थाने की पुलिस ने की है. जानकारी अनुसार जक्कनपुर थाना क्षेत्र के चिरैयाटांड़ रामनरेश सिंह गली में किराए के मकान से तहखाने में छुपा कर रखी शराब बरामद किया गया है.

गबन मामले में पैक्स अध्यक्ष पर केस दर्ज

पूर्वी चंपारण । जिले के छौड़ादानो प्रखंड के कोदरकट पैक्स अध्यक्ष के विरुद्ध लगभग 57 लाख के धान गबन मामले में केस दर्ज कराई गई है. जिला सहकारिता पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी छौड़ादानो के द्वारा कोदरकट पैक्स अध्यक्ष के विरुद्ध धान अधिप्राप्ति में अनियमितता बरतने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. उल्लेखनीय है,कि बिहार राज्य खरीफ विपणन 2023-24 में कोदरकट पैक्स अध्यक्ष द्वारा कुल 469.70 एमटी धान क्रय किया गया था. जिसका समतुल्य सीएमआर 319.4 एमटी आपूर्ति की जानी थी.

अपराधियों ने 19 गोलियां मारी, पूर्व में बेटे पर भी हुआ था हमला

अपराधियों ने पूर्व मुखिया को दौड़ा-दौड़ा कर गोली मारी, मौत

संवाददाता ।बेतिया

बेतिया में बेखौफ अपराधियों ने मुखिया को गोलियों से छलनी कर दिया, जिससे घटनास्थल पर ही

उनकी मौत हो गई. घटना बानुछापर थाना क्षेत्र के रेलवे गुमटी के पास की है. मृतक महना गनी पंचायत के पारस पकड़ी गांव निवासी पूर्व मुखिया जितेंद्र सिंह थे. अपराधियों ने उन्हें 19 गोलियां मारी हैं. हालांकि आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने पूर्व मुखिया को इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया में भर्ती कराया, जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.

घटना के बाद अस्पताल में लगी भीड़.

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि जितेंद्र सिंह बेतिया से अपने घर बानूछापर जा रहे थे. उनका पुराना घर महना गनी पंचायत के पारस पकड़ी गांव मे है. हालांकि वे बानूछापर में भी अपना घर बनाए हुए हैं. तभी पहले से घात लगाए अपराधियों ने उनके बाइक को रेलवे गुमटी के पास रोक दिया और कनपटी पर हथियार तान दिया. जितेंद्र सिंह बाइक छोड़कर भागने लगे, लेकिन अपराधी उनके पीछे दौड़ गये. जीतेंद्र सिंह भागते रहे और अपराधी उन पर पीछे से फायरिंग करते रहे. इस तरह अपराधियों ने उन्हें रेलवे गुमटी के पास ही गोलियों से छलनी कर दिया. हालांकि मृतक कुछ दूर भागते हुए लोगों से बचाने की गुहार लगाते रहे. इस बीच रास्ते से गुजर रहे एक व्यक्ति ने उनको देखकर घटना की सूचना पुलिस को दी, लेकिन तबतक घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई. अपराधियों ने मुखिया को उन्नीस गोली मारी है, जिससे इलाके में सनसनी फैली हुई है.

दो वर्ष पहले बेटे को भी चाकू मारा था : मृतक जितेंद्र सिंह पिछले दो बार महना गनी पंचायत के मुखिया रह चुके हैं. बेतिया बस स्टैंड में उनकी बस भी चलती है. वह ठेकेदारी भी करते थे. लगभग दो 2 वर्ष पहले टेंडर को लेकर उनके बेटे को भी अपराधियों ने चाकू गोदकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था. अब पुलिस मामले को लेकर जांच पड़ताल कर रही है. घटना की जानकारी मिलते ही बेतिया एसपी अमरकेश डी घटनास्थल पर पहुंचे. मौके पर सदर एसडीपीओ विवेक दीप, मुफस्सिल थानाध्यक्ष अभिराम सिंह, बानुछापर थाना प्रभारी संतोष कुमार, टेक्निकल सेल प्रभारी ज्वाला सिंह समेत कई थानों की पुलिस भी पहुंची. घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम भी पहुंची है, जो मामले की जांच कर रही है. घटना के संबंध में सदर एसडीपीओ विवेक दीप ने बताया कि गोली लगने से महना गनी पंचायत के पूर्व मुखिया जितेंद्र सिंह की मौत हुई है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. पुलिस हर एक बिंदु पर गहनता से जांच पड़ताल कर रही है.

पोस्टमार्टम कराने से किया इंकार : सोमवार की रात अस्पताल में शव पहुंचने के बाद परिजनों और मृतक के रिश्तेदारों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया. उनका कहना था कि पहले अपराधियों की गिरफ्तारी हो फिर पोस्टमार्टम होगा. हालांकि एसडीपीओ विवेक दीप के समझाने के बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाया. वहीं अस्पताल परिसर में 2:00 बजे रात तक काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी रही. परिजनों का कहना था कि इससे पहले जितेंद्र के बेटे पर भी चाकू से हमला हुआ था. अगर पुलिस कार्रवाई की होती तो आज यह दिन देखना नहीं पड़ता. घटना के बाद परिजनों में पुलिस प्रशासन के खिलाफ आक्रोश था.

औरंगाबाद में तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत

औरंगाबाद । औरंगाबाद में तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई है. सोमवार की शाम एक बच्चे का शव और दूसरे का शव करीब 14 घंटे के बाद मंगलवार की सुबह निकाला गया. पोईवां रोड स्थित बैजनाथ बिगहा गांव में सोमवार की शाम तालाब में ये लोग डूब गए थे. ग्रामीणों ने बताया कि गांव के बच्चे तालाब के किनारे गेंद खेल रहे थे. इसी दौरान गेंद निकालने के लिए पांच बच्चे कूदे और फिर नहाने लगे, लेकिन दो डूब गए. मृतक बच्चों की पहचान बैजनाथ बिगहा गांव निवासी गुड्डू कुमार के 10 वर्षीय पुत्र आयुष कुमार एवं प्रमोद कुमार के 12 वर्षीय पुत्र राकेश कुमार के रूप में की गई है. आक्रोशित ग्रामीणों ने मंगलवार की सुबह बैजनाथ बिगहा के समीप औरंगाबाद-पोईवां रोड को जाम कर दिया. आक्रोशित ग्रामीणों ने जिला एवं पुलिस प्रशासन पर उदासीन रवैया बरतने का आरोप लगाते हुए सड़क को लगभग तीन घंटे तक जाम रखा. आक्रोशित ग्रामीणों ने बताया कि वे लोग रात में अधिकारियों एवं पुलिस प्रशासन को फोन लगाते रहे, लेकिन किसी ने संज्ञान नहीं लिया. शव निकलने के बाद थानाध्यक्ष ने शव को लेकर नगर थाना आने की बात कही. ग्रामीण मृतक बच्चों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे. सड़क जाम की सूचना पर औरंगाबाद बीडीओ पहुंचे. ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया. ग्रामीण मौके पर ही मुआवजा देने की मांग कर रहे थे.

नीतीश मंत्रिमंडल की बैठक में कई अहम फैसले

पीएमसीएच में 4315 पदों के सृजन समेत 36 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

संवाददाता ।पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 36 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई. बैठक में पीएमसीएच में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली के मानकों के अनुरूप 4315 नए पद सृजित किए गए हैं. इसके साथ स्वास्थ्य और परिवहन विभाग में नौकरी देने का फैसला लिया है. कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने बताया कि खान एवं भूतत्व विभाग में चार पदों का सृजन किया गया है. दो पद अपर निदेशक और दो पद उप निदेशक खनिज के लिए सृजन करने की मंजूरी मिली है.

अपर निदेशक खनिज विकास के लिए एक पद एवं उप निदेशक खनिज विभाग के लिए एक पद की प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किए जाने का प्रस्ताव भी कैबिनेट में पास किया गया है. इसके साथ उद्योग विभाग की ओर से हस्तकरघा एवं रेशम निदेशालय के अंतर्गत आने वाले 610 पदों को समाप्त कर दिया गया है. इसके अलावा राजपत्रित 20 नए पद एवं अराजपत्रित 116 नए पद यानी कुल 136 नए पदों के सृजन की स्वीकृति मंगलवार को कैबिनेट में मिली है.

दूसरी ओर बिहार सरकार ने उद्योग नीति में बदलाव किया है. बिहार की कंपनी को अब टेंडर मिलेगा. कंपनी को बिहार में जीएसटी रजिस्टर्ड होना चाहिए. एल वन अधिक दर रहने वाली कंपनी को टेंडर दिया जाएगा . एक साल पुरानी जो कंपनी होगी उसको भी लाभ मिलेगा. अभी बिहार के बाहर की जो कंपनियां उन्हें ज्यादा टेंडर मिल रहा है. स्वास्थ्य और परिवहन विभाग में नई नौकरियां देने की बात कही गई. बिहार अवर सांख्यिकी संवर्ग संशोधन नियमावली 2024 को स्वीकृति मिल गई है. खनन विभाग में नियुक्तियां होंगी. मुख्यालय स्तर पर अपर निदेशक (खनिज विकास) और उप निदेशक (खनिज विकास) के एक-एक पद पर नियुक्ति की जाएगी. बालू की अवैध ढुलाई और खनन की जानकारी देने वालों को इनाम दिया जाएगा. पाटलिपुत्र खेल परिसर कंकड़बाग के पास 1.6 एकड़ जमीन आवास बोर्ड ने खेल विभाग को दी है. इसके लिए 48 करोड़ रुपये दिए गए हैं.

बिहार कर्मचारी राज्य बीमा योजना के तहत महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता की भर्ती, प्रोन्नति और सेवा शर्त के लिए नया नियम बनेगा. बिहार कर्मचारी राज्य बीमा योजना महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता भर्ती, प्रोन्नति एवं सेवा शर्त संवर्ग संशोधन नियमावली 2024 को मंजूरी मिल गई है. सड़क हादसे कम करने के लिए गाड़ियों की स्पीड लिमिट तय होगी.

आईएएस संजीव हंस को पटना हाईकोर्ट राहत

दुष्कर्म की एफआईआर को किया रद्द

संवाददाता ।पटना

भारतीय प्रशासनिक सेवा (भाप्रसे) के अधिकारी संजीव हंस को मंगलवार को पटना हाई कोर्ट से रेप के केस में राहत मिल गयी है. संजीव हंस ने अपने खिलाफ दर्ज रेप और ब्लैकमेल के केस को रद्द करने के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी. हाई कोर्ट में जस्टिस संदीप कुमार की पीठ ने फैसला सुनाते हुए रेप के एफआईआर को रद्द कर दिया. पटना हाई कोर्ट में याचिका दायर होने के साथ ही कोर्ट ने संजीव हंस के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई करने पर रोक लगा दी थी. कोर्ट ने इस मामले में 21 जून को आखिरी सुनवाई की थी और फिर फैसला सुरक्षित रख लिया था. आज जस्टिस संदीप कुमार की बेंच ने इस मामले में फैसला सुनाया. जस्टिस संदीप कुमार ने कहा कि रेप के इस मामले में एफआईआर काफी देर से दर्ज कराया गया है. हाई कोर्ट की बेंच ने एफआईआर को लेकर कई और सवाल उठाये हैं और उसे रद्द करने का आदेश दिया है.

दूसरी ओर पीड़िता के अधिवक्ता दीनू कुमार ने कहा कि वे हाई कोर्ट के फैसले का अध्ययन कर रहे हैं. इसके बाद आगे की कार्रवाई पर विचार करेंगे. दीनू कुमार ने कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट जाकर भी पीड़िता के लिए न्याय मांगेगे.

संजीव हंस के खिलाफ रेप का केस बिहार के औरंगाबाद की एक महिला ने किया था. महिला का आरोप था कि राजद के तत्कालीन विधायक गुलाब यादव ने उसे धोखे से अपने फ्लैट पर बुलाकर रेप किया और फिर उसका वीडियो बनाया. वीडियो के आधार पर महिला को ब्लैकमेल किया गया. महिला ने आरोप लगाया था कि उसे दिल्ली और पुणे जैसे शहरों के बड़े होटलों में बुलाकर गुलाब यादव और उसके पार्टनर संजीव हंस ने रेप किया था. रेप के कारण उसे एक बच्चा भी हुआ है. महिला ने 2022 में पटना पुलिस में रेप की शिकायत की थी लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं किया. इसके बाद महिला ने कोर्ट में याचिका दायर कर एफआईआर दर्ज करने की गुहार लगायी थी.

मेटा इंश्योरेंस के नाम पर डेढ़ करोड़ की ठगी, पांच कर्मचारी निलंबित

Meta

संवाददाता ।नवादा

नवादा जिले के रजौली में अवस्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा में मेंटा इंश्योरेंस के नाम पर दो दर्जन उपभोक्ताओं से डेढ़ करोड़ की ठगी की गई है. इस मामले में बैंक के प्रबंधक सहित पांच कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है. मंगलवार को पटना से पहुंचे उच्च स्तरीय टीम इस मामले की जांच कर रही है. जांच करने पहुंची टीम के कारण ही इस डेढ़ करोड़ की ठगी का मामला सार्वजनिक हुआ है. विशेष रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जा रही है.

बिहार में एक बार फिर मॉनसून हुआ सक्रिय

अगले दो दिनों तक बारिश की संभावना

संवाददाता ।पटना

बिहार में एक बार फिर से मानसून पूरी तरह से सक्रिय हो गया है. राजधानी पटना समेत राज्य के अधिकांश हिस्सों में छिटपुट बारिश से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है. मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिनों तक राज्य के कई जिलों में भारी बारिश की संभावना है. मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, अगले 24 घंटे के भीतर राजधानी समेत राज्य के अन्य जिलों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है.

मौसम विभाग ने मंगलवार को राज्य के 6 जिलों वैशाली, सारण, सीवान, गोपालगंज, किशनगंज और भोजपुर में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग ने बारिश के दौरान लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है और कहा है कि जरूरत पड़ने पर ही बारिश के दौरान घर से बाहर निकलें और आपदा प्रबंधन विभाग की तरफ से जारी निर्देशों को पालन करें. बता दें कि पिछले 24 घंटों में राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हुई है, जिससे मौसम में बदलाव देखा जा रह है.

कारोबार

ओयो 25 नए होटल खोलने की योजना बनाई

नयी दिल्ली । यात्रा प्रौद्योगिकी मंच ओयो की मूल कंपनी ओरावेल स्टेज ने मंगलवार को कहा कि उसकी योजना चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 'संडे' ब्रांड के तहत 25 नए होटल खोलकर अपने प्रीमियम खंड का विस्तार करने की है. संडे होटल्स सॉफ्टबैंक समूह और ओयो की मूल कंपनी ओरावेल स्टेज के बीच एक संयुक्त उद्यम है. ओरावेल स्टेज प्राइवेट लिमिटेड के अनुसार, कंपनी गुड़गांव, मानेसर और कॉर्बेट जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर 25 प्रीमियम 'संडे होटल्स'शुरू करने की योजना बना रही है.

एकम्स ड्रग्स एंड फार्मा का शेयर में आई तेजी

नयी दिल्ली । एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 679 रुपये से करीब सात प्रतिशत की तेजी के साथ सूचीबद्ध हुआ. बीएसई और एनएसई दोनों पर शेयर 6.77 प्रतिशत चढ़कर 725 रुपये पर खुला. बीएसई पर बाद में यह 15.55 प्रतिशत बढ़कर 784.65 रुपये पर पहुंच गया. कंपनी का बाजार मूल्यांकन शुरुआती कारोबार में 11,806.91 करोड़ रुपये रहा. कंपनी ने 1,857 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 646-679 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था.

श्री सीमेंट का मुनाफा 51.31 प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली । बांगड़ परिवार द्वारा प्रवर्तित श्री सीमेंट लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 51.31 प्रतिशत घटकर 278.45 करोड़ रुपये रह गया. कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में शुद्ध मुनाफा 571.94 करोड़ रुपये रहा था. श्री सीमेंट लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 1.73 प्रतिशत बढ़कर 5,123.96 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 5,036.65 करोड़ रुपये थी. अप्रैल-जून तिमाही में एससीएल का कुल व्यय 10.05 प्रतिशत बढ़कर 4,957.24 करोड़ रुपये हो गया.

भारतीय शेयर बाजार ने शुरुआती लाभ गंवाया

सेंसेक्स 166 अंक टूटा, निफ्टी 24,000 अंक नीचे आया

एजेंसी ।मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में शुरुआती तेजी कायम नहीं रह सकी और बीएसई सेंसेक्स 166 अंक के नुकसान में रहा. वहीं एनएसई निफ्टी 24,000 अंक के नीचे आ गया. बैंक और दूरसंचार कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बाजार नुकसान में रहा. बाजार में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 166.33 अंक यानी 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,593.07 अंक पर बंद हुआ. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 17 नुकसान में जबकि 13 लाभ में रहे.

सेंसेक्स सुबह बढ़त के साथ खुला और निवेशकों की लिवाली से एक समय यह 1,092.68 अंक तक चढ़कर 79,852.08 अंक तक चला गया था. हालांकि, बाद में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक समीक्षा से पहले बैंक शेयरों में बिकवाली दबाव से इसमें गिरावट आई और यह 78,496.57 अंक के निचले स्तर तक आया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 63.05 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,000 अंक के नीचे 23,992.55 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान यह एक समय 327 अंक चढ़कर 24,382.60 अंक तक चला गया था, लेकिन इसकी तेजी कायम नहीं रह पायी.

सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और ये चार प्रतिशत से अधिक नीचे आ चुके हैं. अमेरिका में रोजगार के कमजोर आंकड़े से वहां मंदी की आशंका बढ़ी है, जिससे दुनिया भर के बाजारों पर प्रतिकूल असर पड़ा है. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, एशिया के अन्य बाजारों की तरह घरेलू बाजार ने भी तेजी की कोशिश की. हालांकि, इसका लाभ कायम नहीं रह सका और निफ्टी 24,000 अंक के नीचे आ गया. निवेशकों की नजर येन की विनिमय दर में तेजी पर है. इसके अलावा अमेरिका के कमजोर आर्थिक आंकड़े तथा वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ने का भी असर है. सेंसेक्स के शेयरों में भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक और बजाज फाइनेंस नुकसान में रहे. दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं. कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि. के प्रबंध निदेशक नीलेश शाह ने कहा, जब वैश्विक बाजारों में सुधार आया, वहीं विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली से घरेलू बाजार में गिरावट रही. बुनियादी आधार पर येन की विनिमय दर में तेज वृद्धि से 'कैरी ट्रेड' (सस्ती दर पर उधार लेकर दूसरे देशों की संपत्तियों में निवेश) की स्थिति पलटने से भारत पर सीमित प्रभाव पड़ेगा.

उन्होंने कहा, अमेरिका में मंदी की स्थिति का हमारे आईटी/दवा क्षेत्रों तथा बाहर से स्वदेश पैसा भेजे जाने पर सीधा प्रभाव पड़ेगा. हमारा अनुमान है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा. एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट उल्लेखनीय रूप से लाभ में रहे, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहा. जापान का मानक सूचकांक निक्की मंगलवार को 10.7 प्रतिशत चढ़ा. एक दिन पहले इसमें 37 साल में सबसे बड़ी गिरावट आई थी. यूरोप के प्रमुख बाजारों में कारोबार के दौरान गिरावट का रुख था. अमेरिकी बाजार सोमवार को नुकसान में रहे थे. शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 10,073.75 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76.52 डॉलर प्रति बैरल रहा.

पीएफसी का शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत से अधिक बढ़ा

एजेंसी ।नयी दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 7,182.06 करोड़ रुपये हो गया. कंपनी ने एक साल पहले की समान तिमाही में 5,982.14 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया था. पीएफसी ने शेयर बाजार को अप्रैल-जून तिमाही के वित्तीय नतीजों की सूचना देते हुए कहा कि इस तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 24,736.68 करोड़ रुपये हो गई. पिछले साल की समान तिमाही में यह 21,017.81 करोड़ रुपये थी. कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 10 रुपये के अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयर पर 32.50 प्रतिशत यानी 3.25 रुपये प्रति इक्विटी शेयर अंतरिम लाभांश देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी. अंतरिम लाभांश के भुगतान के लिए शेयरधारकों की पात्रता का पता लगाने के लिए 30 अगस्त, 2024 को 'रिकॉर्ड तिथि' माना जाएगा. लाभांश भुगतान पांच सितंबर, 2024 को या उससे पहले किया जाएगा.

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में मामूली गिरावट

नयी दिल्ली । भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जून की तुलना में जुलाई में थोड़ी धीमी रही. एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है. मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 रही जबकि जून में यह 60.5 थी. खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है. एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, जुलाई में सेवा क्षेत्र की गतिविधि थोड़ी धीमी गति से बढ़ी, नए कारोबार में और वृद्धि हुई जो मुख्य रूप से घरेलू मांग से प्रेरित रही. सेवा कंपनियां आने वाले वर्ष के लिए आशावादी हैं. सितंबर 2014 में इस सर्वेक्षण की शुरुआत के बाद से नए निर्यात ठेकों में तीसरी सबसे तेज वृद्धि हुई है, जिसका कारण दुनिया भर से भारतीय सेवाओं की मांग में वृद्धि है. निर्यात ठेकों की प्रमुख मांग ऑस्ट्रिया, ब्राजील, चीन, जापान, सिंगापुर, नीदरलैंड और अमेरिका से रही. सर्वेक्षण में कहा गया, अनुकूल आर्थिक स्थिति और उत्पादन के प्रति आशावादी उम्मीदों ने सेवा कंपनियों में भर्ती को बढ़ावा दिया. इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जुलाई में 60.7 रहा, जो जून में 60.9 था.

इंडिगो 'बिजनेस क्लास' सीट की सेवाएं करेगी पेश

नयी दिल्ली । विमानन कंपनी इंडिगो नवंबर के मध्य में 12 घरेलू मार्गों पर उड़ानों में 'बिजनेस क्लास' सीट की सेवा शुरू करेगी. इंडिगो उड़ान सेवा के 18 वर्ष पूरे होने के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में एयरलाइन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने यह बात कही. एल्बर्स ने कहा कि सीट के लिए बुकिंग मंगलवार से शुरू होगी. उन्होंने कहा कि बिजनेस क्लास सीट की सेवाएं व्यस्ततम मार्गों के साथ-साथ व्यावसायिक मार्गों पर भी उपलब्ध होंगी जिनमें राष्ट्रीय राजधानी से चुनिंदा उड़ानें भी शामिल हैं. सीईओ ने कहा कि नवंबर के मध्य से 12 घरेलू मार्गों पर 'बिजनेस क्लास' सीट की सेवा उपलब्ध होंगी. वर्तमान में, टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया, एअर इंडिया एक्सप्रेस और विस्तारा बिजनेस क्लास सीट की सेवाएं प्रदान करती हैं. एल्बर्स ने यह भी कहा कि एयरलाइन चालू वित्त वर्ष 2024-25 में सात और अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ानें शुरू करेगी. वर्तमान में, इंडिगो प्रतिदिन 2,000 से अधिक उड़ानें संचालित करती है और 33 विदेशी शहरों सहित करीब 120 गंतव्यों के लिए सेवाएं उपलब्ध कराती है. उन्होंने कहा, इंडिगो चालू वित्त वर्ष के अंत से पहले सात नए अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ान सेवा शुरू करेगी. वित्त वर्ष 2024-25, 31 मार्च 2025 को समाप्त होगा.

बदलाव

नियामक ने एएमसी को 'व्हिसल-ब्लोअर' तंत्र बनाने का भी निर्देश दिया

सेबी ने म्यूचुअल फंड के नियमों में संशोधन किया

एजेंसी ।नयी दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंड मानदंडों में संशोधन किया है, जिसके तहत परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां (एएमसी) को प्रतिभूतियों में 'फ्रंट-रनिंग' और भेदिया कारोबार की पहचान करने तथा रोकने के लिए एक संस्थागत तंत्र स्थापित करना होगा. इसके अतिरिक्त एएमसी का प्रबंधन संस्थागत तंत्र की दक्षता सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होगा. नियामक ने एएमसी को 'व्हिसल-ब्लोअर' तंत्र बनाने का भी निर्देश दिया है. सेबी का यह निर्णय एक्सिस एएमसी और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) से जुड़े 'फ्रंट-रनिंग' मामलों के संबंध में दो

आदेश पारित करने के बाद आया है. सेबी ने एक अगस्त की गजट अधिसूचना में कहा, परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट संस्थागत तंत्र स्थापित करेंगी, ताकि प्रतिभूतियों में 'फ्रंट-रनिंग' और भेदिया कारोबार सहित संभावित बाजार दुरुपयोग की पहचान तथा रोकथाम की जा सके. 'फ्रंट-रनिंग' एक ब्रोकर द्वारा शेयर या किसी अन्य वित्तीय परिसंपत्ति का व्यापार है, जिसे भविष्य के लेनदेन के बारे में अंदरूनी जानकारी होती है जो उस लेनदेन की कीमत को काफी हद तक प्रभावित करने वाला होता है. अधिसूचना के अनुसार, सीईओ या प्रबंध निदेशक या समकक्ष पद का कोई अन्य व्यक्ति और परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी का मुख्य अनुपालन अधिकारी ऐसे संस्थागत तंत्र के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार तथा जवाबदेह होंगे. सेबी ने कहा, परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी एक 'व्हिसल-ब्लोअर' नीति स्थापित, कार्यान्वित करेगी, जो कर्मचारियों, निदेशकों, न्यासियों और अन्य हितधारकों के लिए संदिग्ध धोखाधड़ी, अनुचित या अनैतिक व्यवहार, नियामकीय या कानूनी जरूरत के उल्लंघन या कामकाज के संचालन के बारे में चिंता व्यक्त करने का एक गोपनीय तंत्र होगा.

बायजू रवींद्रन ने सुप्रीम कोर्ट में दायर किया कैविएट

नयी दिल्ली । बायजू रवींद्रन ने दिवाला अपीलीय न्यायाधिकरण 'एनसीएलएटी' द्वारा पारित आदेश के विरोध में अपने अमेरिकी ऋणदाता ग्लास ट्रस्ट कंपनी एलएलसी के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में 'कैविएट' दायर किया है . यह कैविएट तीन अगस्त को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष दायर किया गया . राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) ने शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच बायजू का संचालन करने वाली थिंक एंड लर्न के खिलाफ दिवाला कार्यवाही को दो अगस्त को खारिज करते हुए उसके निदेशक मंडल को बहाल करने का आदेश पारित किया था . अमेरिकी ऋणदाता के एनसीएलएटी के आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने की आशंका के बीच बायजू रवींद्रन ने 'कैविएट' दायर किया . इसमें अनुरोध किया गया है कि अमेरिकी ऋणदाताओं द्वारा दायर याचिका पर न्यायालय द्वारा कोई भी आदेश पारित करने से पहले उसका पक्ष भी सुना जाए . कैविएट आवेदन किसी वादी द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए दायर किया जाता है कि उसका पक्ष सुने बिना उसके विरुद्ध कोई आदेश पारित न किया जाए .

जुलाई में यात्री वाहनों की बिक्री 10 प्रतिशत बढ़ी : फाडा

एजेंसी ।नयी दिल्ली

नए मॉडल की पेशकश और बढ़ी हुई छूट से भारत में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री जुलाई में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़ी. उद्योग निकाय फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी. फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार जुलाई में कुल यात्री वाहन खुदरा बिक्री बढ़कर 3,20,129 इकाई हो गई, जबकि जुलाई 2023 में यह 2,90,564 इकाई थी. फाडा के उपाध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने कहा, डीलरों ने बताया कि उन्हें अच्छे उत्पाद उपलब्ध होने, आकर्षक योजनाओं और उत्पादों की व्यापक श्रृंखला से लाभ मिला है. उन्होंने कहा कि भारी बारिश, उपभोक्ता भावना में

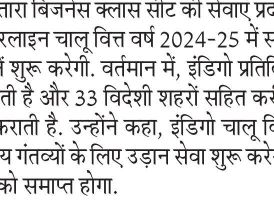

कमी और तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण चुनौतियां उत्पन्न हुईं, लेकिन अधिक प्रचार तथा बढ़ी छूट के जरिये बिक्री को बनाए रखने में कामयाबी हासिल हुई. जुलाई में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 17 प्रतिशत बढ़कर 14,43,463 इकाई रही, जो जुलाई 2023 में 12,31,930 इकाई थी. वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले महीने सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 80,057 इकाई हो गई.

आईआईटी इंदौर ने प्रोफेसर आईए पलानी के मार्गदर्शन में जीपीएस और आरएफआईडी तकनीक से तैयार किए

फौजियों के लिए खास जूते, हर कदम से बन सकेगी बिजली

10 जोड़े ऐसे जूतों की पहली खेप मुहैया भी करा दी है रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन को

एजेंसी। इंदौर

इंदौर के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) ने फौजियों के लिए नवाचारी तकनीक से खास जूते तैयार किए हैं. इन जूतों को पहनकर चलने से न केवल बिजली बन सकती है, बल्कि वास्तविक समय में सैन्य कर्मियों की लोकेशन का भी पता लगाया जा सकता है. आईआईटी के अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आईआईटी इंदौर ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को ऐसे जूतों के 10 जोड़ों की पहली खेप मुहैया भी करा दी है. उन्होंने बताया कि इन जूतों को आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर आईए पलानी के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है.

अधिकारियों ने बताया ये जूते ट्राइबो-इलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर (टेंग) तकनीक से बनाए गए हैं जिसके कारण इन्हें पहन कर चले गए हर कदम से बिजली बनेगी. उन्होंने बताया कि यह बिजली जूतों के तलों में लगाए गए एक यंत्र में जमा होगी जिससे छोटे उपकरण चलाए जा सकते हैं. अधिकारियों ने बताया कि 'ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम' (जीपीएस) और 'रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन' (आरएफआईडी) की तकनीकों से लैस जूतों की मदद से वास्तविक समय में सैन्य कर्मियों की लोकेशन भी पता लगाई जा सकती है.

इससे वास्तविक समय में सैन्यकर्मियों की लोकेशन भी पता लगाई जा सकेगी

सैन्य कर्मियों की सुरक्षा, समन्वय और दक्षता को बल मिलेगा

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा कि इन जूतों की नवाचारी खूबियों से सैन्य कर्मियों की सुरक्षा, समन्वय और दक्षता को बल मिलेगा. अधिकारियों ने बताया कि टेंग तकनीक से लैस जूतों का इस्तेमाल अल्जाइमर से जूझ रहे बुजुर्गों, विद्यालय जाने वाले बच्चों और पर्वतारोहियों की लोकेशन पता लगाने में भी किया सकता है. इसके अलावा, ये जूते कारखानों में कामगारों की हाजिरी और उनके काम की निगरानी में मददगार साबित हो सकते हैं. उन्होंने बताया कि इन जूतों की मदद से खिलाड़ियों के पैरों की हरकतों का सटीक विश्लेषण भी किया जा सकता है जिससे बेहतर प्रशिक्षण के जरिये उनके प्रदर्शन में सुधार लाया जा सकता है.

काशी विश्वनाथ मंदिर के पास दो पुराने मकान ढहे, महिला की मौत

एजेंसी। वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में मंगलवार सुबह काशी विश्वनाथ मंदिर गलियारे के पास स्थित दो पुराने मकान अचानक ढह गए, जिससे एक महिला की मलबे में दबकर मौत हो गई और सात अन्य लोग घायल हो गए. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में हुई इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मृतक महिला के परिजन के प्रति संवेदना प्रकट की और अधिकारियों को घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिये.

पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना चौक इलाके के खोया गली में हुई, जहां काशी विश्वनाथ मंदिर गलियारे के पास बने दो पुराने मकान अचानक ढह गए. इस घटना में मलबे में दबकर प्रेम लता गुप्ता (43) नामक महिला की मौत हो गयी तथा सात अन्य लोग घायल हो गए.

सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम ने सभी लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया. वाराणसी के मंडल आयुक्त कौशल राज शर्मा ने संवाददाताओं को बताया, "दो मकान ढहे थे, जिनमें से एक में रह रहे सभी लोग सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे थे, जबकि दूसरे मकान में रह रहे दो लोग ही बाहर निकल पाए थे और सात अन्य मलबे में फंस गए थे. उन्हें बचाव अभियान चलाकर बाहर निकाला गया."

ब्रीफ खबरें

कांग्रेस विधायकों ने विस में दिया धरना

जयपुर। विधायक मुकेश भाकर को निलंबित किए जाने और उन्हें सदन से बाहर ले जाने के लिए मार्शल द्वारा की गई कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस के लगभग 50 विधायकों ने सोमवार को पूरी रात विधानसभा में आसन के सामने धरना दिया. कांग्रेस के विधायकों ने यह धरना सोमवार शाम लगभग साढ़े चार बजे शुरू किया था और वे पूरी रात सदन में बैठे रहे. विधायक सदन में गद्दे बिछाकर धरने पर बैठे और रात भर भजन गाए. नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मंगलवार सुबह ''एक्स'' पर धरने की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, "रात्रि विश्राम और धरना, राजस्थान विधानसभा, जयपुर." सोमवार शाम सभापति संदीप शर्मा ने निलंबित किए गए कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर को सदन से बाहर जाने को कहा था.

इराक में कई अमेरिकी सैन्यकर्मी हुए घायल

वाशिंगटन। इराक में एक सैन्य अड्डे पर हुए संदिग्ध रॉकेट हमले में कई अमेरिकी सैन्यकर्मी घायल हो गए. अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी. अमेरिकी सेना पर ईरान समर्थित मिलीशिया के हमलों में हाल में बढ़ोतरी हुई है. यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब पिछले सप्ताह लेबनान में हिजबुल्ला के एक शीर्ष कमांडर और ईरान में हमास के शीर्ष राजनीतिक नेता के मारे जाने के बाद पूरे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है. दोनों गुट ईरान समर्थित हैं. अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने कहा कि अल-असद वायुसेना अड्डे पर तैनात बल घायलों की संख्या और नुकसान का अब भी आकलन कर रहे हैं. कम से कम सात सैन्य कर्मियों और नागरिकों के घायल होने का संदेह है.

बांग्लादेश : हसीना के अपदस्थ होने के बाद फैली अराजकता, हिंसा में 100 की मौत

होटल में 24 लोगों को जिंदा जलाया

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शन में मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 440 हो गई. स्थानीय मीडिया में आई खबरों के मुताबिक शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से सोमवार को इस्तीफा देने और देश छोड़ने के बाद हुई हिंसा की घटनाओं में 100 से ज्यादा की मौत हुई है. जोशोर जिले में भीड़ ने अवामी लीग के नेता के स्वामित्व वाले होटल में एक इंडोनेशियाई नागरिक सहित 24 लोगों को जिंदा जला दिया. वहीं हिंसा प्रभावित देश में सेना स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी हुई है. 'बीडीन्यूज24 डॉट कॉम' समाचार पोर्टल ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने के बावजूद मंगलवार को स्थिति सामान्य होने के संकेत मिले तथा पुलिस और सेना सड़कों पर गश्त कर रही है. रिपोर्ट के अनुसार, बस और अन्य सार्वजनिक वाहन सड़कों पर नजर आए और स्थानीय दुकानदारों ने भी अपनी दुकानें खोलीं. समाचार पोर्टल ने बताया कि सरकारी वाहन कार्यालयों की ओर जाते दिखाई दिए और बैटरी चालित कई रिक्शा भी सड़कों पर नजर आए. बांग्लादेश में सोमवार को उस समय अराजकता फैल गई, जब शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से अचानक इस्तीफा दे दिया और सैन्य विमान से देश छोड़कर चली गईं. हसीना के देश छोड़कर जाने की खबर फैलते ही सैकड़ों लोगों ने उनके आवास में घुसकर तोड़फोड़ और लूटपाट की. प्रदर्शनकारियों ने राजधानी में स्थित हसीना के आवास 'सुधा सदन' और अन्य प्रतिष्ठानों पर हमला कर तोड़फोड़ और आगजनी की. हसीना की अवामी लीग सरकार के मंत्रियों, पार्टी सांसदों और नेताओं के ढाका और ढाका के बाहर स्थित आवासों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया गया. सोमवार देर रात कम से कम 24 लोगों की भीड़ ने जोशोर जिले में जिला अवामी लीग के महासचिव शाहीन चक्कलदर के स्वामित्व वाले जाबिर इंटरनेशनल होटल में आग लगा दी, जिसमें एक इंडोनेशियाई नागरिक सहित 24 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई.

ढाका-कोलकाता मैत्री एक्सप्रेस सेवा आज भी स्थगित रहेगी

कोलकाता। पूर्व रेलवे ने कहा है कि बांग्लादेश में जारी अशांति के कारण कोलकाता-ढाका-कोलकाता मैत्री एक्सप्रेस की सेवाएं बुधवार को भी रद्द रहेंगी. बांग्लादेश में सोमवार को उस समय अराजकता फैल गई, जब शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से अचानक इस्तीफा दे दिया और सैन्य विमान से देश छोड़कर चली गईं. पूर्व रेलवे ने बांग्लादेश रेलवे के एक संदेश का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि मैत्री एक्सप्रेस की सेवाएं बुधवार को फिर से शुरू नहीं होंगी. यह ट्रेन सेवा 19 जुलाई से बंद है. सप्ताह में दो दिन चलने वाली कोलकाता-खुलना-कोलकाता बंधन एक्सप्रेस का परिचालन भी 21 जुलाई से निलंबित है.

बांग्लादेश में लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करते हुए अंतरिम सरकार बनाई जानी चाहिए : अमेरिका

वाशिंगटन : अमेरिका ने कहा है कि बांग्लादेश में लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन और बांग्लादेशी लोगों की इच्छा का सम्मान करते हुए अंतरिम सरकार का गठन किया जाना चाहिए. विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने सोमवार को वाशिंगटन में अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "हम बांग्लादेश के लोगों को बांग्लादेश की सरकार का भविष्य निर्धारित करते हुए देखना चाहते हैं." मिलर ने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका बांग्लादेश के हालात पर करीबी नजर रख रहा है और वह देश में हिंसा समाप्त करने तथा पिछले कुछ हफ्तों में हुई मौतों के लिए जवाबदेही तय करने का आह्वान करता है. उन्होंने कहा, "अंतरिम सरकार के संबंध में सभी फैसले लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन और बांग्लादेशी लोगों की इच्छा का सम्मान करते हुए किए जाने चाहिए." मिलर ने कहा, "अब, जवाबदेही कैसी होनी चाहिए, यह बांग्लादेशी कानून के तहत तय किया जाना चाहिए. जाहिर है, हिंसा के कृत्यों, कानून का उल्लंघन करने वाले कृत्यों के लिए जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए." एक सवाल के जवाब में मिलर ने कहा, 'उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि पूर्व प्रधानमंत्री हसीना ने अमेरिका से शरण मांगी है या नहीं. जहां तक अंतरिम सरकार का सवाल है, हमारा मानना है कि यह महत्वपूर्ण है कि हम बांग्लादेशी लोगों की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करें और लोकतांत्रिक शासन की संभावनाएं तलाशें." मिलर ने जोर देकर कहा कि अमेरिका बांग्लादेश के लोगों के साथ अपने रिश्ते को काफी महत्व देता है. हम सभी पक्षों से और हिंसा से बचने का आग्रह करते हैं.

राष्ट्रपति ने की राजनीतिक दलों से देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य करने में मदद की अपील

विभिन्न स्थानीय मीडिया संस्थानों की रिपोर्ट के मुताबिक, राजधानी और विभिन्न अन्य स्थानों पर हिंदू मंदिरों पर हमलों, हिंसा और व्यापक लूटपाट के कारण 119 लोग मारे गए हैं. बांग्ला भाषा के दैनिक समाचार पत्र 'प्रथम आलो' ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को ढाका सहित देश के विभिन्न हिस्सों में हुई झड़पों में कम से कम 109 लोग मारे गए. इससे पहले, समाचार पत्र ने रविवार दोपहर 12 बजे तक 98 लोगों की मौत होने की सूचना दी थी और रविवार आधी रात को 16 और लोगों की जान जाने की सूचना मिली. उसने बताया कि रविवार को कुल 114 लोगों की मौत हुई. समाचार पत्र ने कहा, 'इसके साथ ही 16 जुलाई से कल तक 21 दिन में हिंसा में जान गंवाने वालों की कुल संख्या 440 हो गई है.' उसने कहा कि सोमवार को सुबह 11 बजे से रात आठ बजे के बीच 37 शव ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए गए. समाचार पत्र ने अस्पताल सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि 500 घायलों को अस्पताल लाया गया, जिनमें से कई को गोलियां लगी थीं. 'ढाका ट्रिब्यून' समाचार पत्र ने कहा कि सोमवार को पुलिस और उपद्रवियों के बीच झड़प के बाद राजधानी के बाहरी इलाके धामराई और सावर में कम से कम 18 लोग मारे गए. सोमवार को राजधानी के उत्तरा में सादे कपड़ों में आए कुछ लोगों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर कथित तौर पर गोलीबारी किए जाने से 10 लोगों की मौत हो गई.

राष्ट्रपति मुर्मू फ़िज़ी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित

- मुर्मू ने महात्मा गांधी की प्रतिमा और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की

एजेंसी। सुवा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मंगलवार को फ़िज़ी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'कम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फ़िज़ी' से सम्मानित किया गया. मुर्मू ने दोनों देशों के संबंधों की प्रशंसा की और कहा कि भारत एक मजबूत, लचीला और अधिक समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए फ़िज़ी के साथ साझेदारी करने को तैयार है. मुर्मू ने यहां एक हाई स्कूल में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और वहां मौजूद विद्यार्थियों से बातचीत की. इसके साथ ही उन्होंने यहां राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी. राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, फ़िज़ी की दो दिवसीय यात्रा पर आयीं मुर्मू ने इस सम्मान को भारत और फ़िज़ी के बीच 'दोस्ती के गहरे संबंधों का प्रतिबिंब' बताया. यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इस द्वीपसमूह राष्ट्र की पहली यात्रा है. राष्ट्रपति मुर्मू ने फ़िज़ी की संसद को भी संबोधित किया. उन्होंने कहा कि आकार में बहुत अंतर होने के बावजूद भारत और फ़िज़ी में जीवंत लोकतंत्र समेत काफी कुछ एक समान है. इनमें हमारा लोकतंत्र, हमारे समाज की विविधता, हमारी नस्ल कि सभी मनुष्य समान हैं, तथा प्रत्येक व्यक्ति की स्वतंत्रता, सम्मान और अधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता शामिल हैं. ये साझा मूल्य शाश्वत हैं तथा आगे भी हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे.' उन्होंने कहा, 'यहां बिताए अपने थोड़े से समय में, मैं देख सकती हूं कि बाकी दुनिया को फ़िज़ी से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है. फ़िज़ी की सौम्य जीवनशैली, परंपराओं तथा रीति-रिवाजों के प्रति गहरा सम्मान, खुला और बहुसांस्कृतिक वातावरण, फ़िज़ी को तेजी से संघर्षों में घिर रही इस दुनिया में इतना खास बनाता है. इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि फ़िज़ी वह जगह है जहां बाकी दुनिया अपनी खुशियां ढूंढने आती है.' उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सुवा में स्थापित होने वाले 'सुपर स्पेशलिटी कार्डियोलॉजी हॉस्पिटल' सहित नयी परियोजनाएं फ़िज़ी और व्यापक प्रशांत क्षेत्र के लोगों की प्राथमिकता वाली जरूरतों को पूरा करने में मदद करेंगी.

कमला हैरिस ने हासिल की राष्ट्रपति पद की आधिकारिक उम्मीदवारी

एजेंसी। वाशिंगटन

- डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के डेलीगेट के पांच दिवसीय ऑनलाइन मतदान के बाद की गई घोषणा

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने मंगलवार को डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की आधिकारिक उम्मीदवारी हासिल कर ली. इसी के साथ वह देश की एक बड़ी राजनीतिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति चुनाव का टिकट पाने वाली पहली भारतीय-अफ्रीकी महिला बन गयी हैं. हैरिस (59) का नवंबर में होने वाले आम चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति तथा रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप से मुकाबला होगा. गत शुक्रवार को हैरिस को सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी ने आगामी राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया था. हैरिस ने तब कहा था, 'मैं अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने पर गौरवान्वित हूं. मैं अगले सप्ताह आधिकारिक रूप से नामांकन स्वीकार करूंगी. यह अभियान लोगों को देश प्रेम से प्रेरित होकर एकजुट होने और सर्वश्रेष्ठ के लिए लड़ने के बारे में है.' पिछले महीने राष्ट्रपति जो बाइडन ने आगामी चुनाव में राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की घोषणा की थी.

म्यांमा सेना की उत्तर-पूर्वी कमान पर मिलिशिया समूह का कब्जा

- सैन्य शासन ने स्वीकारा-रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सैन्य मुख्यालय से संपर्क टूटा

एजेंसी। बैंकॉक

म्यांमा के सैन्य शासन ने सोमवार को स्वीकार किया कि उत्तर-पूर्व में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सैन्य मुख्यालय के कमांडरों के साथ उसका संपर्क टूट गया है, जिससे एक मिलिशिया समूह के इस दावे को बल मिला है कि उसने इस अड्डे पर कब्जा कर लिया है. लाशियो शहर में सेना की उत्तर-पूर्वी कमान पर मिलिशिया समूह का कब्जा म्यांमा की सैन्य सरकार के लिए बड़ा झटका होगा. जातीय अल्पसंख्यक समूहों के शक्तिशाली मिलिशिया के गठबंधन द्वारा किया गया यह कब्जा गृह युद्ध में उसे बढ़त देता है. 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेटेजिक स्टडीज' के सिंगापुर स्थित विश्लेषक मॉर्गन माइकल्स ने कहा, 'उत्तर-पूर्वी कमान पर शासन का नियंत्रण छिन जाना संघर्ष में उसकी सबसे अपमानजनक हार है.' माइकल्स ने कहा, 'लाशियो के बिना शासन के लिए अपनी अन्य चौकियों को बचाए रखना बेहद मुश्किल होगा.'

इंदौर के बाल आश्रम की बच्ची की मौत

- इस संस्थान में अब तक कुल 11 बच्चों ने दम तोड़ा

एजेंसी। इंदौर

इंदौर में एक बाल आश्रम में हैजा के प्रकोप के बाद 10 बच्चों की मौत से चर्चा में आए इस संस्थान की तीन वर्षीय बच्ची ने एक सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है. अस्पताल की एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. इसी बीच, बच्चों की सिलसिलेवार मौत को लेकर कांग्रेस ने सवाल उठाया कि प्रशासन ने इतने गंभीर मामले में आश्रम प्रबंधन के खिलाफ अब तक प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई है? शासकीय चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय की अधीक्षक डॉ. प्रीति मालपानी ने बताया, 'शहर के श्री युगपुरुष धाम बाल आश्रम की तीन वर्षीय बच्ची को शनिवार (तीन अगस्त) को बेहद गंभीर हालत में हमारे अस्पताल में उसके परिजनों ने भर्ती कराया गया था. तब वह उल्टी-दस्त और शरीर में पानी की कमी की समस्याओं से पीड़ित थी.' उन्होंने बताया कि चिकित्सकों की तमाम कोशिशों के बावजूद बच्ची की जान नहीं बचाई जा सकी और उसने सोमवार रात दम तोड़ दिया. अस्पताल अधीक्षक के मुताबिक बच्ची पहले ही कुपोषण और विकलांगता से जूझ रही थी. मालपानी के मुताबिक आश्रम प्रबंधन का दावा है कि उसने बच्ची को उसके परिजनों को हाल ही में सौंप दिया था. उन्होंने बताया कि बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन की जांच रिपोर्ट में कुछ दिन पहले खुलासा हुआ था कि श्री युगपुरुष धाम बाल आश्रम में हैजा के प्रकोप के बाद पिछले डेढ़ महीने के भीतर 10 बच्चों की मौत हुई.

अध्ययन | दो से पांच साल के बच्चों के लिए स्क्रीन का समय प्रतिदिन एक घंटे से ज्यादा नहीं होना चाहिए

बच्चे को स्क्रीन का सही इस्तेमाल करने में मदद करने के चार तरीके

एजेंसी। वोलोंगोंग (ऑस्ट्रेलिया)

स्क्रीन टाइम ऑस्ट्रेलियाई माता-पिता के लिए सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है. रॉयल चिल्ड्रन हॉस्पिटल मेलबर्न द्वारा फरवरी 2021 में किए गए राष्ट्रीय सर्वेक्षण में अभिभावकों ने इसे अपने बच्चों के सामने सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्या बताया. पिछले शोध से यह भी पता चलता है कि अभिभावक स्क्रीन के बारे में दोषी महसूस करते हैं, भले ही वे हमारे चारों ओर हों. साथ ही, अभिभावकों को क्या करना चाहिए, इस बारे में मार्गदर्शन भ्रामक है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और ऑस्ट्रेलिया सरकार के अनुसार, दो से पांच साल के बच्चों के लिए स्क्रीन का समय प्रतिदिन एक घंटे से ज्यादा नहीं होना चाहिए, जबकि दो साल से कम उम्र के बच्चों को स्क्रीन के संपर्क में बिल्कुल भी नहीं आना चाहिए. लेकिन यूके रॉयल कॉलेज ऑफ पीडियाट्रिक्स एंड चाइल्ड हेल्थ ने कहा है कि 'व्यापक राष्ट्रीय मार्गदर्शन या सीमाएं निर्धारित करना असंभव है' क्योंकि स्क्रीन का प्रभाव संदर्भ पर बहुत अधिक निर्भर करता है और साक्ष्य अनिश्चित हैं. इससे सवाल उठता है कि बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए स्क्रीन टाइम से परे और क्या मायने रखता है. जामा पीडियाट्रिक्स में प्रकाशित नए शोध में, जन्म से लेकर पांच वर्ष तक के बच्चों में संज्ञानात्मक (मस्तिष्क), सामाजिक और भावनात्मक विकास पर स्क्रीन उपयोग संदर्भों के प्रभाव पर 100 अध्ययनों की समीक्षा की गई. स्क्रीन में टीवी, कंप्यूटर गेम, स्मार्टफोन और टैबलेट शामिल थे. 1978 और 2023 के बीच प्रकाशित इन अध्ययनों में 30 देशों के 1,76,000 से अधिक बच्चे और उनके परिवार शामिल थे. इसमें अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, कनाडा, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल थे.

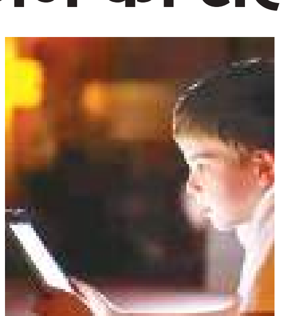

1. स्क्रीन के लिए साथ-साथ समय बिताएं : अध्ययनों के विश्लेषण से पता चलता है कि अगर बच्चे और देखभाल करने वाले एक साथ स्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं (जिसे साथ-देखना भी कहा जाता है), तो यह बच्चों की सोच और तर्क कौशल के लिए फायदेमंद होता है. यह उनके भाषा विकास के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है, जिसमें बच्चों द्वारा जाने जाने वाले शब्दों की संख्या, उनके सामाजिक संचार कौशल, भाषा समझ शामिल हैं.

2. उम्र के हिसाब से उपयुक्त विषय वस्तु चुनें : स्क्रीन पर बिताया गया हर समय 'बुरा' नहीं होता, लेकिन हमें विषय वस्तु पर विचार करना चाहिए और यह भी देखना चाहिए कि यह बच्चे के विकास और व्यवहार को कैसे प्रभावित कर सकता है. बच्चों में उम्र के हिसाब से अनुचित विषय वस्तु देखने, खराब सामाजिक कौशल और व्यवहार के बीच संबंध है. यह बच्चों के लिए उद्देश्यपूर्ण और उच्च गुणवत्ता वाले स्क्रीन अनुभवों के महत्व को उजागर करता है.

3. स्क्रीन को बातचीत में बाधा न बनने दें : बच्चे और माता-पिता कहीं भी और कभी भी स्क्रीन का इस्तेमाल कर सकते हैं. कभी-कभी अभिभावकों की स्क्रीन उनके और उनके बच्चे के बीच बातचीत और संबंधों में बाधा डाल सकती है. जब अभिभावक बातचीत व पारिवारिक भोजन जैसी दिनचर्या के दौरान स्क्रीन का इस्तेमाल करने से बचते हैं, तो बच्चों के सामाजिक कौशल, व्यवहार व अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने की क्षमता बेहतर होती है.

4. बैकग्राउंड में टीवी न चलाएं : बच्चे अपने परिवेश से सीखते हैं और बैकग्राउंड में टीवी चलने से बच्चे का ध्यान खेलने और सीखने से हट सकता है. शोध में पाया गया कि जब घर में बैकग्राउंड में टीवी कम चलता है तो बच्चों की सोच, तर्क और भाषा की क्षमता बेहतर होती है. ऐसा इसलिए भी हो सकता है क्योंकि बैकग्राउंड में टीवी चलने पर अभिभावकों और बच्चों के बीच बातचीत कम होती है. इसलिए, जब टीवी सक्रिय रूप से नहीं देखा जा रहा हो, तो उसे बंद कर दें ताकि बच्चे खेल सकें, सुन सकें और सीख सकें.

(द कन्वरसेशन)

केरल पुलिस की अपराध शाखा ने की कार्रवाई

धोखाधड़ी में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित व्यवसायी गिरफ्तार

- मेनन पर दो कंपनियों के नाम पर लोगों से धनराशि लेने के संबंध में वित्तीय धोखाधड़ी के 18 मामले दर्ज

एजेंसी। त्रिशूर (केरल)

केरल के व्यवसायी एवं पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित सुंदर सी मेनन को कथित धोखाधड़ी की शिकायतों पर त्रिशूर में गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्हें रविवार को राज्य पुलिस की जिला अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया और स्थानीय अदालत में पेश किया जिसने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया. पुलिस के अनुसार, वर्ष 2016 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किए गए मेनन पर दो कंपनियों के नाम पर लोगों से धनराशि लेने के संबंध में वित्तीय धोखाधड़ी के 18 मामले दर्ज हैं. इन कंपनियों में से एक में वह निदेशक हैं. पुलिस ने बताया कि उन्होंने विभिन्न लोगों से कथित तौर पर 7.78 करोड़ रुपये लिये, लेकिन योजनाओं की परिपक्वता अवधि के बाद उन्हें धनराशि नहीं लौटाई. पुलिस के एक बयान में कहा गया कि आरोपी ने 62 से अधिक निवेशकों से जमा राशि ली और परिपक्वता अवधि के बाद जमाराशि नहीं लौटाकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मानदंडों का उल्लंघन व धोखाधड़ी की. इसमें कहा गया, 'यहां पश्चिम पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ 18 मामले दर्ज किए गए थे.'

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)